A Daily News Magazine
भोपाल
गुरुवार, 12 मार्च, 2026

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 23, अंक 188, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

नेपाल : बालेन शाह का पीएम बनना भारत के लिए कैसा रहेगा?

रजनीश कुमार

बालेन शाह काठमांडू के मेयर से नेपाल के प्रधानमंत्री बनने जा रहे हैं तो उनकी उम्र महज 35 साल हो रही है। नेपाल के जेन जी आंदोलन ने वहाँ की संसद को युवा बना दिया है। प्रचंड को छोड़ इस बार कोई भी पूर्व प्रधानमंत्री नेपाल की संसद में नहीं होगा। इस बार के चुनाव में नेपाल में कई चीज़ें पहली बार होने जा रही हैं। नेपाल में 239 साल पुरानी राजशाही व्यवस्था 2008 में ख़त्म हुई थी। 2008 से अब तक किसी भी पार्टी ने अपने दम पर सरकार नहीं बनाई थी। इस बार राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी बालेन शाह के नेतृत्व में अपने दम पर सरकार बनाने जा रही है। नेपाल में कुल 275 सीटें हैं। सरकार बनाने के लिए 138 सीटों की ज़रूरत होगी और आरएसपी 180 से ज़्यादा सीटें जीतने की ओर बढ़ रही है।

नेपाल के वरिष्ठ पत्रकार किशोर नेपाल कहते हैं कि अब तक यह मिथ था कि 2015 में नया संविधान लागू होने के बाद कोई भी पार्टी अपने दम पर सरकार नहीं बना पाएगी लेकिन बालेन शाह ने इस मिथ को भी तोड़ दिया है।

''नेपाल में प्रतिनिधि सभा के लिए 165 सांसद सीधे चुने जाते हैं और 110 से समानुपाती प्रक्रिया के तहत। लेकिन आरएसपी ने इस मिथ को भी तोड़ दिया है। बालेन शाह के लिए यही ताक़त भी है और यही चुनौती भी। ताक़त इसलिए कि सरकार किसी के समर्थन पर निर्भर नहीं होगी। चुनौती इस लिहाज से होगी कि बालेन से लोगों की अपार उम्मीदें हैं।''

बालेन प्रधानमंत्री बनते हैं तो नेपाल में पहली बार मधेसी मूल का कोई पीएम होगा। आरएसपी महज तीन साल पहले बनी थी। आरएसपी और बालेन शाह नेपाल की बाक़ी पार्टियों और नेताओं की तुलना में बिल्कुल नए हैं। भारत के पास नेपाल की कम्युनिस्ट पार्टियों और नेपाली कांग्रेस पार्टी के साथ काम करने का अनुभव है लेकिन आरएसपी के साथ नहीं है। आरएसपी की प्रचंड जीत के बाद भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को फोन कर रबि लामीछाने और बालेन शाह को बधाई दी।

बालेन शाह ने जून 2023 में काठमांडू के मेयर रहते हुए हिन्दी फ़िल्म आदिपुरुष पर पाबंदी लगा दी थी। बालेन को इस बात पर आपत्ति थी कि फ़िल्म में हिन्दू देवी सीता को भारत का बताया गया था। इसके अलावा 2020 में नेपाल के तत्कालीन प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने नया नक़्शा जारी किया था, जिसमें उत्तराखंड के कई हिस्सों को नेपाल का बताया गया था। इसे बालेन शाह ने जून 2023 में मेयर रहते हुए अपने दफ़्तर में लगा दिया था। ऐसे में बालेन शाह के नेतृत्व में नेपाल और भारत के संबंधों में कितनी गर्मजोशी होगी? झापा के दमक में बनने वाले नेपाल-चीन फ्रेंडशिप इंडस्ट्रियल पार्क को बालेन शाह ने अपने घोषणापत्र से हटा दिया था। झापा-5 सीट पर ही बालेन शाह ने पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली को हराया है। यह इंडस्ट्रियल पार्क चीन की महत्वाकांक्षी योजना बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव यानी बीआरआई का हिस्सा है। फ़रवरी 2021 में ओली ने झापा ज़िले की कमल ग्रामीण नगरपालिका में इस परियोजना का शिलान्यास किया था। यह मेगा परियोजना झापा-5 निर्वाचन क्षेत्र में आती है, जो ओली का गढ़ रहा है। यह परियोजना नेपाल-भारत सीमा के पास स्थित है। ख़ासकर संवेदनशील सिलीगुड़ी कॉरिडोर यानी 'चिकन नेक' के नज़दीक, जो भारत के पूर्वोत्तर राज्यों को देश के बाक़ी हिस्सों से जोड़ने वाली संकरी पट्टी है। कहा जाता है कि भारत इस प्रोजेक्ट को लेकर ख़ुश नहीं था। बीआरआई को लेकर भारत की कई चिंताएं जगज़ाहिर हैं।

बालेन शाह ने जब अपने घोषणापत्र से नेपाल-चीन इंडस्ट्रियल पार्क परियोजना को हटाया तो इस प्रोजेक्ट के अध्यक्ष गोविन्द थापा ने फेसबुक पर एक लंबी टिप्पणी लिखी थी। थापा ने लिखा था कि जब चीनी निवेश नेपाल में आता है, तो हम झापा के लोग और पूरा नेपाली जनमानस यह नहीं समझ पाते कि किसी अन्य देश को इससे आपत्ति क्यों होनी चाहिए। इंडस्ट्रियल पार्क आम जनता के लिए वस्तुओं के उत्पादन के लिए बनाया जा रहा है, न कि हथियार या मिसाइल बनाने के लिए। नेपाल की गहरी समझ रखने वाले भारत के वरिष्ठ पत्रकार और लेखक आनंदस्वरूप वर्मा कहते हैं, ''बेशक बीआरआई से चीन को फ़ायदा है। लेकिन इससे नेपाल की जनता को भी तो फ़ायदा है। इससे भारत पर नेपाल की निर्भरता कम होगी। रबि लामीछाने और बालेन शाह इन पहलुओं को नहीं समझ सकते हैं। आरएसपी की घंटी का मज़बूत होना, नेपाल के लिए ख़तरे की घंटी है।''

लोकराज बराल कहते हैं ''बालेन शाह की टोपी में खुखरी की तस्वीर रहती है जबकि वह मधेसी हैं। बालेन ने एक बार अपने फ़ेसबुक स्टेटस में भारत, अमेरिका और आरएसपी के लिए अपमानजनक टिप्पणी की थी। अब तक बालेन बहुत ही अप्रत्याशित रहे हैं। हालांकि नेपाल में भारत के राजदूत रहे रंजीत राय मानते हैं कि काठमांडू का मेयर होना दूसरी बात है और नेपाल का प्रधानमंत्री होना बिल्कुल अलग बात।

नेपाल एक लैंडलॉक्ड देश है। भारत से उसकी क़रीब 1800 किलोमीटर सीमा लगती है। इनमें 1250 किलोमीटर ज़मीन से लगी सीमा है। नेपाल भारत पर कई मामलों में निर्भर है। ऐसे में उसके भी लिए उतना ही अहम है कि भारत के साथ संबंध अच्छा रहे। किशोर नेपाल को लगता है कि मेयर के रूप में बालेन शाह की सोच यूटोपिया वाली रही है। बालेन शाह जब मेयर बने तो उन्होंने काठमांडू में बहुत उम्मीदें जगाई थीं। अब वह नेपाल के प्रधानमंत्री बनते हैं तो उम्मीदों का पहाड़ और ज़्यादा ऊँचा हो गया है। आरएसपी के भीतर जितनी महत्वाकांक्षा बालेन शाह की है, उतनी ही पार्टी के अध्यक्ष रबि लामीछाने की भी है। आने वाले समय में दोनों की महत्वाकांक्षाएं टकराएंगी।''

विजयकांत कर्ण डेनमार्क में नेपाल के राजदूत रहे हैं। कर्ण कहते हैं कि बालेन शाह का मूल्यांकन इस आधार पर नहीं हो सकता है कि उन्होंने अतीत में क्या कहा था। मुझे लगता है कि भारत और भारत के मीडिया को दोनों देशों के संबंधों को गंभीरता से देखना चाहिए न कि इसमें मायने निकालना चाहिए। इस सरकार से नेपाल के लोगों को बहुत उम्मीदें हैं और भारत को चाहिए कि इन उम्मीदों को पूरा करने में मदद करे।''

भारत में 1996-97 में नेपाल के राजदूत रहे लोकराज बराल कहते हैं, ''नेपाल में विदेशी हस्तक्षेप खुद से नहीं आता। हम इसे इन्वाइटेड इंटरफेयर कहते हैं। यानी आमंत्रित हस्तक्षेप। ऐसा नेहरू के ज़माने से हो रहा है।

(बीबीसी हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

बुंदेलखंड में शिक्षा का लिखा जा रहा है नया अध्याय : मुख्यमंत्री

- ज्ञानवीर विश्वविद्यालय युवाओं के सामर्थ्य और सपनों को देगा नई ऊंचाई
- भारत एआई के क्षेत्र में लहरा रहा है अपना परचम
- मुख्यमंत्री ने राहतगढ़ और जेसीनगर को दी आधुनिक ग्रंथालय की सौगात

मुख्यमंत्री ने सागर के ग्राम जैरई में ज्ञानवीर विश्वविद्यालय का शुभारंभ किया

भोपाल/सागर (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भारत में मातृ सत्ता प्रधान संस्कृति है। भारत की छवि विश्व गुरू की रही है। दुनिया में केवल भारतीय संस्कृति है, जिसने अपने मूल्यों के आधार पर ज्ञान की धारा को तक्षशिला और नालंदा विश्वविद्यालयों के माध्यम से विश्व के कोने-कोने में पहुंचाया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत का समय बदला है। अब हमारा देश आर्टिफीशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में विश्व का नेतृत्व कर रहा है। भारत अपने कौशल के बल पर आधुनिक तकनीक में विश्व में नंबर वन बन रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि महान शिक्षाविद् डॉ. हरि सिंह गौर ने अपनी जमा पूंजी लगाकर बुंदेलखंड के सागर में शिक्षा का नया सूर्योदय किया। श्री गौर के प्रयासों से बुंदेलखंड को केंद्रीय विश्वविद्यालय की सौगात मिली है। यहां विभिन्न कोर्स की पढ़ाई कर निकले विद्यार्थियों ने देश-विदेश में अपनी अलग पहचान बनाई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राहतगढ़ और जेसीनगर में श्रमिकों के बच्चों के लिए लाइब्रेरी बनाने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने परखी भविष्य के वकीलों की तैयारी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ज्ञानवीर विश्वविद्यालय के नवनिर्मित परिसर का उद्घाटन करशैक्षणिक सुविधाओं का जायजा लिया, जिसमें विशेष रूप से विधि (एलए2) के छात्र-छात्राओं के लिए तैयार की गई मूट कोर्ट आकर्षण का केंद्र रही। मूट कोर्ट एक प्रकार की कृत्रिम या नकली न्यायिक कार्यवाही होती है। इसमें कानून की पढ़ाई कर रहे छात्र एक काल्पनिक कानूनी मामले पर वास्तविक अदालत की तरह बहस करते हैं। इसका मुख्य उद्देश्य छात्रों को वास्तविक अदालती कार्यवाही और प्रोटोकॉल की बारीकियां सिखाना, न्यायिक तर्क और पैरवी की कला में निपुण बनाना, मुकदमेबाजी और कानूनी दस्तावेजीकरण का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना है।

सागर के विकास में मुख्यमंत्री डॉ. यादव का योगदान अविस्मरणीय : मंत्री राजपूत

खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने ज्ञानवीर विश्वविद्यालय के लोकार्पण अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने इस दिन को सागर के लिए ऐतिहासिक बताते हुए विकास के कई महत्वपूर्ण पड़ावों को रेखांकित किया। मंत्री

श्री राजपूत ने कहा कि आज का दिन बेहद सौभाग्यशाली है। उन्होंने याद दिलाया कि ज्ञानवीर विश्वविद्यालय की फाइल पर डॉ. मोहन यादव ने तभी हस्ताक्षर कर इसकी शुरुआत कराई थी, जब वे प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री थे। सागर अब उन चुनिंदा शहरों में शामिल है जहाँ केंद्रीय विश्वविद्यालय के साथ राजकीय विश्वविद्यालय (स्टेट यूनिवर्सिटी) और मेडिकल कॉलेज की सुविधा भी उपलब्ध है। इसके लिए उन्होंने प्रधानमंत्री श्री मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. यादव का विशेष धन्यवाद किया। कार्यक्रम के प्रारंभ में ज्ञानवीर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री आदित्य सिंह राजपूत ने स्वागत उदबोधन में विश्वविद्यालय के संबंध में जानकारी दी।

ई-स्कूटी हेतु अनुदान योजना

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने हटा (दमोह) में महिला सशक्तिकरण सम्मेलन में म.प्र. भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण मंडल भवन एवं अन्य संनिर्माण ई-स्कूटी हेतु अनुदान योजना -2024 अंतर्गत स्कूटी प्रदान की।

केंद्र से एमपी को मिला बड़ा तोहफा

- दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे से जुड़ेगा उज्जैन

भोपाल (नप्र)। केंद्र से मध्य प्रदेश को बड़ी सौगात मिली है। उज्जैन अब सीधे दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे से जुड़ेगा। गुजरात और महाराष्ट्र के श्रद्धालु सिंहस्थ के दौरान दो घंटे में उज्जैन पहुंच जाएंगे। 2028 सिंहस्थ से पहले इस प्रोजेक्ट का काम पूरा हो जाएगा। बताया जा रहा है कि बेहद कम समय में इस प्रोजेक्ट को केंद्र से मंजूरी मिली है।

सीएम मोहन यादव ने जताया आभार- सीएम मोहन यादव ने मंगलवार को एनएच-752डी के बदनावर-पेटलावद-थांदला-टिमरवानी सेक्शन को 3,839 करोड़ रुपए की लागत से फोर-लेन करने की मंजूरी देने के लिए केंद्रीय कैबिनेट का आभार जताया। उन्होंने कहा कि यह कॉरिडोर उज्जैन से दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे के टिमरवानी इंटरचेंज तक सीधी चार-लेन कनेक्टिविटी देगा।

शरद की सुबह

जिस तरह सोचती है एक
दूसरी भी सोचने लगती है उसी तरह
दोनों एक साथ हँसती गाती हैं
एक-सा पड़ता है इन पर दौरा
उठती है आँखों में चमक एक साथ
संग संग सोती उठती बतियाती हैं
खुसुर पुसुर ही ही खी खी
धड़ाम धू धट भड़ाम फू फट
फिर कहती है एक
मैंने नहीं यह तो किया है उसने
इनमें से कोई अंधी नहीं कोई लँगड़ी नहीं
लेकिन जब चलते चलते थक जाती है एक
तो दूसरी बैठा लेती है उसे अपने कंधे पर
दोनों चंचल दोनों के हृदय वज्र कठोर
दोनों के पास एक-दूसरे के मुखौटे
एक मोह लेती है अपने श्रृंगार से
दूसरी करती चलती है शिकार
ये कुछ इस तरह अलग अलग
जैसे एकाकार।

- कुमार अंबुज

अब ट्रेन में भी करना पड़ सकता है भूखा सफर!

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान-इजरायल युद्ध के कारण भारत समेत कई देशों में एलपीजी और एलएनजी की किल्लत हो गई है। रेलवे अधिकारियों के मुताबिक देशभर में एलपीजी सिलेंडर की कमी का असर रेलवे कैटरिंग पर भी पड़ने लगा है।

ऐसे में रेलवे अस्थायी रूप से ट्रेनों में पकाए जाने वाले भोजन की सेवा रोकने पर विचार कर रहा है। जिन यात्रियों ने टिकट बुकिंग के समय भोजन प्री-बुक किया है, उन्हें रिफंड देने पर भी विचार किया जा रहा है। वहीं दूसरी ओर भारतीय रेलवे ने अपने सभी लाइसेंसधारकों को वैकल्पिक कुकिंग सिस्टम अपनाने के निर्देश दिए हैं। आईआरसीटीसी ने लाइसेंसधारी वेंडर्स से कहा है कि वे खाना बनाने के लिए एलपीजी की जगह माइक्रोवेव और इंडक्शन का इस्तेमाल करें। आईआरसीटीसी के अनुसार रेलवे स्टेशनों पर मौजूद फूड प्लाजा, रिफ्रेशमेंट रूम और जन आहार केंद्रों को अब माइक्रोवेव ओवन और इलेक्ट्रिक इंडक्शन जैसे उपकरणों का उपयोग करने को कहा गया है ताकि गैस की कमी के बावजूद भोजन सेवा जारी रखी जा सके। रेलवे के पैंट्री कार आमतौर पर भोजन को गर्म करने का काम करते हैं।

स्पीकर बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव खारिज

- शाह बोले-आंख मारने वाले स्पीकर पर सवाल उठा रहे

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में स्पीकर ओम बिरला को पद से हटाने के प्रस्ताव को खारिज कर दिया गया है। चर्चा के दौरान गृहमंत्री अमित शाह ने कहा, स्पीकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाना अफसोसजनक, क्योंकि स्पीकर किसी एक दल के नहीं है, वे सभी के हैं। उन्होंने कहा कि स्पीकर को नियमों के उल्लंघन पर रोकने और टोकने का अधिकार है। ये सदन मेला नहीं है, जो नियम से नहीं चलेंगे,उनका माइक बंद होगा। शाह ने कहा, नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का नाम लिए बिना कहा, अरे भाई यहां नियमों से बोलना पड़ता है।

देशभर में 'एलपीजी' संकट

- एजेंसी के बाहर लंबी लाइनें,होटलों और रेस्टोरेंट्स में नहीं बन रहा खाना

यूपी-बिहार में पुलिस सुरक्षा में सिलेंडर बंट रहे,राजस्थान में कालाबाजारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका-इजराइल की ईरान से जंग की वजह से देशभर में एलपीजी की किल्लत हो रही है। गैस सिलेंडर लेने के लिए एजेंसियों पर लंबी लाइनें लगी हैं। दिल्ली, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश और राजस्थान समेत कई राज्यों ने कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की सप्लाई पर रोक से होटलों और रेस्टोरेंट्स में खाना नहीं बन पा रहा है।

कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की सप्लाई ठप होने से सबसे ज्यादा संकट होटल-रेस्टॉरेंट पर है। वहीं घरेलू रसोई गैस लेने के लिए गैस एजेंसियों के बाहर लंबी लाइनें लगी है। जिन घरों में शादी है, वे टेंशन में हैं। अकेले भोपाल में ही 20 दिन में एक हजार से ज्यादा शादियां हैं। कैटरर्स का कहना है कि ये इमरजेंसी जैसी स्थिति है। होटल, रेस्टॉरेंट कारोबार और शादियों के अलावा सोना-चांदी आभूषण बनाने वाले कारीगरों और रेहड़ी पर भी संकट खड़ा हो गया है।

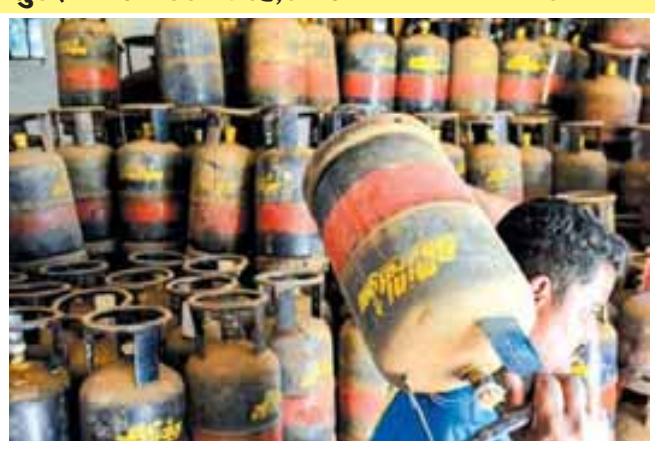

बिहार में लोग सुबह से ही गैस एजेंसी पहुंच रहे

यहां भी 2 दिन से कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की बुकिंग बंद है। इस वजह से होटल,रेस्टॉरेंट पर असर पड़ा है। घरेलू गैस को लेकर भी राज्य के कई जिलों में लोगों की लंबी कतार दिखी। गोपालगंज, खगड़िया, औरंगाबाद, पटना समेत कई जिलों में लोग सुबह से ही गैस एजेंसी पहुंचने लगे। कई एजेंसियों में ताला लटका है। कोई कर्मचारी भी यहां मौजूद नहीं हैं।

- 1900 रुपए का सिलेंडर 2500 रुपए में बेचा जा रहा- कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की सप्लाई बिल्कुल बंद हो गई है। ऐसे में अलग-अलग एजेंसी तय दाम से ज्यादा में सिलेंडर की कालाबाजारी कर रही है। जयपुर में 1911 रुपए में मिलने वाला सिलेंडर 2500 रुपए तक में बेचा जा रहा है। वहीं पंजाब के लुधियाना और फरीदकोट में सर्वर डाउन होने के कारण घरेलू सिलेंडरों की बुकिंग भी नहीं हो पा रही है। इसके अलावा फरीदकोट, होशियारपुर और पटियाला समेत कई जिलों में सोमवार से कमर्शियल सिलेंडरों की सप्लाई बंद है। गुजरात में कॉमर्शियल गैस सिलेंडर के लिए 2500 से 3000 रुपए तक की मांग की जा रही है।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 20 °c | न्यूनतम 18°c

सुबह सवेरे

भोपाल ■ गुरुवार, 12 मार्च 2026

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

संक्षिप्त समाचार

भारत आ रहे थाईलैंड के कार्गो शिप पर बड़ा हमला

● होर्मुज जलडमरूमध्य के पास दागे गए रॉकेट, लगी आग

तेहरान (एजेंसी)। होर्मुज जलडमरूमध्य के पास थाईलैंड के एक कार्गो शिप पर हमला हुआ है। यह कार्गो शिप भारत के गुजरात की ओर आ रही थी। इस शिप से कोई अनजान प्रोजेक्टाइल टकराई है, जिससे उसमें आग लग गई। इस

कारण शिप पर मौजूद 20 क्रू मेंबर्स का रेस्क्यू किया गया है, जबकि तीन अब भी उसमें फंसे हुए हैं। मरीन सिक्योरिटी सोर्स और शिप ट्रैकिंग डेटा के मुताबिक, शिप, जिसकी पहचान मयूरी नारी के तौर पर हुई है। इसे ओमान के उत्तरी तट से लगभग 11 नॉटिकल मील दूर निशाना बनाया गया था। थाईलैंड की सरकार ने पुष्टि कि है कि इस हमले के बाद शिप पर सवार 20 क्रू मेंबर्स को बचा लिया गया, जबकि तीन क्रू मेंबर्स अभी भी उस पर हैं। रॉयल थाई नेवी और यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस दोनों ने बताया कि 11 मार्च को होर्मुज जलडमरूमध्य में एक कार्गो शिप पर एक अनजान प्रोजेक्टाइल से टक्कर हुई है।

पंचायती राज वाले चुनावों में भाजपा का सूपड़ा होगा साफ

● दिल्ली से आई रिपोर्ट के बाद कांग्रेस नेता डोटासरा का दावा

नागौर (एजेंसी)। राजस्थान की सियासत में एक बार फिर रिपोर्ट कार्ड की जंग छिड़ गई है। पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा ने दिल्ली से आई एक कथित खुफिया रिपोर्ट का हवाला देते हुए राज्य की भाजपा सरकार पर करारा हमला बोला है। डोटासरा का दावा है कि इंटेलीजेंस ब्यूरो की रिपोर्ट

के अनुसार, आगामी पंचायती राज चुनावों में भाजपा का सफाया तय है, और यही वजह है कि सरकार चुनाव कराने से कतरा रही है। डोटासरा ने कड़े लहजे में कहा कि राजस्थान के गांवों में बैठी जनता अब हिसाब मांग रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार की नीयत में खोट है। डोटासरा के अनुसार-दिल्ली की आईबी रिपोर्ट साफ कह रही है कि पंचायती राज चुनावों में भाजपा का सूपड़ा साफ होने वाला है। गांव का किसान और मजदूर पूछ रहा है कि इस सरकार ने पिछले कार्यकाल में उनके लिए क्या किया।

सऊदी अरब का साथ दिया तो बहुत बुरा होगा अंजाम

● ईरानी राष्ट्रपति ने पाकिस्तान को दी चेतावनी, शहबाज भी अड़े

तेहरान/इस्लामाबाद (एजेंसी)। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को सऊदी का साथ देने को लेकर चेतावनी दी है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के प्रवक्ता ने कहा था कि जब भी जरूरत होगी पाकिस्तान सऊदी अरब की मदद के लिए आएगा, इसके बाद ईरान के राष्ट्रपति ने शहबाज शरीफ को

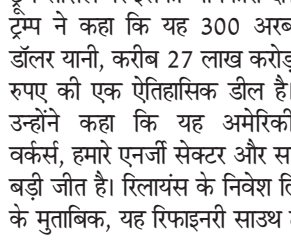

चेतावनी दी है। पाकिस्तान से सऊदी अरब के साथ पिछले साल नाटो देशों जैसा समझौता किया था जिसके तहत एक देश पर हमला दोनों देशों पर हमला माना जाएगा। ईरान के हमलों के बीच दो दिन पहले पाकिस्तान के आर्मी चीफ असीम मुनीर ने रियाद में सऊदी अरब के रक्षा मंत्री से मुलाकात की थी। इसके बाद सऊदी अरब की तरफ से जारी एक बयान में कहा गया था कि सऊदी ने पाकिस्तान के साथ रक्षा समझौते को एक्टिवेट कर दिया है। जिसके बाद अब ईरान के राष्ट्रपति ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री को चेतावनी दी है कि अगर युद्ध की जिम्मेदारी को नजरअंदाज किया गया तो दुनिया की सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है। पेजेश्कियन ने शहबाज के साथ टेलीफोन पर बात की है।

'सुप्रीम' आदेश के बाद दुनिया से विदा हो सकेंगे हरीश राणा

● देश में पहली बार किसी को मिली है इच्छा मृत्यु की इजाजत ● 13 साल से कोमा में है बेटा, माता-पिता ने लगाई थी यह गुहार

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को ऐतिहासिक फैसला सुनाया और 13 साल से कोमा में हरीश राणा को इच्छामृत्यु की अनुमति दे दी है। शीर्ष न्यायालय ने जनवरी में इस मामले में अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। खास बात है कि सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों ने 13 जनवरी को व्यक्तिगत रूप से राणा के माता-पिता और उनके छोटे भाई से मुलाकात की थी, जिन्होंने कहा था कि वे नहीं चाहते कि हरीश को और दुख सहना पड़े। घटना साल 2012 की है। उस समय हरीश राणा चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी से इंजीनियरिंग कर रहे थे। पढ़ाई के दौरान वह पीजी यानी पेयिंग गेस्ट के तौर पर रह रहे थे। 20 अगस्त को राखी के त्योहार पर वह हादसे का शिकार हो गए। दरअसल, वह अपने पीजी की चौथी मंजिल का बालकनी से गिर गए थे। इस हादसे में उन्हें सिर में गंभीर चोट आई थीं, जिसके चलते उनका शरीर का चलना 100 प्रतिशत बंद हो गया था। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, डॉक्टरों ने कहा कि हरीश न तो अपनी आंखें खोल पा रहे थे और न ही हाथ पैर हिला पा रहे थे। तब से ही वह परमानेंट वेजिटेटिव स्टेट में हैं। ऐसी स्थिति को लकवा कहा जाता है, जहां व्यक्ति की आंखें तो शायद खुली हो सकती हैं, लेकिन वह अपने आसपास होने वाली गतिविधियों को समझने, कुछ भी सोच नहीं पाता। साथ ही वह गतिविधियां करने में भी असमर्थ हो जाता है।

पीठ बोली-हरीश राणा के ठीक होने की कोई संभावना नहीं

बीते साल दिसंबर ने जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस केवी विश्वनाथन की बेंच ने नोएडा के एक अस्पताल के प्राथमिक बोर्ड की रिपोर्ट देखकर दुख जताया था। पीठ ने यह भी कहा था कि चिकित्सकों ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि हरीश राणा के ठीक होने की कोई संभावना नहीं है। पीठ ने कहा, हमें अब कुछ करना होगा। हम उसे इस तरह की स्थिति में जीवित रखने की अनुमति नहीं दे सकते। जनवरी में परिवार से मिलने के बाद पीठ ने कहा था, उन्होंने अपने तरीके से यह बताने की कोशिश की कि लगभग दो वर्षों की अवधि में दिए गए चिकित्सा उपचार को बंद कर दिया जाए और प्रकृति को अपना काम करने दिया जाए। शीर्ष अदालत ने कहा, उनके अनुसार, यदि उपचार प्रभावी साबित नहीं हो रहा है, तो इस तरह का उपचार जारी रखने और हरीश को बेवजह कष्ट देने का कोई तुक नहीं है। उनका मानना है कि हरीश अति कष्ट में है और उसे हर तरह के दर्द और पीड़ा से मुक्ति मिलनी चाहिए। 32 साल के राणा को सुप्रीम कोर्ट ने पैसिव युथनेसिया या निष्क्रिय इच्छामृत्यु की अनुमति दे दी है।

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल को 'समग्र भारतीय पत्रकारिता' ग्रंथ भेंट

भोपाल / पत्रकारिता इतिहास के अध्येता विजयदत्त श्रीधर के शोध-ग्रंथ 'समग्र भारतीय पत्रकारिता (तीन भाग) का सेट 10 मार्च को मध्यप्रदेश के राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल को भेंट किया गया। श्री पटेल ने ग्रंथ में समाहित भारत की सभी भाषाओं और आजादी से पहले के पूरे भूगोल की पत्रकारिता के इस प्रामाणिक और राष्ट्रीय परिघटनाओं के संदर्भों से युक्त ग्रंथ प्रलेखन और प्रकाशन के लिए लेखक विजयदत्त श्रीधर को साधुवाद दिया। इस अवसर पर राज्यपाल ने गुजराती पत्रकारिता के अनेक स्वातंत्र्यपूर्व संपादकों, समाचारपत्रों की चर्चा की। आपने उल्लेख किया कि गुजराती पत्रकारिता 1822 में 'मुंबई समाचार' से आरंभ हुई। आपने बताया कि 'गुजरात समाचार' का नाम पहले 'प्रजाबंधु' था।

पिता ने की लाठी मारकर एक वर्षीय बेटे की हत्या

पत्नी से विवाद में लाठी चलाई, सिर में चोट लगने से मौत; आरोपी गिरफ्तार

सिंगरौली (नप्र)। सिंगरौली जिले के माड़ा थाना क्षेत्र में एक पिता ने अपनी पत्नी से विवाद के दौरान लाठी मारकर अपने एक वर्षीय बेटे की हत्या कर दी। बच्चे को गंभीर चोट लगने के बाद इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी पिता रमाशंकर सिंह गोंड को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

पत्नी को पीटते समय बेटे को लगी लाठी- माड़ा थाना प्रभारी निरीक्षक शिवपूजन मिश्रा ने बताया कि यह घटना 5 मार्च 2026 को शाम करीब 5 बजे बसौड़ा गांव में हुई। रमाशंकर उर्फ रामाशंकर सिंह गोंड का अपनी पत्नी से घरेलू बात को लेकर विवाद हो गया था। विवाद बढ़ने पर उसने बांस की लाठी से पत्नी को मारना शुरू कर दिया।

इंदौर के महू में महिला आईएएस अधिकारी के फार्म हाउस में जुए का अड्डा

13 लाख रुपए कैश के साथ 18 गिरफ्तार

इंदौर (नप्र)। जिले के महू क्षेत्र में पुलिस ने बुधवार तड़के बड़ी कार्रवाई करते हुए एक फार्म हाउस पर चल रहे जुए के अड्डे का पर्दाफाश किया है। यह कार्रवाई मानपुर थाना क्षेत्र के ग्राम आवलीपुरा स्थित एक फार्म हाउस पर की गई। जानकारी के अनुसार जिस फार्म हाउस पर जुआ खेला जा रहा था, वह महिला आईएएस वंदना वैद्य और उनके पति अम्बरीश वैद्य के नाम पर दर्ज है। वंदना वैद्य वर्तमान में वित्त विकास निगम इंदौर में प्रबंध संचालक (एमडी) के पद पर पदस्थ हैं।

लंबे समय से चल रहा था जुआ- इंदौर ग्रामीण पुलिस को मुखबिर के जरिए सूचना मिली थी कि आवलीपुरा स्थित कोठी निवास फार्म हाउस में लंबे समय से बड़े पैमाने पर जुआ चल रहा है। सूचना मिलने के बाद वरिष्ठ अधिकारियों को इसकी जानकारी दी गई और एक टीम बनाकर मौके पर दबिश दी गई। पुलिस जब फार्म हाउस पहुंची तो मुख्य गेट बाहर से बंद मिला लेकिन अंदर से लोगों की आवाजें सुनाई दे रही थीं। इसके बाद पुलिस टीम फार्म हाउस के पीछे की ओर से अंदर दाखिल हुई। वहां बरामदे में कई लोग ताश खेलते हुए दिखाई दिए।

18 आरोपियों को पकड़ा- पुलिस

ने तुरंत घेराबंदी करते हुए मौके से 18 लोगों को पकड़ लिया जबकि करीब 6 आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर भागने में सफल हो गए। पकड़े गए आरोपियों के पास से पुलिस ने 13 लाख 67 हजार 971 रुपए नकद, 52 ताश के पत्ते, 10 नई ताश की गड्डियां, 30 मोबाइल फोन और दो कारें जब्त की हैं। पुलिस के अनुसार जब्त किए गए सामान की कुल कीमत करीब 28 लाख 67 हजार 971 रुपए बताई जा रही है।

मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई- डीएसपी उमाकांत चौधरी ने बताया कि मुखबिर की सूचना के आधार पर यह कार्रवाई की गई है। मौके से 18 आरोपियों को जुआ खेलते हुए गिरफ्तार किया गया है जबकि कुछ आरोपी फरार हो गए हैं। फरार आरोपियों की तलाश के लिए पुलिस टीम लगाई गई है। वहीं, महिला आईएएस अधिकारी वंदना वैद्य की कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

मुख्य सरगना है फरार- पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि इस जुए के अड्डे का मुख्य सरगना जगदीश राठौर उर्फ कूबड़ा है।

बताया जा रहा है कि वह जगह बदल-बदलकर जुए के अड्डे संचालित करता है। जानकारी के मुताबिक जुए का यह फड़ पहले 1 मार्च को लगना था लेकिन किसी कारण से वह कार्यक्रम टल गया था और बाद में 10 मार्च की तारीख तय की गई थी।

कांग्रेस इतने बड़े वैश्विक संकट में राजनीति ढूंढ़ रही

● ईरान-अमेरिका युद्ध के बीच पीएम मोदी ने विपक्ष को घेरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बार फिर देश की मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस पर जोरदार हमला बोला है। पश्चिम एशिया के हालात का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने विपक्षी दलों की ओर से हो रही राजनीति पर सवाल उठाए। प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस पार्टी इतने बड़े वैश्विक संकट में राजनीति ढूंढ रही है। कांग्रेस जानबूझकर उकसाने वाले बयान दे रही है। वो गैर-जिम्मेदाराना बयान दे रही है ताकि स्थितियां बिगड़ जाएं और हमारे लोग वहां संकट में फंस जाएं। फिर ये लोग मिलकर पीएम मोदी को गालियां देने की रील बनाने का अभियान शुरू कर सकें। यही उनका खेल है।

राहुल गांधी भारत में हो रहे विकास से अनभिज्ञ- प्रधानमंत्री मोदी ने बुधवार को कांग्रेस और इसके नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि उन्हें देश में हो रहे विकास की जानकारी नहीं है। उन्हें यह भी नहीं पता कि भारत के युवा ड्रोन निर्माण के क्षेत्र में काम कर रहे हैं।

● **मध्य एशिया में आज जो कुछ हो रहा वह ठीक नहीं-** पीएम मोदी ने केरल में एक रैली को संबोधित करते हुए कहा कि मध्य एशिया में आज जो कुछ भी हो रहा है, उससे आप सभी का चिंतित होना बहुत स्वाभाविक है। हमारे लाखों भाई-बहन वहां काम करते हैं। लेकिन आपको याद रखना है कि आज देश में बीजेपी-एनडीए की सरकार है। जब भी हमारा कोई देशवासी संकट में पड़ा है, हमने उसे सुरक्षित बचाने के लिए पूरी ताकत लगा दी है।

कांग्रेस अध्यक्ष खरगे का पीएम मोदी पर बड़ा हमला

● पश्चिम एशिया युद्ध और रसोई गैस संकट पर संसद में चर्चा की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने एक बार फिर पीएम मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बुधवार को कहा कि पश्चिम एशिया युद्ध और देश में रसोई गैस के कथित संकट को लेकर संसद में चर्चा कराई जानी चाहिए तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सदन में इस पर जवाब दें। उन्होंने यह भी कहा कि देश को सच जानने का अधिकार है। कांग्रेस अध्यक्ष ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''मोदी सरकार के नकली सूत्र आधारित आश्वासन उसकी पूर्ण अक्षमता को उजागर करते हैं। पश्चिम एशिया में आसन्न युद्ध के बारे में पूर्वानुमान था। फिर भी सरकार ने भारत की ऊर्जा आपूर्ति को सुरक्षित करने के लिए कुछ नहीं किया।

एअर इंडिया एक्सप्रेस फ्लाइट का लैंडिंग के दौरान पहिया निकला

फ्लाइट का नोज गियर टूटा, थाइलैंड में हार्ड लैंडिंग, 133 लोग सवार थे

बैंकॉक (एजेंसी)। थाईलैंड में एअर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट बुधवार दोपहर लैंडिंग के दौरान हादसे का शिकार हो गई। विमान के रनवे पर उतरते ही उसका नोज गियर टूट गया और आगे का पहिया अलग हो गया। फ्लाइट हैदराबाद से फुकेट जा रही थी। थाई अखबार द नेशन के मुताबिक घटना के बाद कुछ समय के लिए रनवे बंद करना पड़ा, हालांकि विमान में सवार सभी 133 यात्री सुरक्षित बाहर निकाल लिए गए और किसी के घायल होने की खबर नहीं है। यह फ्लाइट तय समय से पहले फुकेट पहुंच गई थी। विमान का निर्धारित लैंडिंग का समय सुबह 11.40 था, लेकिन यह 11.24 बजे ही उतर गया। बताया जा रहा है कि विमान की लैंडिंग काफी तेज हुई, जिसकी वजह से उसके आगे वाले लैंडिंग गियर को नुकसान पहुंचा। पहिया अलग हो जाने की वजह से विमान तुरंत रनवे से हटाया नहीं जा सका। एयरपोर्ट अधिकारियों ने स्थिति को जल्दी काबू में कर लिया।

अमेरिका में 50 साल बाद पहली नई रिफाइनरी बनेगी

वॉशिंगटन (एजेंसी)। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने अमेरिका में ऑयल रिफाइनरी बनाने के लिए डील की है। अमेरिका में पिछले 50 सालों में यह पहली नई ऑयल रिफाइनरी होगी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने 11 मार्च को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ सोशल पर इसकी जानकारी दी। ट्रम्प ने कहा कि यह 300 अरब डॉलर यानी, करीब 27 लाख करोड़ रुपए की एक ऐतिहासिक डील है। उन्होंने कहा कि यह अमेरिकी वर्कर्स, हमारे एनर्जी सेक्टर और साउथ टेक्सस के शानदार लोगों की बहुत बड़ी जीत है। रिलायंस के निवेश लिए उन्होंने धन्यवाद दिया। डोनाल्ड ट्रम्प के मुताबिक, यह रिफाइनरी साउथ टेक्सस में स्थापित होगी।

ईरान ने इजराइल पर शुरू किया सबसे बड़ा हमला

● अमेरिकी ठिकानों पर भी बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं ● रिपोर्ट-गूगल-अमेजन ऑफिस पर हमला हो सकता है

तेल अवीव/तेहरान (एजेंसी)। अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग का 12वां दिन था। ईरान ने दावा किया है कि उसने इजराइल के खिलाफ अब तक का सबसे बड़ा हमला शुरू कर दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक ईरान ने इजराइल और मिडिल ईस्ट में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर बैलिस्टिक मिसाइलें दागी हैं।

ईरानी मीडिया की एक रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि ईरान अमेरिकी टेक कंपनियों के दफ्तरों और डेटा सेंटर्स को भी निशाना बना सकता है। संभावित टारगेट की सूची में गूगल, अमेजन, माइक्रोसॉफ्ट, एनवीडिया और ओरेकल जैसी कंपनियों के नाम बताए गए हैं। इजराइल, दुबई और अबू धाबी में मौजूद इन कंपनियों के ऑफिस और डेटा सेंटर भी निशाने पर हो सकते हैं।

● **लेबनान सीमा पर इजराइल बढ़ाएगा सैन्य ताकत-** इजराइली सेना ने लेबनान सीमा से लगे उत्तरी क्षेत्र में अतिरिक्त सैनिक भेजने का फैसला किया है। सेना ने कहा कि हालिया स्थिति की समीक्षा के बाद सेना प्रमुख ने उत्तरी कमांड सेक्टर में सैन्य बल बढ़ाने का आदेश दिया है। सेना के बयान के मुताबिक दक्षिणी कमांड से गोलानी ब्रिगेड की कॉम्बैट टीम को उत्तरी क्षेत्र में फिर से तैनात किया जाएगा। यह कदम सीमा क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के लिए उठाया गया है। लेबनान में इजराइल के हालिया हमलों में मरने वालों की संख्या बढ़कर 570 हो गई है, जबकि 1444 लोग घायल हुए हैं।

भवानी चौक में अखिल भारतीय कवि सम्मेलन 14 मार्च को

- रात 8 बजे से शुरू होगा आयोजन, वीर रस, हास्य और व्यंग्य की प्रस्तुतियों से सजेगा मंच

भोपाल (नप्र)। होली और रंगपंचमी के उत्सव के बीच राजधानी में साहित्यिक रंग भी घुलेंगे। शहर के सोमवारा स्थित भवानी चौक में 14 मार्च शनिवार को अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। रात 8 बजे से शुरू होने वाले इस कार्यक्रम में देश के विभिन्न शहरों से आए कवि अपनी रचनाओं के माध्यम से श्रोताओं को वीर रस, हास्य और व्यंग्य की प्रस्तुतियां सुनाएंगे। कार्यक्रम का आयोजन हिंदू उत्सव समिति भोपाल द्वारा किया जा रहा है। समिति के अध्यक्ष चंद्रशेखर तिवारी ने बताया कि होली और रंगपंचमी केवल रंगों का त्योहार नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति और साहित्यिक अभिव्यक्ति का भी उत्सव है। इसी परंपरा को आगे बढ़ाने के लिए हर वर्ष की तरह इस बार भी कवि सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है।

ये कवि पहुंचेंगे भोपाल

कवि सम्मेलन का संचालन सबरस कवि शशिकांत यादव 'शशि' (देवास) करेंगे। मंच पर कविता तिवारी (लखनऊ), राम भदावर (जयपुर) और सूर्यकांत चतुर्वेदी (भोपाल) वीर रस की रचनाएं प्रस्तुत करेंगे। वहीं हास्य और व्यंग्य की प्रस्तुति से दिनेश 'देसी घी' (शाजापुर), मुन्ना बैट्री (मंदसौर) और अमित शुक्ला (प्रयागराज) माहौल को हल्का और रोचक बनाएंगे। कार्यक्रम के संयोजक हिंदू उत्सव समिति के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अनिल चौधरी होंगे, जो आयोजन की व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी संभालेंगे। समिति ने शहर के साहित्य प्रेमियों और नागरिकों से कार्यक्रम में शामिल होकर कवि सम्मेलन का आनंद लेने की अपील की है।

मध्यप्रदेश में 506 लोक सरोवर तैयार

- बोर्ड तो लग गए, लेकिन 50 फीसदी में नहीं हुई फेंसिंग

भोपाल (नप्र)। मप्र लोक निर्माण विभाग बड़े प्रोजेक्ट्स के पास मिट्टी खनन से बने गड्ढों को तालाब के रूप में विकसित कर 'लोक सरोवर' बना रहा है। विभागीय मंत्री राकेश सिंह के निर्देश पर बनाए गए इन सरोवरों का उद्देश्य जल संरक्षण और भूजल रिचार्ज बढ़ाना है। अब मंत्री ने इन सरोवरों के औचक निरीक्षण की बात कही है। इसके बाद विभाग ने प्रदेशभर से जानकारी जुटाना शुरू किया है। मंगलवार तक भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, सागर, रीवा, जबलपुर और उज्जैन सर्कल से करीब 506 लोक सरोवर की जानकारी मिली है। इनमें अधिकांश पर सूचना बोर्ड लगा दिए गए हैं, लेकिन 50 प्रतिशत सरोवरों में फेंसिंग नहीं हो सकी है। इंदौर के चीफ इंजीनियर सीएस खरात ने बताया कि उनके सर्कल में 45 लोक सरोवर हैं और जरूरत के अनुसार फेंसिंग की गई है। वहीं भोपाल के चीफ इंजीनियर संजय मस्के के अनुसार भोपाल सर्कल में 43 सरोवर हैं और अधिकांश में बोर्ड व फेंसिंग का काम पूरा हो चुका है।

अब सरोवर का भी होगा औचक निरीक्षण: मंत्री सिंह- मंत्री राकेश सिंह ने कुछ दिन पहले एक बड़े कार्यक्रम में इंजीनियरों को मंच से चेताते हुए कहा था कि हमारे मासिक औचक निरीक्षण को राजस्थान व उड़ीसा फॉलो कर रहे हैं। अब हम लोक कल्याण सरोवर का कभी भी औचक निरीक्षण कर सकते हैं। अभी सभी सर्किल से जानकारी आ रही है। पूरी जानकारी आ जाए तो फिर उसको देखकर कार्रवाई करेंगे कि कहां कौन सी कमी है। जल्दी इनका औचक निरीक्षण भी शुरू होगा।

- केपीएस राणा, ईएनसी, पीडब्ल्यूडी

उपलब्धियों के उत्सव से शुरू होती भविष्य की बड़ी जिम्मेदारियाँ : राज्यपाल श्री पटेल

गरीब और वंचितों का जीवन बेहतर बनाने में ज्ञान से करें सहयोग

भोपाल (नप्र)। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने युवाओं से कहा कि आज का समारोह उनके जीवन की उपलब्धियों का उत्सव तो है, लेकिन यह उनके भविष्य की बड़ी जिम्मेदारियों की शुरुआत भी है। उन्होंने युवाओं से अपेक्षा की कि वे संवेदना, सेवा और सहयोग के पथ पर निरंतर अग्रसर रहें और अपने हौसले तथा हुनर से गरीब, वंचित और जरूरतमंदों का जीवन बेहतर बनाने में योगदान दें। गरीब बस्तियों में जाकर जरूरतमंदों की मदद को अपनी जीवनशैली का हिस्सा बनाएं और अपने ज्ञान को सार्थकता प्रदान करें।

राज्यपाल श्री पटेल ने मंगलवार को स्वशासी संस्थान टेक्नोक्रेट्स ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस (टी.आई.टी.) के वार्षिक 'प्लेसमेंट डे' समारोह को संबोधित कर रहे थे। राज्यपाल श्री पटेल ने दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उनका स्मृति-चिह्न भेंट कर अभिनंदन किया गया। राज्यपाल श्री पटेल ने समारोह में प्लेसमेंट प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों और हायरिंग कम्पनियों के प्रतिनिधियों को सम्मानित भी किया।

राज्यपाल श्री पटेल ने 'प्लेसमेंट डे' के अवसर पर रोजगार प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों, उनके गुरुजनों और अभिभावकों को बधाई और शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी युवाओं को विकसित भारत का कर्णधार मानते हैं। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति, स्टार्टअप, कौशल विकास और डिजिटल इंडिया जैसे अभिनव कार्यक्रमों के माध्यम से युवाओं की प्रतिभा को नए पंख मिले हैं। उन्होंने वैश्विक मानकों और अपेक्षाओं के अनुरूप विद्यार्थियों को तैयार करने के प्रयासों के लिए टी.आई.टी. ग्रुप से जुड़े सभी सहयोगियों को साधुवाद दिया। पूर्व मंत्री एवं विधायक श्री अजय विश्नोई ने विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने सामान्य हवा और हीलियम से भरे गुब्बारों के प्रसंग के माध्यम से विद्यार्थियों को ज्ञान की शक्ति का महत्व बताया। उन्होंने असफलता को सफलता में बदलने के लिए स्वयं की कमियों को पहचानकर उन्हें दूर करने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम को बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. एस.के. जैन, संस्थान की अध्यक्ष श्रीमती साधना करसोलिया और विभिन्न कंपनियों के कैंपस हायरिंग प्रतिनिधियों ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर संस्थान के मुख्य संरक्षक श्री रामराज करसोलिया भी मंचासीन थे।

स्प्रे छिड़ककर 11वीं की छात्रा से रेप

- छतरपुर में खेत में खून से लथपथ बेहोश मिली थी; होश आने पर बोली- छोड़ दो, बचा लो

छतरपुर (नप्र)। छतरपुर जिले में 11वीं की एक छात्रा से स्प्रे छिड़क कर रेप का मामला सामने आया है। छात्रा मंगलवार शाम को शौच के लिए खेत की ओर गई थी, जहां वह खून से सने कपड़ों में बेहोशी की हालत में मिली। परिजन ने उसे तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका इलाज जारी है।

परिवार के अनुसार मंगलवार शाम करीब 7 बजे नाबालिग घर से खेत की ओर गई थी। काफी समय तक जब वह घर नहीं लौटी तो चिंता हुई। परिजन ने आसपास के खेतों और रास्ते में उसकी तलाश की। इसी दौरान वह खेत में बेहोश हालत में पड़ी मिली। यह देखकर परिवार के लोग घबरा गए और तुरंत उसे संभालने की कोशिश की।

होश आने पर कुछ कहा, फिर बेहोश हो गई- परिजन के अनुसार, जब बच्ची को थोड़ी देर के लिए होश आया तो वह घबराई हुई हालत में थी। वह 'छोड़ दो, बचा लो' जैसे शब्द कहने लगी। इसके बाद वह फिर से बेहोश हो गई। फिलहाल, छात्रा की हालत में सुधार बताया जा रहा है। डॉक्टर उसकी हालत पर नजर बनाए हुए हैं।

प्लास्टिग बैग में 'अजन्मे शिशु' को लेकर कोर्ट पहुंचे दयाशंकर

जज साहब के टेबल पर रखकर मांगा इंसाफ

जबलपुर (नप्र)। न्याय की उम्मीद जब दम तोड़ने लगती है, तो हताशा किस हद तक जा सकती है, इसका खौफनाक मंजर सोमवार को जबलपुर हाईकोर्ट में देखने को मिला। जस्टिस हिमांशु जोशी की बेंच के सामने रीवा निवासी दयाशंकर पांडे ने एक प्लास्टिक की थैली से अपने अजन्मे बच्चे का मृत भ्रूण निकाला और उसे प्रदर्शन डेस्क पर रखने की कोशिश की। इससे पहले कि वह अपनी बात पूरी कर पाते, तैनात पुलिसकर्मियों ने उन्हें हिरासत में ले लिया।

कौन हैं दयाशंकर पांडे

दयाशंकर पांडे ने 2024 का लोकसभा चुनाव रीवा से लड़ा था। उन्होंने रोते हुए अदालत से गुहार लगाई कि उन पर बार-बार जानलेवा हमले किए जा रहे हैं। उनका दावा है कि 1 मार्च को उनकी कार को टक्कर मारकर उनकी गर्भवती पत्नी की हत्या की कोशिश की गई, जिसके कारण 7 मार्च को उनका बच्चा गर्भ में ही मर गया। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस ने उनकी शिकायतों पर कोई कार्रवाई नहीं की, जिससे तंग आकर उन्हें यह कदम उठाना पड़ा। मैंने बार-बार पुलिस और राजनेताओं के दरवाजे खटखटाए, लेकिन किसी ने नहीं सुना। मेरा बच्चा सिस्टम की बलि चढ़ गया। मैं सिर्फ न्याय और सुरक्षा चाहता हूं।

चार पुलिसकर्मी सस्पेंड

हाईकोर्ट परिसर की सुरक्षा में सेंध और इस संवेदनशील मामले को ठीक से न संभाल पाने के कारण जबलपुर एसपी संपत उपाध्याय ने मंगलवार को बड़ी कार्रवाई की। ड्यूटी पर तैनात चार पुलिसकर्मियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

भोपाल के बड़ा तालाब पर अतिक्रमण

सर्वे टीम पहुंची तो 11 अतिक्रमण मिले, एफटीएल से 50 मीटर के दायरे में

भोपाल (नप्र)। भोपाल के बड़ा तालाब पर अतिक्रमण किया गया है। अब अतिक्रमणकारियों पर प्रशासन ने सख्ती बरतना शुरू कर दिया है। एनजीटी (नेशनल ग्रीन ट्राइबल) की फटकार से अफसर हरकत में आए और सर्वे शुरू किया।

सेवनिया गौंड में मिले 11 अतिक्रमण- मंगलवार को टीम सेवनिया गौंड इलाके में पहुंची। यहां पर डेढ़ किमी के दायरे में 11 लोगों के अतिक्रमण सामने आए। इसमें फेंसिंग, बाउंड्रीवॉल, स्वीमिंग पूल, टीन शेड बना चुके थे, जो एफटीएल से 50 मीटर के दायरे में ही हैं।

कई रसूखदारों के फॉर्म हाउस भी- भदभदा, बिसनखेड़ी, गौरागांव, बील गांव, सेवनिया गौंड और सूरजनगर में बड़ी बिल्डिंग, फॉर्म हाउस, रिसोर्ट भी देखने को मिले। बड़ा तालाब रामसर साइट भी है। बावजूद सालों से सिर्फ फाइलों में ही कब्जे हटे हैं।

मंगलवार को टीम जिस इलाके में सीमांकन करने पहुंची, सूरजनगर, सेवनिया गौंड में तो जिस जगह पर रामसर साइट है और नगर निगम की मुनार लगी है। मौके पर एफटीएल बताने वाली 5 तरह की मुनारें लगी हुई मिली। इनमें से एक में बीएमसी यानी, भोपाल म्युनसिपल कॉरपोरेशन लिखा है। बाकी पर सफेद रंग है। लिखा कुछ नहीं है। इन्हीं फर्जी मुनारों के आसपास अतिक्रमण और अवैध निर्माण है।

इसलिए सीमांकन शुरू किया- करीब पांच महीने पहले बड़ा तालाब के अतिक्रमण पर एनजीटी सख्त हुआ था। तब कार्रवाई की सिर्फ रस्म अदा की गई थी। फरवरी में सांसद आलोक शर्मा ने जिम्मेदारों की बैठक लेकर फटकार लगा दी। इसके बाद फिर से सर्वे शुरू किया गया। बड़ा तालाब में अतिक्रमण को लेकर एनजीटी में एक याचिका पर्यावरणविद् राशिद नूर ने लगाई थी।

जीतू पटवारी बोले-जल संसाधन विभाग में चल रहा टेंडर सिंडिकेट

चुनिंदा फर्मों को मिल रहे ठेके, बीजेपी ऑफिस बनाने वाली कंपनी को मिला केन-बेतवा का काम

भोपाल (नप्र)। मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने बुधवार को जल संसाधन विभाग में चल रहे बड़े भ्रष्टाचार के नेटवर्क का खुलासा किया है। पटवारी ने दस्तावेजों के साथ आरोप लगाया कि प्रदेश में सिंचाई परियोजनाओं के नाम पर केवल ठेकेदारी और कमीशन का खेल चल रहा है।

उन्होंने सरकार को 15 दिन का अल्टीमेटम देते हुए कहा कि अगर जांच नहीं हुई, तो कांग्रेस सबूतों के साथ सीबीआई के पास जाएगी।

पटवारी ने तंज कसते हुए कहा- सरकार इसे कृषि वर्ष कह रही है, जबकि यह कमीशन वर्ष है। कल ही सरकार ने 5800 करोड़ का कर्ज लिया है, लेकिन यह पैसा किसानों के पास नहीं, बल्कि चहेते ठेकेदारों की जेब में जा रहा है।

पटवारी के 5 सबसे तीखे आरोप- टेंडर सिंडिकेटः गिनी-चुनी कंपनियों का कब्जाः पटवारी ने कहा कि बड़े टेंडरों में केवल फलोदी और गुप्ता कंस्ट्रक्शन जैसी कंपनियां ही दिखती हैं। यह रोटेशन सिस्टम है, जहां कभी एक कंपनी एलवी1 (सबसे कम बोली) बनती है तो कभी दूसरी। प्रतिस्पर्धा खत्म कर दी गई है।

दुबई कनेक्शन और 'मनी ट्रेल'- पटवारी ने दो रहस्यमयी नामों नौशाद और अश्विन नाटू का जिक्र किया। उन्होंने पूछा कि ये लोग कौन हैं और विभाग में इनकी क्या भूमिका है? आरोप लगाया कि इन लोगों के साथ मंत्रियों के रिश्तेदारों के दुबई में साझा बिजनेस हैं। यह मामला सीधे तौर पर 'मनी लॉन्ड्रिंग' से जुड़ा हो सकता है। फर्जी बैंक गारंटी का 'महाघोटाला' आरोप है कि विभाग में फर्जी बैंक गारंटी जमा कर ठेकेदार करोड़ों का एडवांस ले रहे हैं। जल निगम में फर्जीवाड़ा पकड़ने के बाद भी जल संसाधन विभाग और एनवीडीए में 'ई-बैंक गारंटी' (ई-बीजी) सिस्टम लागू नहीं किया गया, ताकि फर्जीवाड़ा जारी रहे।

भाजपा कार्यालय और केन-बेतवा लिंक पटवारी ने आरोप लगाया कि केन-बेतवा प्रोजेक्ट का ठेका उस नागार्जुन कंपनी को दिया गया है जो भाजपा का दफ्तर बना रही है। सांठ-गांठ साफ है- पार्टी दफ्तर बनाओ, कमीशन दो और फिर मर्जी से काम करो या लटका दो।

तकनीकी धोखाधड़ी-पाइपों का फेरबदल जमीन पर सस्ते एचडीपीई पाइप डाले गए और कागजों में महंगे डीआई पाइप दिखाकर करोड़ों का भुगतान निकाल लिया गया।

पटवारी ने पूछा कौन हैं नौशाद और अश्विन नाटू

जीतू पटवारी ने जल संसाधन विभाग के अधिकारियों और सीएम से सवाल किया कि आखिर कौन हैं ये 'नौशाद' और 'अश्विन नाटू'? क्या सरकार विभाग में जमा सभी बैंक गारंटियों की जांच कराएगी?

माइनिंग कारोबारी पर इनकम टैक्स का छापा

दिलीप गुप्ता के घर दिल्ली की आईटी टीम ने मारी रेड, जांच जारी

भोपाल (नप्र)। राजधानी भोपाल में आयकर विभाग ने माइनिंग कारोबारी दिलीप गुप्ता के ठिकानों पर बुधवार सुबह छापा मारा है। दिल्ली से आई आयकर विभाग की टीम ने शहर के कई स्थानों पर एक साथ रेड डालकर जांच शुरू की। सूत्रों के मुताबिक आयकर विभाग की टीम सुबह से ही दिलीप गुप्ता के भोपाल स्थित ठिकानों पर पहुंच गई। टीम ने अलग-अलग स्थानों पर एक साथ कार्रवाई करते हुए दस्तावेजों और वित्तीय लेनदेन से जुड़े रिकॉर्ड की जांच शुरू की।

दस्तावेज और वित्तीय रिकॉर्ड की जांच जारी- छापे की कार्रवाई के दौरान आयकर अधिकारी कारोबारी से जुड़े कागजात, बैंक लेनदेन और अन्य वित्तीय दस्तावेजों की पड़ताल कर रहे हैं। टीम पूरे मामले में आय और संपत्ति से जुड़े रिकॉर्ड खंगाल रही है।

पहले ईओडब्ल्यू भी कर चुकी है छापेमारी- इससे पहले आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (ईओडब्ल्यू) भी दिलीप गुप्ता के भोपाल स्थित दो ठिकानों पर छापा मार चुका है। उस कार्रवाई में टीम को बड़ी मात्रा में नकदी, दस्तावेज और कई महत्वपूर्ण फाइलें मिली थीं। फिलहाल आयकर विभाग की टीम जांच में जुटी हुई है। अधिकारियों के अनुसार दस्तावेजों की जांच पूरी होने के बाद मामले में आगे की कार्रवाई तय की जाएगी।

जज बनने की कोशिश रीडर पर पड़ी भारी

हाईकोर्ट के आदेश में ही निकाल दी खामी, न्यायाधीश भड़के

जबलपुर (नप्र)। न्यायिक प्रक्रिया में एक क्लर्क या रीडर की एक गलती किसी व्यक्ति की स्वतंत्रता पर कितनी भारी पड़ सकती है, इसका जीता-जागता उदाहरण जबलपुर में सामने आया है। जबलपुर हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति अवनींद्र कुमार सिंह की एकलपीठ ने एक मामले की सुनवाई करते हुए निचली अदालत के रीडर के रवैये पर गहरी नाराजगी व्यक्त की है। रीडर ने हाई कोर्ट के जमानत आदेश को स्पेशल जज के समक्ष पेश करने के बजाय, उसमें त्रुटि निकालकर खुद ही वापस कर दिया था।

क्या था पूरा मामला?

हनुमानताल पुलिस ने जीशान खान के खिलाफ एससी-एसटी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया था। आरोपी 10 जुलाई 2025 से जेल में था। हाई कोर्ट ने 18 फरवरी 2026 को उसकी जमानत मंजूर कर ली। 20 फरवरी को जब जमानत के दस्तावेज ट्रायल कोर्ट में पेश किए गए, तो रीडर ने एक धारा का उल्लेख न होने का तर्क देकर उसे जज के सामने रखे बिना ही सुधार के लिए लौटा दिया।

भोपाल में साइबर ठगी का अनोखा मामला

न ओटीपी पूछा, न लिंक भेजा और खाता कर दिया साफ, वल्लभ भवन के रिटायर्ड कर्मचारी के साथ वारदात

भोपाल (नप्र)। भोपाल के शाहजहानबाद में सायबर ठगी का अनोखा मामला सामने आया है। फरियादी ना तो एटीएम का इस्तेमाल करता और ना ही फोन पे या कोई एप को चलाता है। इतना ही नहीं उसके पास कोई लिंक भी नहीं आया और खाते से 3.17 लाख रुपए निकल गए। पुलिस ने इस मामले में अज्ञात आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सब इंस्पेक्टर शेषनाथ सिंह के मुताबिक अशोक कॉलोनी में रहने वाले साद उल्ला खान वल्लभ भवन से रिटायर्ड कर्मचारी हैं।

उन्होंने पुलिस को आवेदन देते हुए बताया कि उनकी पेंशन एसबीआई के खाते में आती है। वह बैंक के एटीएम का भी इस्तेमाल नहीं करते हैं, और ना कोई फोन पर एप चलाते हैं। इसके बावजूद उनके खाते से 3.17 लाख रुपए निकले और मैसेज के माध्यम से उन्हें इसकी जानकारी मिली।

घटना करीब एक साल पुरानी है। आवेदन की जांच के बाद पुलिस ने मामला दर्ज किया। अब पुलिस ने बैंक से खाते से जुड़ी जानकारी तलब की है। जिससे आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार करने की कार्रवाई की जाएगी।

संपादकीय

गहराता रसोई गैस संकट

पश्चिम एशिया में ईरान, अमेरिका-इजराइल युद्ध के कारण सारी दुनिया के साथ-साथ भारत में भी ऊर्जा संकट और खासकर रसोई गैस (एलपीजी) की किल्लत गंभीर होती जा रही है। इसके लिए सीएनजी का भी टोटा होता जा रहा है, जो वाहनों का ईंधन है। हालांकि सरकार दावा कर रही है कि एलपीजी की सप्लाई में कहीं कोई कमी नहीं है, लेकिन जमीनी हकीकत दूसरी कहानी कह रही है। अभी घरेलू गैस की आपूर्ति जारी है, लेकिन कमर्शियल गैस सिलेंडरों की आपूर्ति लड़खड़ा गई है। देश के अधिकांश भागों में होटल रेस्टारेंट बंद होने लगे हैं। इसमें भी उन छोटे कारोबारियों का मरण ज्यादा है, जो ठेले, गुमटी लगाकर चाय-नाश्ता बेचते हैं। इनका समूचा धंधा ही कमर्शियल एलपीजी गैस पर निर्भर है। रसोई गैस की कमी के संकट का मुख्य कारण हार्मुज जलडमरूमध्य को ईरान द्वारा ब्लॉक किया जाना है। कतर गैस का बहुत बड़ा सप्लायर है। लेकिन हार्मुज स्टेट बंद होने से वहां से सप्लाई पूरी तरह रुक गई है। ऐसे में भारत सरकार ने देश की तेल रिफायनरियों से रसोई गैस का उत्पादन 10 फीसदी बढ़ाने के लिए कहा है। केन्द्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट पर लिखा कि हम अन्य देशों से एलपीजी आपूर्ति के पूरे प्रयास कर रहे हैं ताकि घरेलू उपभोक्ताओं को 100 फीसदी सीएनजी और पीएनजी की सप्लाई मिले। बाकी उद्योगों को भी 70-80 प्रतिशत तक सप्लाई मिलती रहे। जहां तक रसोई गैस का सवाल है तो भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा गैस आयातक है। कतर से हमे गैस सस्ती पड़ती थी, क्योंकि भौगोलिक रूप से वह हमारे पास है। अगर दूसरे देशों से लाएंगे तो वह महंगी पड़ेगी और जरूरत के मुताबिक मिलेगी भी या नहीं कहना मुश्किल है। कुल मिलाकर एलपीजी महंगी होनी ही है। देश में पांच लाख से अधिक रेस्टारेंट और लाखों छोटे चाय ठेले वाले हैं। उनके सामने कुकिंग का संकट है। रेस्टोरेंटों के संगठन ने सरकार से अपने लिए कमर्शियल गैस सिलेंडर के अलग से कोटा देने की मांग की है। उनके सामने कुकिंग का संकट है। पुणे जैसे शहर में जहां श्मशान में शवदाह के लिए प्राकृतिक गैस का उपयोग होता है, उन्हें भी अस्थायी रूप से बंद करना पड़ा है। इस बीच भारत सरकार ने आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति बनाए रखने के लिए देश में आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 लागू कर दिया है ताकि ईंधन की कालाबाजारी को रोका जा सके। गौरतलब है कि भारत में एलपीजी कमर्शियल गैस सिलेंडरों की औसत दैनिक खपत लगभग 3 लाख सिलेंडर प्रतिदिन जबकि घरेलू गैस के देश में करीब 33 करोड़ उपभोक्ता हैं। सरकार ने कमर्शियल गैस सिलेंडर के भाव तो पहले ही बढ़ा दिए हैं। लेकिन बढ़े भाव पर भी गैस सिलेंडरों की सप्लाई नहीं हो पा रही है। क्योंकि आपूर्ति ही अपर्याप्त है। सरकार भी मान रही है कि सप्लाई चेन बाधित हो गई है। असली सवाल यही है कि यह सप्लाई चेन फिर से बहाल कैसे हो? अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियां बहुत आश्वस्त करने वाली नहीं हैं। क्योंकि हार्मुज स्टेट खुल भी गया तो सप्लायर देशों को एलएनजी, एलपीजी का उत्पादन सामान्य करने में भी वक्त लगेगा। यानी मानकर चलिए कि अगले दो माह तक तो हालात सामान्य होने की उम्मीद नहीं है। दूसरे, रसोई गैस आपूर्ति न होने के दूरगामी परिणाम होंगे। होटल, रेस्टारेंट वाले कर्मचारियों को वेतन न दे पाने के कारण नौकरियों से निकालना शुरू करेंगे और छोटे व्यवसायियों के सामने भी रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो जाएगा। इसका सीधा असर सरकार के प्रति आक्रोश में दिखेगा। दूसरे, रसोई गैस की पर्याप्त आपूर्ति के अभाव में ईंधन का दबाव बिजली और वैकल्पिक ऊर्जा पर होगा, सो अलग।

दांडी मार्च : नमक सत्याग्रह की ऐतिहासिक यात्रा

नजरिया
चित्रा माली
सहायक प्रोफेसर गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विवि क्षेत्रीय केंद्र कोलकाता।

सविनय अवज्ञा आंदोलन की रूपरेखा गांधी जी ने लाहौर अधिवेशन के बाद से ही बनानी शुरू कर दी थी। 10 जनवरी को नेहरू जी को लिखे पत्र में उन्होंने लिखा था कि 'लाहौर में हमारे अलग होने के बाद से मैं सविनय अवज्ञा आंदोलन की योजनाएं बनाने में लगा हूं। हालांकि मुझे अभी तक कोई स्पष्ट रास्ता दिखाई नहीं पड़ रहा है'। इसके बाद यंग इंडिया के जनवरी 1930 के आखिरी अंक में सविनय अवज्ञा आंदोलन की योजनाओं का खुलासा करना शुरू कर दिया था। उन्होंने सरकार के सामने ग्यारह मांगें रखीं जिनमें शराबबंदी, लगान में कमी, नमक कर की समाप्ति, सैन्य खर्चों और अधिकारियों के वेतन में कमी औरविदेशी कपड़ों पर संरक्षणात्मक कर लगाने की मांग शामिल थी। गांधी जी ने आगे लिखा कि अगर वायसराय ने 'भारत की इन बहुत ही मामूली लेकिन आवश्यक मांगों को मान लिया' तो वह सविनय अवज्ञा की चर्चा नहीं सुनेंगे और कांग्रेस किसी भी कॉन्फ्रेंस (गोलमेज सम्मेलन) में हिस्सा ले लेगी जहांमांग और अभिव्यक्ति की वास्तविक स्वतंत्रता होगी। इसके चार सप्ताह बादगांधी जी ने यंग इंडिया में दूसरा लेख लिखा जो सिर्फ नमक पर केंद्रित था।जिसमें उन्होंने नमक के उत्पादन और बिक्री पर राज्य के एकाधिकार पर,खुले बाजार में इस आवश्यक वस्तु का मूल्य एक कर द्वारा अत्यधिक बढ़ा दिया गया था। नमक की कीमत तीन रुपये प्रति मन तक हो गई थी। गांधी जी ने इसे 'खतरनाक कवच' करार दिया क्योंकि हवा और जल के बाद संभवतः नमक ही जीवन की सबसे बड़ी जरूरत थी। इसके पूर्व भी 1919 में नमक पर कर लगाया गया था जबगांधी जी की बंबई अभी की मुंबई में शल्य चिकित्सा हुई थी। तब उन्होंने महादेव भाई देसाई से कहा था कि 'यह मेरी समझ में नहीं आता कि कैसे नमक पर लगाए गए इस क्रूर टैक्स को लोग चुपचाप स्वीकार करते जा रहे हैं। जब वह कानून पारित किया जा रहा था तो पूरे देश में सरकार के खिलाफ विद्रोह की ज्वाला भड़क उठ सकती थी। आखिरकार जीवन के लिए इतने आवश्यक नमक पर कोई कर कैसे लगाया जा सकता है?' बंगाल में नमक का व्यापार ईस्ट इंडिया कंपनी के नियंत्रण में था जो अपने वर्चस्व का इस्तेमाल द्वेषपूर्ण तरीके से करती थी कि नमक का मूल्य इंग्लैंड की तुलना में बंगाल में चार गुना ज्यादा था। गांधी जी से पूर्व समाज सुधारक राजा राममोहन राय ने भी ब्रिटिश संसद का इस ओर ध्यान आकर्षित किया था और एक गरीब के जीवन में नमक का क्या महत्व है यह भी बताया था। उन्होंने लिखा था कि 'नमक की कमी पूरे समाज द्वारा महसूस की जा रही है' खासकर 'गरीब किसानों द्वारा सबसे ज्यादा' जो नमक की 'एक छोटी-सी मात्रा हासिल करने के लिए अपना सब कुछ दांव पर लगाने के लिए तैयार हैं'। अगर नमक को सस्ते में और बेहतर तरीके से बेचा जाए तो यह लोगों के लिए अत्यधिक सुविधाजनक होगा। 1902 में उदारवादी राजनेता चार्ल्स डिल्के ने कहा था कि 'भारत सरकार का नमक पर लगाया कर' संभवतः सभ्य दुनिया के सबसे खराब करों में से एक है। 1919 में गांधी जी ने रॉलेट एक्ट के खिलाफ चलाए जा रहे आंदोलन की वजह से नमक के मुद्दे को त्याग दिया था।

लेकिन इसके ग्यारह वर्ष बाद उन्होंने नमक के मुद्दे को साम्राज्यवादी सरकार के विरुद्ध एक नए राष्ट्रीय अभियान के रूप में केंद्रीय मंच पर लाने का फैसला किया था। गांधी जी ने 2 मार्च को एक और पत्र वायसराय को लिखा और उसे युवा अंग्रेज क्वेकर रेजीनॉल्ड रेनॉल्ड के मार्फत भेजा। गांधी जी ने इरविन को सविनय अवज्ञा की पूर्व चेतावनी दे दी। गांधी जी ने पत्र में ब्रिटिश शासन को एक अभिशाप करार दिया क्योंकि उसके अन्य कारणों में 'लगान पर अत्यधिक दबाव' हाथ से कताई और अन्य शिल्प उद्योगों का विनाश और अश्लील रूप से अत्यधिक सरकारी वेतनमान थे जिसमें कि खुद वायसराय की आमदनी एक औसत भारतीय से पांच हजार गुना ज्यादा थी। गांधी जी ने आगे लिखा कि 'अगर आपके पास इन बुराइयों से पार पाने का कोई रास्ता नहीं है और मेरा पत्र आपके दिल को नहीं छूता है, तो मैं अपने आश्रम से जिन भी साथियों को ले जा सकता हूं, उन्हें ले जाकर नमक कानून का उल्लंघन करूंगा। मैं गरीब लोगों के दृष्टिकोण से इस कर को सबसे ज्यादा अन्यायपूर्ण मानता हूं। वायसराय इरविन ने गांधी जी के पत्र का कोई सीधा जवाब नहीं दिया। अपने निजी सचिव के द्वारा दो वाक्यों का एक जवाबी पत्र भेजा जिसमें वायसराय ने खेद प्रकट किया कि 'वे एक ऐसा कदम उठाने जा रहे थे जो साफ तौर पर कानून का उल्लंघन करने वाला था और सार्वजनिक शांति-व्यवस्था के लिए खतरा था। अहमदाबाद में 15 फरवरी को सुबह 9 बजे से कांग्रेस कार्य समिति की बैठक शुरू हुई और दोपहर 4 बजे एक प्रेस वक्तव्य जारी किया गया जिसमें 'पूर्ण स्वराज हासिल करने के उद्देश्य से एक अहिंसक नागरिक अवज्ञा आंदोलन की शुरुआत की घोषणा की गई'। उस वक्तव्य में विरोध के तरीकों के बारे में स्पष्ट नहीं कहा गया था लेकिन उसकी चर्चा और फैसला जरूर लिया गया था। सरदार वल्लभ भाई पटेल ने कांग्रेस कार्य समिति की बैठक के बाद गुजरात का दौरा किया और ग्रामीण इलाके के लोगों से कहा कि 'असत्य के खिलाफ सत्य का एक धर्मयुद्ध कुछ ही दिनों में शुरू होगा और हम चाहेंगे गुजरात से ही शुरू होगा। जो लोग मृत्यु से भयभीत है उन्हें तीर्थ यात्रा पर चले जाना चाहिए और जिन लोगों के पास बहुत सारा धन-दौलत है उन्हें विदेश चले जाना चाहिए और जो लोग सच्चे गुजराती हैं उन्हें बंद कमरों में नहीं बैठना चाहिए'। अपने भाषणों में सरदार पटेल ने वकीलों से कहा कि वे अदालतों का बहिष्कार करें और छात्रों से कहा कि वे सरकारी स्कूल जाना बंद कर दें। नमक कानून और लगान पर हमला करते हुए उन्होंने व्यंग्यात्मक लहज़े में कहा कि 'अब सरकार के द्वारा सिर्फ हवा पर कर लगाया जाना बाकी रह गया है'। बोरसाद तालुका में निषेधाज्ञाओं के उल्लंघन के लिए 7 मार्च 1930 को सरदार वल्लभ भाई पटेल को गिरफ्तार कर लिया गया और तीन महीनों के सश्रम कारावास की सजा सुनाई गई। उनकी गिरफ्तारी से अहमदाबाद में सनसनी फैल गई। मजदूर संघ की अध्यक्ष अनसुइया साराभाई के निर्देश पर सारी कपड़ा मिलें बंद कर दी गईं। 8 मार्च की शाम को गांधी जी ने अहमदाबाद में विशाल जनसभा को संबोधित किया जिसमें करीब 60 हजार लोगों ने हिस्सा लिया जिसमें बड़ी संख्या में महिलाएं भी शामिल थीं। गांधी जी ने सरदार पटेल की तारीफ की और कहा कि 'उनकी गुजरात और खासकर इस शहर के प्रति की गई सेवा मेरी सेवा से हजारों गुना ज्यादा है'। अगर सरकार ने एक वल्लभ भाई को गिरफ्तार कर यहां से हटा दिया है तो अहमदाबाद के आप स्त्री-पुरुषों को उनके स्थान पर उनके प्रतिनिधि के तौर पर काम करना चाहिए। गांधी जी ने कहा कि उनका लक्ष्य ये था कि 'नमक कर खत्म होना चाहिए। वह मेरे लिए एक कदम है, पूरी आजादी की तरफ पहला कदम'। गांधी जी ने नमक कर कानून का उल्लंघन करने का फैसला कर लिया था। अहमदाबाद से करीब बादलपुर शहर के पास भी समुद्र तट के अंदर नमक के भंडार थे। लेकिन गांधी जी एक लंबा अभियान चलाना चाहते थे जहां धीरे-धीरे मंजिल तक पहुंचने से पूरे रास्ते के लोग उत्साहित होंगे और उसे व्यापक प्रचार प्रसार भी मिलेगा। नमक कर तोड़ने के लिए उन्होंने समुद्र किनारे के एक गांव दांडी का चयन किया। नमक सत्याग्रह शुरू होने पूर्व 11 मार्च की रात को पूरे अहमदाबाद शहर में बड़ी उत्तेजना थी। लोगों की भीड़ आश्रम की ओर आती जा रही थी। कुछ लोगों ने पूरी रात साबरमती नदी के तट पर काटी। 12 मार्च को गांधी जी ने अठहत्तर लोगों के साथ दांडी मार्च शुरू किया। जिसमें गुजरात, महाराष्ट्र,केरल,पंजाब,सिंध,तमिलनाडु,आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, बंगाल, बिहार उड़ीसा और दक्षिण अफ्रीका से मणिलाल गांधी शामिल थे। नमक सत्याग्रह में शामिल होने वाले कार्यकर्ताओं में सामाजिक और भौगोलिक दोनों ही प्रकार की विविधता थी। इसमें सम्मिलित बहुत सारे छात्र और खादी कार्यकर्ता थे। 12 मार्च सुबह ठीक साढ़े छह बजे गांधी जी और उनके साथी साबरमती आश्रम से नमक सत्याग्रह दांडी मार्च के लिए निकले। पूरे शहर में उनका स्वागत किया गया। तीन घंटे की पैदल यात्रा के बाद सुबह साढ़े दस बजे वे असलाली गांव पहुंचे जहां लोगों ने उनका झंडों,फूलों और तुरही बजाकर स्वागत किया। नमक सत्याग्रह में पहला भाषण गांधी जी ने इसी गांव में दिया। अपने भाषण में उन्होंने कहा कि 'मैं हुक्का,बीड़ी और शराब पर लगाए जाने वाले किसी कर के बारे में समझ सकता हूं। मैं सम्राट होता तो मैं आपकी सहमति से हर बीड़ी पर एक पाई टैक्स लगा देता....लेकिन क्या किसी को नमक पर कर लगाना चाहिए'? जैसे जैसे यात्रा समुद्र की ओर बढ़ रही थी उसे देखने वालों की संख्या बढ़ती जा रही थी। चार दिन की यात्रा का संक्षिप्त विवरण बंबई क्रॉनिकल के संवाददाता ने लिखाः इस पदयात्रा में लोगों का भारी उत्साह देखा गया जिसका वर्णन नहीं किया जा सकता...अमीर और गरीब,लखपति और मजदूर,सवर्ण हिंदू और कथित अछूत सारे के सारे लोग भारत के इस महान मुक्तिदाता के स्वागत करने के लिए होड़ लगा रहे थे.... हर आदमी की यह चिंता थी कि वह बापूजी का दर्शन कैसे करेगा? सभी जातियों,मतों और धर्मों के हित देशभक्ति की एक अनिवार्य धारा में घुलमिल गए। ऐसा लग रहा था कि सभी के सभी एक संपूर्ण गांधी-राज के प्रतिनिधि हैं। ऐसा लग रहा था कि सरकार की सत्ता करीब-करीब अस्तित्वहीन हो चुकी है। 19 मार्च को जवाहरलाल नेहरू भी दांडी यात्रा में शामिल हुए। सत्याग्रह अभियान में देहवान नामक गांव में 105 वर्ष की महिला ने गांधी जी का स्वागत तिलक लगाकर किया और कहा कि वे तभी लौटें जब स्वराज हासिल हो जाए। फ्री प्रेस ऑफ इंडिया के एक पत्रकार ने दांडी यात्रा पर एक टिप्पणी की कि 'गांधी जिन-जिन गांवों और शहरों से गुजरे वहां के लोगों का उस यात्रा के प्रति चमत्कारी रुझान था। उस पूरे रास्ते में ग्राम-प्रमुखों ने और छोटे-छोटे अधिकारियों ने गांधी जी को अपना इस्तीफा सौंप दिया। अहमदाबाद, खेड़ा और भरूच जिले में लगभग हर घर के एक सदस्य ने देश की सेवा के लिए अपने आपको न्योछावर कर दिया था। हालांकि इस संदर्भ में गांधी जी ने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए थे, उन्होंने अपने परिवार के सभी वयस्कों को सत्याग्रह आंदोलन में शामिल होने की इजाजत दे दी थी। उनके साथ उस अभियान में उनके बेटे मणिलाल,रामदास, देवदास और पोते कांतिलाल भी थे। अहमदाबाद आश्रम को छोड़े हुए गांधी जी को ढाई सप्ताह हो चुके थे। पुलिस ने रिपोर्ट दी कि हर दिन की पदयात्रा के बाद जहां गांधी थक जाते थे, वहीं उनकी मानसिक मजबूती में कोई कमी नहीं आई थी। 5 अप्रैल को गांधी जी दांडी पहुंचे जहां उन्होंने नमक कानून तोड़ने की योजना बनाई थी। यहां पहुंचने के बाद गांधी जी ने ऐसोशिएटेड प्रेस को अपना एक वक्तव्य जारी किया। सबसे पहले उन्होंने सरकार को इस बात के लिए बधाई दी कि उसने पूरी पदयात्रा में किसी भी तरह के हस्तक्षेप की नीति अपनाई। उन्होंने कहा कि वह अगली सुबह साढ़े छह बजे यानी 6 अप्रैल को अपनी नागरिक अवज्ञा शुरू करेंगे। इस दिन की महत्ता के बारे में बोलते हुए उन्होंने कहा कि जलियांवाला बाग नरसंहार का दिन हमारे लिए संयम और आत्मशुद्धि का दिन रहा है। 6 अप्रैल 1930 के दिन प्रार्थना के बाद गांधी जी सत्याग्रहियों के एक समूह के साथ समुद्र की तरफ चल पड़े।

महात्मा गांधी की जय के नारों के बीच वह एक छोटे से गड्ढे में स्थितप्राकृतिक नमक के टुकड़ों को उठाने के लिए बढ़े अन्य लोगों ने भी उनका अनुसरण किया। सरोजिनी नायडू भी वहां मौजूद थी उन्होंने भी नमक कानून को तोड़ा और गांधी जी को संबोधित करते हुए नारा लगाया 'कानून-भंजक,जिंदाबाद ! (हेल ! लॉ ब्रेकर)।' दांडी में नमक कानून के भंग होने के बाद भारत के कई हिस्सों बंगाल,बंबई, तमिलनाडु और कानपुर में संयुक्त प्रांत के कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गणेश शंकर विद्यार्थी ने भी श्रद्धानंद पार्क में नमक कानून उल्लंघन का नेतृत्व किया था। देश के अंदरूनी हिस्सों में भी नमक कानून को तोड़ा गया था। नमक सत्याग्रह के इस वर्ष 96 वर्ष पूरे हो रहे हैं। इतने वर्षों बाद भी जब हम सविनय अवज्ञा आंदोलन के बारे में पढ़ते हैं तो गांधी जी की रणनीति और छोटे-छोटे टूल्स से उन्होंने किस प्रकार ब्रिटिश साम्राज्य को हिलाया था जानकर आश्चर्य होता है। नमक पर कर एक छोटा सा मुद्दा प्रतीत होता है लेकिन यह हमारे पूरे जीवन को किस प्रकार से प्रभावित करता है इसको गांधी जी ने जाना और उसका प्रतिकार किया। आज आम आदमी न जाने कितने करों के बोझ तले दबा हुआ है लेकिन उनके पास न गांधी जैसा कोई नेता है और ना ही सत्याग्रह के प्रति प्रतिबद्धता जिससे वह कम से कम अपनी रोजमर्रा की वस्तुओं को कर मुक्त करा सके।

ईरान: वैश्विक राजनीति के लिए गहरी सीख

विश्व राजनीति
नृपेन्द्र अभिषेक नृप
लेखक स्तंभकार हैं।

ईरान, इजराइल और अमेरिका के बीच हाल में बढ़े सैन्य तनाव ने मध्य-पूर्व की भू-राजनीति को झकझोर कर रख दिया है और पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। संयुक्त सैन्य कार्रवाई, जवाबी हमलों, वरिष्ठ अधिकारियों की मौत और आम नागरिकों के हताहत होने की खबरों ने वैश्विक स्तर पर चिंता को और बढ़ा दिया है। कई देशों को यह डर सताने लगा है कि यदि हालात नहीं संभले तो यह टकराव एक बड़े क्षेत्रीय युद्ध का रूप भी ले सकता है। फिलहाल पूरी दुनिया की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि इस बढ़ते तनाव का अंत किसदिशा में होगा। लेकिन इन घटनाओं के बीच ईरान की स्थिति दुनिया के सामने कई महत्वपूर्ण सबक भी रखती है। ये सबक केवल सैन्य या कूटनीतिक स्तर तक सीमित नहीं हैं, बल्कि आर्थिक नीति, शासन व्यवस्था, आंतरिक स्थिरता और सरकार तथा जनता के बीच संबंधों से भी गहराई से जुड़े हुए हैं।

ईरान की स्थिति से जो पहला और सबसे बड़ा सबक सामने आता है, वह है वैज्ञानिक और तकनीकी प्रगति का महत्व। आज के समय में किसी देश की ताकत केवल उसकी सेना या प्राकृतिक संसाधनों से तय नहीं होती। विज्ञान, तकनीक,अनुसंधान और नवाचार किसी भी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति बन चुके हैं। जोदेश विज्ञान और तकनीक में पीछे रह जाते हैं, वे धीरे-धीरे अंतरराष्ट्रीय दबाव और रणनीतिक चुनौतियों के प्रति कमजोर पड़ने लगते हैं।

ईरान के पास तेल और गैस के विशाल भंडार हैं और लंबे समय तक उसकी अर्थव्यवस्था मुख्य रूप से इन्हीं संसाधनों पर निर्भर रही। लेकिन किसी एक ही क्षेत्र पर अत्यधिक निर्भरता कई बार देश की आर्थिक संरचना को कमजोर भी बना देती है। जब अमेरिका और पश्चिमी देशों ने ईरान पर कठोर आर्थिक प्रतिबंध लगाए, तब उसकी अर्थव्यवस्था पर इसका गहरा असर पड़ा। इसका एक कारण यह भी था कि अर्थव्यवस्था के अन्य क्षेत्रों जैसे उन्नत उद्योग, तकनीकी विकास और वैश्विक व्यापार में पर्याप्त विस्तार नहीं हो पाया था।

यही कारण है कि दूसरा बड़ा सबक यह है कि किसी भी देश को अपनी अर्थव्यवस्था को एक ही स्तंभ पर खड़ा नहीं करना चाहिए। एक मजबूत और स्थायी अर्थव्यवस्था के लिए विविधता बहुत जरूरी होती है। जो देश केवल प्राकृतिक संसाधनों या किसी एक उद्योग पर निर्भर रहते हैं, उन्हें शुरुआत में समृद्धि तो मिल सकती है, लेकिन वे बाहरी झटकों के प्रति अत्यंतसंवेदनशील हो जाते हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में उतार-चढ़ाव, आर्थिक प्रतिबंध या वैश्विक संकट ऐसे देशों की आर्थिक व्यवस्था को हिला सकतेहैं। ईरान के मामले में भी यही हुआ। जब प्रतिबंधों ने उसके तेल निर्यात और वित्तीय व्यवस्था को प्रभावित किया, तो महंगाई बढ़ने लगी, राष्ट्रीय मुद्रा कमजोर पड़ गई और आर्थिक अस्थिरता बढ़ती चली गई। इसलिए दुनिया के देशों को इस उदाहरण से सीख लेकर अपनी अर्थव्यवस्था को संतुलित बनाना चाहिए, जिसमें उद्योग, कृषि, सेवा क्षेत्र, तकनीक और वैश्विक व्यापार सभीको समान महत्व दिया जाए।

ईरान के हालात राष्ट्रीय सुरक्षा के महत्व को भी स्पष्ट रूप से सामने लाते हैं। किसी भी देश की दिशा और स्थिरता काफी हद तक उसकी सुरक्षा व्यवस्था पर निर्भर करती है। विशेष रूप से देश के शीर्ष नेतृत्व और महत्वपूर्ण संस्थानों की सुरक्षा अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। यदि नेतृत्व ही असुरक्षित हो जाए या बाहरी हमलों और आंतरिक घुसपैठ के प्रति कमजोर पड़ जाए, तो पूरे देश की सुरक्षा व्यवस्था खतरे में पड़ सकती है। सुरक्षा एजेंसियों को हमेशा सतर्क रहना चाहिए और संभावित खतरों का समय-समय पर मूल्यांकन करते रहना चाहिए। कई बार सुरक्षा से जुड़े अधिकारी यह सोचकर लापरवाह हो जाते हैं कि यदि अब तक कोई बड़ी घटना नहीं हुई है, तो आगे भी सब कुछ सुरक्षित रहेगा। लेकिन वास्तविकता यह है कि दुश्मन को केवल एक अवसर की जरूरत होती है। इसलिए सतर्कता, तैयारी और जोखिमों का लगातार मूल्यांकन आधुनिक सुरक्षा व्यवस्था की अनिवार्य शर्तें हैं।

राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा एक और महत्वपूर्ण पहलू है खुफिया और प्रति खुफिया तंत्र। आज के समय में देशों के बीच प्रतिस्पर्धा केवल युद्ध के मैदान में नहीं होती, बल्कि सूचना और खुफिया गतिविधियों के स्तर पर भीहोती है। किसी भी देश के भीतर विदेशी खुफिया एजेंसियों का सक्रिय होनाउसकी संप्रभुता और आंतरिक स्थिरता के लिए गंभीर खतरा बन सकता है। ईरान केसंदर्भ में लंबे समय से यह आरोप लगाए जाते रहे हैं कि वहां इजराइल की खुफिया एजेंसी मोसाद और अमेरिका की सीआईए के नेटवर्क सक्रिय रहे हैं। आधुनिक युग में जासूसी, साइबर हमले और गुप्त सूचनाओं का आदान-प्रदान वैश्विक शक्ति संघर्ष के महत्वपूर्ण हथियार बन चुके हैं। इसलिए हर देश कोअपने खुफिया तंत्र को मजबूत करना चाहिए, संवेदनशील सूचनाओं की सुरक्षासुनिश्चित करनी चाहिए और यह प्रयास करना चाहिए कि विदेशी एजेंसियां उसकी धरती पर अपनी जड़ें न जमा सकें। ईरान की स्थिति यह भी बताती है कि किसी देश की आंतरिक राजनीतिक व्यवस्था उसकी स्थिरता में कितनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। जब सरकारें असहमति की आवाज को दबाने लगती हैं, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को सीमित करती हैं या विरोध करने वालों पर कठोर कार्रवाई करती हैं, तो समाज के भीतर असंतोषपनपने लगता है। यह असंतोष धीरे-धीरे राष्ट्रीय एकता को कमजोर कर सकता हैऔर बाहरी ताकतों को आंतरिक परिस्थितियों का लाभ उठाने का अवसर दे सकता है। ईरान में भी विरोध प्रदर्शनों और सरकारी दमन से जुड़े कई आरोप अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चा का विषय बने हैं। महसा अमीनी की मृत्यु के बाद हुए विरोध प्रदर्शनों ने पूरी दुनिया का ध्यान खींचा था। हजारों लोगों ने न्याय और स्वतंत्रता की मांग करते हुए प्रदर्शन किए। जब सरकारें ऐसे आंदोलनों का जवाब संवाद की बजाय कठोर बल प्रयोग से देती हैं, तो सरकार और जनता के बीच विश्वास की खाई और गहरी हो जाती है।

किसी भी सरकार की वास्तविक ताकत तब बढ़ती है जब वह अपने नागरिकों की बात सुनती है, उन्हें शांतिपूर्ण ढंग से अपनी राय व्यक्त करने की अनुमति देतीहै और समस्याओं का समाधान संवाद के माध्यम से खोजने की कोशिश करती है। यदि नागरिकों को यह महसूस होता है कि उनकी आवाज का सम्मान किया जा रहा है, तो वे कठिन परिस्थितियों में भी अपने देश के साथ मजबूती से खड़े रहते हैं। इसके विपरीत, जब लोग अपने ही देश में खुद को असुरक्षित या उपेक्षित महसूस करते हैं, तो समाज और राज्य के बीच विश्वास कमजोर पड़ने लगता है। आर्थिक कठिनाइयां भी ऐसे असंतोष को और बढ़ा सकती हैं। जब किसी देश मेंमहंगाई तेजी से बढ़ती है, मुद्रा का मूल्य गिरता है, बेरोजगारी बढ़ती है या लोगों को रोजमर्रा की जरूरतों के लिए संघर्ष करना पड़ता है, तो जनता में असंतोष स्वाभाविक रूप से बढ़ता है। यदि आर्थिक संकट के साथ राजनीतिकदमन भी जुड़ जाए, तो स्थिति और अधिक गंभीर हो सकती है। इसलिए सरकारों को आर्थिक स्थिरता को भी राष्ट्रीय सुरक्षा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा मानना चाहिए। रोजगार के अवसर बढ़ाना, आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता सुनिश्चित करना और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं को मजबूत बनाना जनता के विश्वास को बनाए रखने के लिए अत्यंत जरूरी है।

ईरान की स्थिति नेतृत्व परिवर्तन और राजनीतिक नवाचार के महत्व को भी रेखांकित करती है। जब लंबे समय तक सत्ता एक ही नेतृत्व के हाथों में केंद्रित रहती है, तो राजनीतिक व्यवस्था में जड़ता आने लगती है। स्वस्थ राजनीतिक व्यवस्था वही होती है जिसमें नए नेतृत्व को उभरने का अवसर मिलता है और समय-समय पर जिम्मेदारियों का हस्तांतरण होता रहता है। जब अनुभवी नेता उचित समय पर योग्य उत्तराधिकारियों को आगे बढ़ाते हैं, तो संस्थाएं मजबूत होती हैं और व्यवस्था अधिक स्थिर बनती है। लेकिन यदि सत्ता परिवर्तन के अवसर सीमित कर दिए जाएं, तो समय के साथ असंतोष बढ़ सकता है। ईरान के आसपास पैदा हुए हालात यह स्पष्ट करते हैं कि किसी भी देश की ताकतकई आधारों पर टिकी होती है- वैज्ञानिक प्रगति, आर्थिक विविधता, मजबूत सुरक्षा व्यवस्था, रणनीतिक आत्मनिर्भरता, लोकतांत्रिक सहभागिता और नागरिक अधिकारों का सम्मान। यदि इनमें से किसी एक पक्ष की भी उपेक्षा की जातीहै, तो वह कमजोरी बन सकती है, जिसका फायदा विरोधी ताकतें उठा सकती हैं। आज की दुनिया जटिल और तेजी से बदलती हुई है, इसलिए देशों को केवल सैन्य दृष्टि से ही नहीं, बल्कि आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक स्तर पर भी मजबूत बनना होगा। वास्तव में ईरान से जुड़े घटनाक्रम पूरी दुनिया के लिए एक चेतावनी और सीख दोनों हैं। देशों को विज्ञान और तकनीक में निवेश बढ़ाना चाहिए, अपनीअर्थव्यवस्था को विविध बनाना चाहिए, सुरक्षा और खुफिया तंत्र को मजबूत करना चाहिए और संभावित खतरों के प्रति सतर्क रहना चाहिए। साथ ही यह भीसमझना होगा कि किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी ताकत उसकी जनता होती है। जब सरकारें अपने नागरिकों की आवाज सुनती हैं, उनके अधिकारों की रक्षा करती हैं और समस्याओं का समाधान संवाद से खोजती हैं, तब समाज अधिक मजबूत और स्थिर बनता है। जो देश इन सबकों को समझकर उन्हें अपने शासन और नीति में लागू करेंगे, वे भविष्य की चुनौतियों का बेहतर ढंग से सामना कर सकेंगे औरअपनी संप्रभुता तथा स्थिरता को सुरक्षित रख पाएंगे।

मौसम की तरह रंग बदलता लेखन

विचार
ज्योति जैन
लेखक वामा इंदौर की अध्यक्ष हैं।

हर इंसान के जीवन में कई मौसम आते हैं और जाते है। हर मौसम का एक अपना अलग अंदाज है लेकिन एक साहित्यकार के जीवन में और लोगों से अलग मौसम होते हैं। साहित्यकार के शुरुआती दौर में जब मन युवा होता है, चंचल होता है। तितलियों की तरह यहां वहां उड़ने का मन करता है, पंछियों की तरह फुदकने का मन करता है, तो जीवन मानो कविता हो जाती है और कविता का होना ही बसंत का होना होता है।

बसंत भी ऐसा कि चौतरफा बस खिले फूल ही नजर आते हैं। चाहे वो चटकीले पीले रंग का अमलतास हो,गुलाबी कचनार हो या फिर इंद्रधनुषी रंगों की तरह खिले मौसमी पुष्प...।

जीवन में जितने भी रंग हैं वो सब कविता में उतर आते हैं। और हां... ! जिन दिनों युवा लेखक प्रेम में होता है,उसे प्रकृति भी खूबसूरत लगती है। हर बात में, हर क्रिया में कविता प्रस्फुटित हो जाती है।

आ हा .., क्या खुशनुमा अहसास....जिंदगी का कविता हो जाना, जिंदगी में बसंत का आ जाना होता है।

लेकिन बढ़ती उम्र के साथ गृहस्थ जीवन में जब प्रवेश करता है तो मानो पतझड़ भी प्रवेश कर जाता है। सारी कविताएं पीले पड़ चुके पन्नों की तरह बक्से में बंद हो जाती है।

कविताएं दरकिनार हो जाती है और जिंदगी में छोटे-मोटे उतार चढ़ाव,छोटी-मोटी नोंकझोंक की तरह लघुकथा उसमें प्रवेश कर जाती है। अब किसी के लिए ससुराल गेंदा फूल हो जाता है, तो किसी के लिए गोभी का फूल। अमलतास, गुलमोहर कचनार, पिटूनिया,पैंजी यह सारे फूल या तो बेशर्म के जंगली जामुनी फूलों में बदल जाते हैं या तो फिर कटहल में। और... और... और बढ़ते वर्षों के साथ अब जिंदगी नई कहानी लिखने लगती हैं। बहुत सारे भाव जो कविता लिखते समय कोमल लगते थे, अब कठोर लगने लगते है और जीवन के हर गुजरते दिन के साथ एक-एक कहानी कहने लगते हैं।

युवावस्था में खाया मक्खन, मैदा अब कहीं ना कहीं पेट में जमकर नई कहानी लिखना शुरू कर देता है।

कविता से लघुकथा, कहानी का सफर तय करते-करते मौसम बदलने लगता है। बसंत की जगह अब कभी पतझड़ नजर आता है तो कभी पथरीली चट्टानों पर तेज गर्मी प्रतीत होती है। गर्मी भी ऐसी कि नानी दादी याद दिला दे, ऐसे संस्मरण पर आकर टिक जाती। पुराने दिन, पुराने मौसम, पुराना मोहल्ला, पुराना गांव सभी कुछ तो याद आ जाता है। और जहां पुराना कुछ याद आया,कि डायरी लिखने को मन लालायित हो जाता है।

गर्मी से जैसे तैसे निजात पाई कि बारिश आ जाती है।

बारिश जो तब खूबसूरत लगती थी। अब तो उसकी बूंदे, बूंदे चुभने लगती है... या यूं कह लीजिए कि वह कविताएं नाव बन अब पानी में तैरने लगती है और थोड़ी दूर पर जाकर डूब भी जाती है।

पहले आंखों की भाषा, मौन की भाषा, स्पर्श की भाषा, मुस्कुराहट की भाषा सब समझ में आ जाती थी। यानी कम शब्दों में सारा काम हो जाता। हाइकु भी उसी की देन थी।और तब तो जीवन कवितामय लगता था। लेकिन बढ़ते वर्षों में कम शब्द हवा हो गए, इसलिए धीरे-धीरे निबंध जीवन में आ गया। निबंध जिसे बांधा ना जा सके और बस हर साहित्यकार के जीवन में शायद ऐसा ही होता है। ना कम शब्दों में काम होता है और ना कविता रह जाती है। ये बड़े-बड़े निबंध जिंदगी का हिस्सा हो जाते हैं।और उसके बावजूद भी कसक ही रह जाती है कि सामने वाला कुछ नहीं समझता।

उम्र के वर्ष थोड़े से और खिसकते हैं तो रेखाचित्र बनने लगते हैं। वही रेखाचित्र जो शब्द भर के माध्यम से किसी को भी साक्षात आपके सामने खड़ा कर देते हैं।

यह रेखाचित्र जो कभी पुराने दिनों की याद दिलाते हैं, गुदगुदाते हैं, उदास भी कर देते हैं और कभी-कभी पुराने दिनों में लौट आने का बहाना देते हैं।

कभी बचपन की यादों को उकेरते हैं तो कभी युवावस्था की यादों को और फिर जीवन के हर कहानी के किरदार को शब्दों से चित्र बना लेने का माद्दा भी रखते हैं। सारी ऋतुएं पार करके और आगे बढ़ जाते हैं तो ठंड के सामने देख लगता है कि क्या रिश्तों में भी ठंडापन आने लगा है... ! मैदा और चीज, घी, तेल से होती हुई जिंदगी मोटे अनाज, मक्का, ज्वार, बाजरा यानी मिलेट्स पर आकर ठहर जाती है।और तब साहित्यकार की कलम से व्यंग निकलता है। व्यंग सबसे सटीक और सही वही तो है कि दूसरों के बजाय स्वयं पर हंस लिया जाए, स्वयं पर परिहास कर लिया जाए। वही तो साहित्यकार करता है।

लेकिन इन सारे मौसमों और सारी विधाओं से गुजरते हुए हर मौसम के अनुरूप रहते हुए, मौसम के अनुसार खान-पान रखते हुए, जीवन उपन्यास की तरह लंबा हो जाता है और गहरा भी। विचार भी परिपक्व हो जाते हैं और रिश्तों में,प्रेम में गाढ़ापन भी आ जाता है।

कुल मिलाकर विभिन्न मौसमों की तरह लेखन की विभिन्न विधाएं भी जीवन में साथ-साथ चलती है। जीवन की सार्थकता तो इसमें है कि हम उसे कब और किस नजरिए से देखते हैं।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
वरिष्ठ संपादक
पंकज शुक्ला
प्रबंध संपादक
अरुण पटेल
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

पुराने दिनों की तकलीफों को आनंद कहना

व्यंग्य
सुधीर देशपांडे
लेखक व्यंग्यकार हैं।

आज अचानक मैं समययान में बैठकर पीछे यानी अपने भूतकाल में चला गया। वैसे तो गाहे बगाहे भूतकाल में पहले भी जाता रहा हूँ। पर इस बार इस बरसात में सोचा, चलो, एक चक्कर फिर पुराने दिनों में लगा आया जाए।हर समय का एक संधिकाल भी होता है। हुआ ये कि जैसे कि मध्यम वर्गीय परिवारों के साथ होता ही है कि वे कभी भी इस या उस छोर पर पूरा नहीं पहुंचते, बीच में यानी मध्य में ही रह जाते हैं, हमारे समययान का ईंधन जोथा इसी संधि स्थल पर खत्म हो गया। यद्यपि साथ के लोग भी थे जो पीछे की ओर जाकर देखना चाह रहे थे। वे और पीछे पीछे जाना चाह रहे थे। हाँ इस संधिस्थल पर सुभीता यह कि यहाँ से आगे और पीछे देखना दोनों ही संभव था। पर इन सबमें एक सदस्य जो हमारे पुत्र थे, वे हमारे कौतूहल को गौर से देख रहेथे।

मैंने उसे पीछे का काल दिखाते हुए कहा-'देखो तब मैं दस साल का था, मेरे तीन और भाई बहन थे। जो मुझसे छोटे थे। हमारा घर कोई बड़ा घर नहीं था। पर उस छोटे से आनंद ही आनंद था।'

'आनंद याने क्या पापा?'

'खुशियाँ ! और क्या?'

'यानी मैं देख रहा हूँ, दादी चूल्हा फूँक रही है। लकड़ी जल कम रही है, धुँआ ज्यादा दे रही है। बाहर बादल गरज रहे हैं बिजलियाँ चमक रही है। ये लो अब बिजली चली गई। अंधेरा हो गया। अब आप लोग जो है, क्या कहते हैंउसे, जो काँच की बोतल में तेल भर कर उसके ढक्कन में बत्ती फंसाकर जला रहे हैं? शायद ढिबरी न? उसे जलाकर उसकी कालिख को अपने फेफडों में भर रहे हैं। बाहर तेज बारिश होने लगी है। और इधर कवेलू वाली छत से पानी घर के भीतर आ रहा है। वो देखो दादी, दादा आप और बुआएँ कैसे घर की बाल्टियाँ, भगोने, गंगाल, हर धार के नीचे लगा रहे हो। बिस्तर गीले हो रहे हैं। खटियाएँ सरकाई जा रही हैं। आपको भले ही मजा आ रहा है पर दादा दादी परेशान हैं। वो अगली सुबह ही छत ठीक करने का कह रहे हैं। यह दृश्य केवल अपने ही घर नहीं अमूमन आसपास के हर घर में दिखाई दे रहा है।' एक दूसरे दृश्य पर वह बोला-'और ये क्या आप तो पड़ोस में जाकर उनके घर खाना खाकर आ गये? उन्होंने कहा और आप खाना खाने बैठ भी गये? यह कोई ठीक आचरण तो नहीं था?' 'यही तो आनंद था।' मैंने कहा। 'देखो उन काकी ने मुझे खाना खिलाते वक्त मना भी नहीं किया, वरन प्यार से बिठाकर खाना परोस भी दिया। अब तो पड़ोस में कौन आया कौन गया पता ही नहीं चलता है।' मैंने कहा। 'तो वो पहले क्या था? जिसे आपने आनंद कहा था? आज माँ गैस पर झट से रोटियां और सारा खाना बिना किसी तकलीफ के बना लेती है। बिजली अब कम जातीहै। जाती भी है तो घरों में इन्वर्टर आ गये। छतें ठीक हो गई, लीपने छाबने का झंझट खत्म हो गया। कम समय में ज्यादा काम पूरे होने लगे। ये तो सब आज, आपने ही खरीदे हैं न? तब, जब बरसात के भीतर आते पानी से तकलीफ नहीं थी तो फिर यह नया मकान जिसकी छत बारह मासी सुरक्षित छत है, जिसमें से एक बूंद पानी भी भीतर नहीं आता क्यों बनवाई?' 'पापा!' अगले दृश्य को देखते ही बेटा बोला-'ये घर पर कौन आ गये? ये तोशायद आपकी बुआ और उनके बच्चे हैं।' 'हाँ ! ये अमूमन तब गर्मी की छुट्टियों में घर आ ही जाते थे। महीने भर यहीं रहते थे।' 'तब दादी को तो बहुत परेशानी होती होगी।' बेटे ने पूछा। 'देख लो तुम्हीं।' मैंने कहा।'वो देखो। दादी के हाल, बेचारी सुबह चार बजे से उठकर तैयारियों में लग गईहैं। बुआ, दादी को कुछ बोल भले न पा रही हों पर दादा के कान खा रही है।और यह क्या है? आपके कपड़े देखे आपने? कैसे गंदे करके ले आए और उस परआपकी पिटाई।' 'यह भी एक आनंद था बेटा।' मैंने कहा-'तब मेरे पास यही एक गणवेश का जोड़ था जो विद्यालय में भी पहन कर जाते थे। और फिर दिन भर उसी में खेलने के कारण गंदा हो जाता था। साबुन टिकिया पर भी खर्चा करना बाबा फिजूलखर्ची समझते थे।' 'और अब ये नया क्या? ये आम के पेड़ पर चढ़कर आम तोड़ रहे हैं आप? आपको पेड़ पर चढ़ना आता है?' 'देख लो।' मैंने गर्व से कहा- 'उस दिन हम दोस्तों ने पेड़ से कई सारे आम तोड़ लिए थे। पर..' 'वो देखो पापा, नीचे शायद पेड़ का मालिक आ गया है। चिल्ला रहा है, अब क्या होगा। अरे सब बच्चे तो कूद-कूद कर इधर उधर भाग गये; अब आपका क्याहोगा? आप कैसे उतरोगे?' 'देखो।' मैंने कहा। उसने कौतूहल से देखा- 'अरे आप भी कूद गये। पर आपको तो शायद खूब चोट लग गई है। खून भी बह रहा है।? कपड़े फट गये हैं। अब तो उस पेड़ मालिक ने भी आपको पकड़कर दो झापड़ जड़ दिए और वही आपको घर भी ले जा रहे हैं। ये क्या? इतनी चोट लगने के बाद भी दादाजी ने आपको फिर पीट दिया। आम वाले ने शिकायत की इसलिए न?'- बेटे ने पूछा।'बिना पूछे आम तोड़े थे न इसलिए।' मैंने कहा। 'याने चोरी ! और कपड़े फाड़कर लाए थे इसलिए भी।' बेटा हँसते हुए बोला। 'पापा, अब वापस चलें? इतना सब कुछ टूटने, पिटने और भोगने के बाद भी आप पुराने दिनों की तकलीफों को आनंद कहते हैं। सचमुच आप ग्रेट हैं।' और हमारी समययान एक झटके में वर्तमान में था। मैं भले ही पुरानी यादों से रूबरू हो कर अभिभूत था पर बेटे को मुझ पर दया आ रही थी।

राजनीति में वंश परंपरा अब सहज स्वाभाविक हो गई है

दृष्टिकोण

राजेंद्र बज

लेखक स्तंभकार हैं।

व्यवहार में देखा गया है कि परिजन के छोटे-बड़े सदन का सदस्य या राजनीतिक तौर पर किसी पद पर होने के चलते एक प्रकार की समानांतर सत्ता का संचालन परिवार के ही किसी महत्वाकांक्षी सदस्य के हाथों आ जाया करता है। बाकायदा उनके भी कट्टर समर्थक तथा कार्यकर्ता बन जाते है। कुछ एक के लिए राजनीति में जड़ जमाने का यह एक शॉर्टकट तरीका हुआ करता है। अनेक उम्रदराज राजनेता अपने जीते जी अपनी राजनीतिक विरासत को अपने परिजन के पक्ष में हस्तांतरित कर देने की तमन्ना रखा करते हैं। बहुत आसानी से स्थापित राजनेताओं के परिजन को चुनावी टिकट भी मिल जाया करता है। ऐसी स्थिति में स्थापित राजनेता के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का सीधा लाभ परिजन को प्राप्त होने लगता है। लेकिन यह सब लोकतंत्र की मूल भावना के सर्वथा विपरीत है। दुर्भाग्य से आजकल की राजनीति में ऐसा कोई दल दिखाई नहीं देता जो नीति और सिद्धांतों पर आधारित राजनीति में अटल विश्वास करता हो।

बीते दौर में गैर कांग्रेसी विचारधारा वाले विभिन्न राजनीतिक दलों द्वारा समय-समय पर लोकतंत्र की राजनीति में वंश तथा परिवारवादी परंपरा का पुरजोर विरोध किया गया था। इस मुद्दे को लेकर अनेक अवसरों पर नेहरू गांधी परिवार को आड़े हाथों लिया गया। उस दौर में गैरकांग्रेसी सरकार के सत्ता में आने की संभावनाएं लगभग क्षीण ही थी। लेकिन आपातकाल के पश्चात केंद्र तथा राज्यों की राजनीति में ऐसा मोड़ आया किगैर कांग्रेसी सरकार के बनने का मार्ग प्रशस्त हुआ। ऐसी स्थिति में कल तकजिस मुद्दे को लेकर कांग्रेस पर दोषारोपण किया जाता था, उसका परिपालनगैर कांग्रेसी विचारधारा वाले राजनीतिक दलों द्वारा भी किया जाने लगा।

लेकिन आज यह मुद्दा राजनीतिक तौर पर कोई मुद्दा नहीं रह गया है। इसके चलते विभिन्न राजनीतिक दलों में वंश तथा परिवारवाद तेजी से फलने फूलने लगा है। हालांकि अन्य दलों से इतर भाजपा की राजनीति में शीर्षस्तर पर वंश तथा परिवारवाद की परंपरा उतनी नहीं दिखाई देती जितनी कि अन्य दलों में दिखाई देती है। लेकिन फिर भी उसके सहयोगी दलों में इस परंपरा का बखूबी पालन होता रहा है और हो रहा है। इस संदर्भ में यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठता है कि क्या लोकतंत्र की राजनीति में कोई पदव्यक्तिगत जागीर होता है जिसका उत्तराधिकारी परिवार का ही कोई वंशज होता है ?

लेकिन यह यक्ष प्रश्न चाहे वर्तमान दौर में सर्वथा अप्रासंगिक हो गया हो, लेकिन यह स्थिति लोकतंत्र की मूल भावना के सर्वथा विपरीत है। व्यवहार में देखा गया है कि परिजन के छोटे-बड़े सदन का सदस्य या राजनीतिक तौर पर किसी पद पर होने के चलते एक प्रकार की समानांतर सत्ता का संचालन परिवार के ही किसी महत्वाकांक्षी सदस्य के हाथों आ जाया करता है। बाकायदा उनके भी कट्टर समर्थक तथा कार्यकर्ता बन जाते है। कुछ एक के लिए राजनीति में जड़ जमाने का यह एक शॉर्टकट तरीका हुआ करता है। अनेक उम्रदराज राजनेता अपने जीते जी अपनी राजनीतिक विरासत को अपने परिजन के पक्ष में हस्तांतरित कर देने की तमन्ना रखा करते हैं।

बहुत आसानी से स्थापित राजनेताओं के परिजन को चुनावी टिकट भी मिल जाया करता है। ऐसी स्थिति में स्थापित राजनेता के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का सीधा लाभ परिजन को प्राप्त होने लगता है। लेकिन यह सब लोकतंत्र की मूल भावना के सर्वथा विपरीत है। दुर्भाग्य से आजकल की राजनीति में ऐसा कोई दल दिखाई नहीं देता जो नीति और सिद्धांतों पर

आधारित राजनीति में अटल विश्वास करता हो। दरअसल स्थापित राजनेता राजनीति में अपनी जमी जड़ को अपनी जागीर समझने लगते हैं। जहां तक स्थापित राजनेताओं के परिजन द्वारा चुनावी सफलता प्राप्त कर लेने का सवाल है, तो बहुत स्वाभाविक रूप से उनके लिए राजनीति में जड़ जमाना अब आसान हो गया है।

यही नहीं अपितु जनमानस में भी यह धारणा बन गई है कि नेता के परिजन यदि राजनीति करते हैं, तो इसमें बुराई क्या ? उनके तर्क रहाकरते हैं कि जिस प्रकार व्यापारी के बेटे का व्यापार बनना बहुत स्वाभाविक है और किसान के बेटे का कृषि कार्य करना भी बहुत स्वाभाविक है, ऐसे में नेता का बेटा नेता बने तो क्या हर्ज है ? जनमानस की यह सोच दर्शाती है कि अब राजनीति सेवा और समर्पण का माध्यम नहीं रही। यह एक व्यापार अथवा पेशा बन गई है। आज स्थिति यह है कि राजनीति में तनिक भी जड़ जम जाए तो आर्थिक दृष्टि से आने वाली पीढ़ी के वारे-न्यारे किए जा सकते हैं।

बीते दौर में राजनेता या उसके परिजन को आर्थिक दृष्टि से आत्मनिर्भर बनाने के निमित्त कुछ ऐसे प्रावधान किए गए जिसके चलते घर परिवार का संचालन सुगमता पूर्वक हो सके। इसमें मुख्य रूप से पेट्रोल पंप, गैस एजेंसी, कोटा तथा परमिट में वरीयता देने का प्रावधान किया गया। लेकिन आजकल की राजनीति में इतना भ्रष्टाचार बढ़ गया है कि यदि कोई छोटा-बड़ा पदभी नीलाम किया जाता है तो लाखों करोड़ों नहीं बल्कि अरबो रुपए का राजस्व सरकारी खजाने में भरने को लोग एक पैर पर तैयार खड़े मिलेंगे। वरना एक जमाना था जब सक्रिय राजनीति घर फूंक तमाशा देखने के अतिरिक्त और कुछ नहीं थी।

हालांकि बीते दौर में कुछ एक जनप्रतिनिधि ऐसे भी हुए हैं जिनके पास निर्वाचित होने के उपरांत सदन में उपस्थित होने के लिए माकूल कपड़े तक नहीं थे। आज की पीढ़ी को यह बात आश्चर्यजनक लग सकती है कि गैर कांग्रेसी राजनीतिक दलों के पास समर्थक तथा कार्यकर्ता तो ठीक लेकिन चुनाव लड़ने के इच्छुक प्रत्याशियों का भी अभाव था। बहुत ही मान मनोव्वल के साथ चुनाव लड़ने के लिए प्रत्याशियों को तैयार किया जाता था। लेकिन आज स्थिति यह है कि चुनावी टिकट के मामले में कहीं-कहीं इस हाथ दे और उस हाथ ले का सिलसिला भी चला करता है।

मूक महामारी बनती किडनी बीमारियां

विश्व किडनी दिवस पर विशेष

योगेश कुमार गोयल

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

यह विषय न केवल किडनी स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता पर बल देता है बल्कि यह भी बताता है कि मानव स्वास्थ्य और पर्यावरणीय स्वास्थ्य एक-दूसरे से गहराई से जुड़े हैं। इस दिवस की शुरुआत वर्ष 2006 में इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ नेफ्रोलॉजी (आईएसएन) और इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ किडनी फाउंडेशंस (आईएफकेएफ) की संयुक्त पहल के रूप में हुई थी, जिसका उद्देश्य दुनियाभर में किडनी रोगों के बढ़ते बोझ को कम करना, लोगों को समय पर जांच के लिए प्रेरित करना और स्वास्थ्य प्रणालियों को बेहतर उपचार सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रेरित करना था। आज यह अभियान सैंकड़ों देशों में मनाया जाने वाला एक व्यापक जनआंदोलन बन चुका है, जिसमें स्वास्थ्य संस्थान, चिकित्सक, सामाजिक संगठन और आम नागरिक सक्रिय रूप से भाग लेते हैं। गुर्दे की बीमारी का सबसे खतरनाक पहलू यह है कि यह अक्सर बिना किसी स्पष्ट लक्षण के धीरे-धीरे विकसित होती है।

मानव शरीर की जटिल संरचना में गुर्दे (किडनी) ऐसे मौन प्रहरी हैं, जो शरीर के भीतर निरंतर संतुलन बनाए रखने का कार्य करते हैं। वे रक्त से विषैले अपशिष्ट पदार्थों को बाहर निकालते हैं, शरीर में तरल पदार्थों का संतुलन बनाए रखते हैं, रक्तचाप को नियंत्रित करने वाले हार्मोन बनाते हैं और लाल रक्त कोशिकाओं के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इतनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले ये अंग तब तक चुपचाप काम करते रहते हैं, जब तक कि इनमें गंभीर क्षति न हो जाए। यही कारण है कि गुर्दे की बीमारी को अक्सर 'साइलेंट किलर' या 'मूक महामारी' कहा जाता है। आज विश्वस्तर पर गुर्दे की बीमारियां तेजी से बढ़ती हुई स्वास्थ्य चुनौतियों में शामिल हो चुकी हैं। विभिन्न अध्ययनों के अनुसार दुनिया में 85 करोड़ सेअधिक लोग किसी न किसी प्रकार की किडनी बीमारी से प्रभावित हैं और हर 10 में से 1 व्यक्ति को क्रॉनिक किडनी डिजीज का खतरा है। चिंता की बात यह हैकि अधिकांश लोगों को तब तक अपनी बीमारी का पता नहीं चलता, जब तक किगुर्दों को गंभीर क्षति न पहुंच जाए। हर वर्ष लाखों लोग गुर्दे की बीमारी से जुड़ी जटिलताओं के कारण असमय मृत्यु का शिकार हो जाते हैं। इन्हीं चुनौतियों के प्रति वैश्विक स्तर पर जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से हर साल मार्च के दूसरे गुरुवार को 'विश्व किडनी दिवस' मनाया जाता है,जो इस वर्ष 12 मार्च को 'सभी के लिए गुर्दा स्वास्थ्यः लोगों की देखभाल, ग्रह की रक्षा' विषय के साथ मनाया जा रहा है। यह विषय न केवल किडनी स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता पर बल देता है बल्कि यह भी बताता है कि मानव स्वास्थ्य और पर्यावरणीय स्वास्थ्य एक-दूसरे से गहराई से जुड़े हैं। इस दिवस की शुरुआत वर्ष 2006 में इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ नेफ्रोलॉजी (आईएसएन) और इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ किडनी फाउंडेशंस (आईएफकेएफ) की संयुक्त पहल के रूप में हुई थी, जिसका उद्देश्य दुनियाभर में किडनी रोगों के बढ़ते बोझ को कम करना, लोगों को समय पर जांच के लिए प्रेरित करना और स्वास्थ्य प्रणालियों को बेहतर उपचार सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रेरित करना था। आज यह अभियान सैंकड़ों देशों में मनाया जाने वाला एक व्यापक जनआंदोलन बन चुका है, जिसमें स्वास्थ्य संस्थान, चिकित्सक, सामाजिक संगठन और आम नागरिक सक्रिय रूप से भाग लेते हैं। गुर्दे की बीमारी का सबसे खतरनाक पहलू यह है कि यह अक्सर बिना किसी स्पष्ट लक्षण के धीरे-धीरे विकसित होती है। शुरुआती चरणों में व्यक्ति को सामान्य रूप से कोई परेशानी महसूस नहीं होती लेकिन भीतर ही भीतर गुर्दों की कार्यक्षमता कम होती रहती है। यही कारण है कि विशेषज्ञ समय-समय पर किडनी की जांच कराने पर विशेष जोर देते हैं। साधारण रक्त और मूत्र परीक्षणों के माध्यम से गुर्दों की कार्यप्रणाली का आकलन किया जा सकता है और बीमारी को शुरुआती चरण में ही नियंत्रित किया जा सकता है। कुछ लोगों में गुर्दे की बीमारी का जोखिम सामान्य से अधिक होता है। मधुमेह और उच्च रक्तचाप से पीड़ित व्यक्ति इस बीमारी के सबसे बड़े जोखिम समूह में आते हैं क्योंकि लंबे समय तक उच्च रक्त शर्करा और बढ़ा हुआ रक्तचाप गुर्दों की नाजुक फिल्टरिंग इकाइयों को नुकसान पहुंचाते हैं। इसके अतिरिक्त मोटापा, हृदय रोग, पारिवारिक इतिहास, धूम्रपान, बढ़ती आयु और कुछ दवाओं का लंबे समय तक उपयोग भी गुर्दे की बीमारी के जोखिम को बढ़ा सकते हैं। 60 वर्ष से अधिक आयु के लोगों को विशेष रूप से नियमित जांच कराने की सलाह दी जाती है। गुर्दे की बीमारी के कुछ संभावित संकेत भी होते हैं, जिन्हें नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। लगातार थकान महसूस होना, पैरों या टखनों में सूजन, आंखों के आसपास सूजन, पेशाब के रंग या मात्रा में बदलाव, बार-बार पेशाब आना, भूख कम लगना, मतली या सांस फूलना जैसे लक्षण गुर्दों की समस्या की ओर संकेत कर सकते हैं। हालांकि यह आवश्यक नहीं कि ये सभी लक्षण हर मरीज में दिखाई दें, इसलिए जांच को ही सबसे विश्वसनीय तरीका माना जाता है। किडनी की कार्यक्षमता का आकलन करने के लिए कई प्रकार की चिकित्सीय जांचें उपलब्ध हैं। रक्त में क्रिएटिनिन स्तर की जांच और अनुमानित 'ग्लोमेरुलर फिल्ट्रेशन रेट' यह बताती है कि गुर्दे रक्त को कितने प्रभावी ढंग से फिल्टर कर रहे हैं। इसके अलावा मूत्र परीक्षण के माध्यम से प्रोटीन या एल्ब्यूमिन की उपस्थिति का पता लगाया जाता है, जो गुर्दे की शुरुआती क्षति का संकेत हो सकता है। अल्ट्रासाउंड जैसे इमेजिंग परीक्षणों से गुर्दों की संरचना और किसी संभावित रुकावट, पथरी या सिस्ट का पता लगाया जा सकता है। यदि समय रहते गुर्दे की बीमारी का पता चल जाए तो अक्सर जीवनशैली में बदलाव और दवाओं के माध्यम से इसे नियंत्रित किया जा सकता है लेकिन यदि बीमारी उन्नत चरण में पहुंच जाए तो डायलिसिस या किडनी प्रत्यारोपण जैसी जटिल उपचार प्रक्रियाओं की आवश्यकता पड़ सकती है। इसीलिए विश्व किडनी दिवस का प्रमुख संदेश है 'जल्दी पहचान, बेहतर उपचार।' गुर्दों को स्वस्थ बनाए रखने के लिए कुछ सरल लेकिन प्रभावी जीवनशैली उपाय अपनाए जा सकते हैं। पर्याप्त मात्रा में पानी पीना गुर्दों को विषैले पदार्थों को बाहर निकालने में मदद करता है। संतुलित और पौष्टिक आहार, जिसमें फल, सब्जियां, साबुत अनाज और कम वसा वाले प्रोटीन शामिल हों, किडनी स्वास्थ्य के लिए लाभकारी होता है। नमक और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों का अत्यधिक सेवन रक्तचाप को बढ़ा सकता है, जिससे गुर्दों पर दबाव पड़ता है। नियमित शारीरिक गतिविधि भी गुर्दे के स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण है। प्रतिदिन कम से कम 30 मिनट पैदल चलना, योग, तैराकी या साइकिल चलाना शरीर के समग्र स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है और रक्तचाप तथा रक्त शर्करा को नियंत्रित रखने में मदद करता है। धूम्रपान और अत्यधिक शराब का सेवन भी गुर्दों को नुकसान पहुंचाता है, इसलिए इनसे दूर रहना चाहिए। दर्द निवारक दवाओं का अत्यधिक और लंबे समय तक उपयोग भी किडनी को प्रभावित कर सकता है। नॉन-स्टेरॉयडल एंटी-इंफ्लेमेटरी दवाओं का अनियंत्रित उपयोग गुर्दों पर दबाव डालता है, इसलिए किसी भी दवा का लंबे समय तक उपयोग करने से पहले चिकित्सकीय सलाह लेना आवश्यक है। पर्यावरणीय कारक भी किडनी स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकते हैं। बढ़ता वायु और जल प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन, अत्यधिक गर्मी और पर्यावरणीय विषाक्त पदार्थ गुर्दों पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकते हैं। लंबे समय तक गर्म वातावरण में काम करने से शरीर में निर्जलीकरण और ताप तनाव बढ़ता है, जिससे गुर्दों पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है। इसी प्रकार प्रदूषित जल और रासायनिक पदार्थ भी किडनी को नुकसान पहुंचा सकते हैं। यह अभियान केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है बल्कि यह पर्यावरण संरक्षण और टिकाऊ स्वास्थ्य प्रणालियों की आवश्यकता पर भी बल देता है। उदाहरण के लिए, डायलिसिस उपचार में बड़ी मात्रा में पानी और ऊर्जा का उपयोग होता है। इसलिए चिकित्सा क्षेत्र में ऐसी तकनीकों और प्रक्रियाओं को अपनाने की आवश्यकता है, जो पर्यावरण के अनुकूल हों और संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग करें।

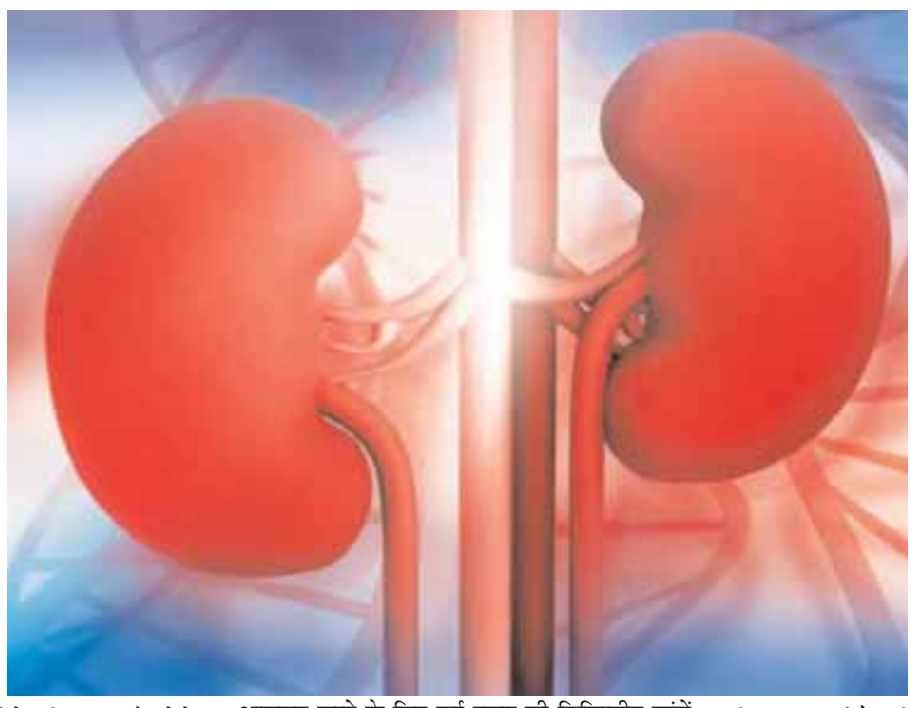

बहरहाल, किडनी स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाने में समाज के प्रत्येक व्यक्ति की भूमिका महत्वपूर्ण है। विशेष रूप से मधुमेह और उच्च रक्तचापसे पीड़ित लोगों को वर्ष में कम से कम एक बार किडनी की जांच अवश्य करानी चाहिए। यदि बीमारी का प्रारंभिक चरण में ही पता चल जाए तो उचित उपचार और जीवनशैली में बदलाव के माध्यम से गुर्दों को लंबे समय तक स्वस्थ रखा जा सकता है। वास्तव में गुर्दे हमारे शरीर के ऐसे मौन संरक्षक हैं, जिनकी उपेक्षा गंभीर परिणाम ला सकती है। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम किडनी स्वास्थ्य को प्राथमिकता दें, पर्यावरण की रक्षा करें और ऐसी जीवनशैली अपनाएं, जो शरीर और प्रकृति दोनों के लिए लाभकारी हो। यदि हम समय रहते सचेत हो जाएं और नियमित स्वास्थ्य जांच को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बना लें तो गुर्दे की बीमारियों के बढ़ते खतरे को काफी हद तक कम किया जा सकता है। अंततः, विश्व किडनी दिवस का संदेश स्पष्ट है, 'अपने गुर्दों की सुरक्षा करें, नियमित जांच कराएं और स्वस्थ भविष्य की दिशा में एक जिम्मेदार कदम बढ़ाएं।'

लक्ष्य सेन फिर चमकदार प्रदर्शन की राह पर

ऑल इंग्लैंड बेडमिंटन: 2026

विजय रांगणेकर

(वरिष्ठ खेल समीक्षक)

वर्ष का समापन साल के अंत में खिताबी जीत से किया। नवंबर 2025 में, लक्ष्य सेन ने ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब जीतकर 2025 के सत्र को यादगार बना दिया। फाइनल में, उन्होंने जापान के यूशी तनाका को सीधे गेमों में 21-15, 21-11 से हराया और यह मैच सिर्फ 38 मिनट में जीत लिया। थकाऊ सेमीफ़ाइनल के बाद भी उन्होंने फ़ाइनल में शानदार लय दिखाई यह 2025 में उनका पहला महत्वपूर्ण खिताब था। आल इंग्लैंड बैडमिंटन खिताब के लिए भारत का 25 साल का इंतजार खत्म नहीं हुआ। लक्ष्य सेन ने पूरी मेहनत की, लेकिन पुरुष एकल फाइनल में रविवार को चीनी ताइपै के लिन चुन यी से हार गए। चार साल पहले उपविजेता रहे लक्ष्य दूसरी बार आल इंग्लैंड फाइनल खेल रहे थे।

भारतीय बैडमिंटन के पोस्टरबॉय लक्ष्य सेन ने शानदार बेखौफ प्रदर्शन किया और ऑल इंग्लैंड ओपन बैडमिंटन चैंपियनशिप में अनेक महत्वपूर्ण उलटफेर दर्ज कराते हुये विजय मंच के मुहाने पर पहुँच गए थे। लेकिन फाइनल में चीनी ताइपे के लिन चुन-यी से21-15, 22-20 से हार गए। फाइनल तक पहुंचने से पहले लक्ष्य सेन ने कोर्ट पर पांच घंटे से ज्यादा समय बिताया था। फाइनल में उन्होंने 57 मिनट तक तेज और फुर्तीले लिन के खिलाफ कड़ी टक्कर दी, लेकिन अंत में उन्हें हार का सामना करना पड़ा।

लक्ष्य सेन ऑल इंग्लैंड ओपन सफर शानदार रहा है, जिसमें उन्होंने 2022 और 2026 में फाइनल तक का सफर तय किया, हालांकि दोनों बार उन्हें उपविजेता के रूप में संतोष करना पड़ा। ऑल इंग्लैंड ओपन 2026 में सफर - टूर्नामेंट की शुरुआत में उन्होंने विश्व के नंबर 1 शटलर शीयुकी को भी शिकस्त दी थी, जो उनके आत्मविश्वास के लिए एक बड़ी जीत थी। क्वार्टर फाइनल में, लक्ष्य ने एशियाई खेलों के चैंपियन और पूर्व ऑल इंग्लैंड विजेता छठे विश्व क्रम के ली शिफेंग को सीधे सेटों में 21-13, 21-16 से हराया। सेमीफाइनल में उन्होंने कनाडा के विक्टर लाई को 21-16, 18-21, 21-15 से 97 मिनट के मैराथन मुकाबले में हराकर फाइनल में जगह बनाई। फाइनल लक्ष्य सेन 2026 ऑल इंग्लैंड के फाइनल में चीनी ताइपे के लिन चुन-यी से सीधे गेमों में15-21, 20-22 से हार गए। यह एक कड़ा मुकाबला था, जिसमें लक्ष्य ने क्रैम्प और पैरो में चोट बावजूद संघर्ष किया।

2025 में भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन का प्रदर्शन उतार-चढ़ाव भरा रहा। लक्ष्य सेन ने 2025 में10 शुरुआती दौर से बाहर होने जैसे निराशाजनक दौर से गुजरने के बाद , अंत में खिताब जीतकर खुद को साबित किया। उन्होंने वर्ष के अंत में शानदार वापसी करते हुए एक बड़ा खिताब अपने नाम किया। कुमामोटो मास्टर्स जापान 2025 टूर्नामेंट में, लक्ष्य सेन सेमीफाइनल तक पहुंचे थे, जहाँ उन्हें हार का सामना करना पड़ा। उन्होंने ऑल इंग्लैंड ओपन 2025 में भी भाग लिया, जहाँ उन्होंने कुछ अच्छे मैच खेले, जिसमें जोनाथन क्रिस्टी पर जीत भी शामिल थी। वर्ष का समापन साल के अंत में खिताबी जीत से किया। नवंबर 2025 में, लक्ष्य सेन ने ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब जीतकर 2025 के सत्र को यादगार बना दिया। फाइनल में, उन्होंने जापान के यूशी तनाका को सीधे गेमों में 21-15, 21-11 से हराया और यह मैच सिर्फ 38 मिनट में जीत लिया। थकाऊ सेमीफ़ाइनल के बाद भी उन्होंने फ़ाइनल में शानदार लय दिखाई यह 2025 में उनका पहला महत्वपूर्ण खिताब था।

आल इंग्लैंड बैडमिंटन खिताब के लिए भारत का 25 साल का इंतजार खत्म नहीं हुआ। लक्ष्य सेन ने पूरी मेहनत की, लेकिन पुरुष एकल फाइनल में रविवार को चीनी ताइपै के लिन चुन यी से हार गए। चार साल पहले उपविजेता रहे लक्ष्य दूसरी बार आल इंग्लैंड फाइनल खेल रहे थे। अलमोड़ा के 24 साल के इस खिलाड़ी को 57 मिनट तक चले मैच में 15-21, 20-22 से हार का सामना करना पड़ा। भारत के लिए प्रकाश पादुकोण 1980 में और पुलेला गोपीचंद 2001 में ऑल इंग्लैंड पुरूष खिताब जीत पाए हैं। प्रकाशनाथ (1947) और साइना नेहवाल (2015) भी जीत के करीब पहुंचे थे, लेकिन उपविजेता रहे।

2025 में भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन का प्रदर्शन उतार-चढ़ाव भरा रहा। लक्ष्य सेन ने 2025 में 10 शुरुआती दौर से बाहर होने जैसे निराशाजनक दौर से गुजरने के बाद, अंत में खिताब जीतकर खुद को साबित किया। उन्होंने वर्ष के अंत में शानदार वापसी करते हुए एक बड़ा खिताब अपने नाम किया। लक्ष्य सेन की विलक्षण प्रतिभा छोटी उम्र से ही देखने मिल गई जब उन्होंने अपने गुरु प्रकाश पादुकोण को पीछे छोड़ दिया और 2016 में15 साल की उम्र में भारतीय राष्ट्रीय पुरुष सिंगल्स फाइनल में पहुंचने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बने. लक्ष्य जूनियर्स में विश्व नंबर 1 की रैंक भी हासिल कर चुके थे। मौजूदा समय में वे बैडमिंटन सर्किट के सर्वश्रेष्ठ युवा खिलाड़ियों में से एक हैं। 2022 उनके लिए खास रहा जब लक्ष्य ने इंडियन ओपन जीता, भारत को एक ऐतिहासिक थॉमस कप जीत में मदद की, राष्ट्रमंडल खेलों में पुरुषों के सिंगल्स में स्वर्ण जीता, और पुरुषों के सिंगल्स -10 में जगह बनाई।पिछले कुछ वर्षों में भारतीय शटलर तकनीकी रूप से भी विकसित हुआ है। अपनी आक्रामक प्रवृत्ति, और शक्तिशाली स्मैश के लिए जाने जाने वाले लक्ष्य ने अपने डिफेंस और नेट ड्रिबल पर काम किया है। वे एक बेहतर ऑल-कोर्ट खिलाड़ी बन गए हैं।

खस्ताहाल 20 साल पुराने मर्चुरी की जगह बनेगा नया भवन

● दो अतिरिक्त फ्रीजर बढ़ जाएंगे, छह शव रखे जा सकेंगे

बैतूल। जिला अस्पताल में जल्द ही एक आधुनिक मर्चुरी भवन बनाया जाएगा। क्षेत्रीय विधायक हेमंत खंडेलवाल ने खस्ताहाल मर्चुरी को देखकर नए भवन बनाने के निर्देश दिए। बता दें अस्पताल परिसर में मौजूदा मर्चुरी भवन करीब 20 साल पुराना है और अब जर्जर हालत में है। दीवारों का प्लास्टर झड़ रहा है और कई जगह दरारें भी आ गई हैं। इसके कारण यहां काम करने वाले कर्मचारियों और शव लेकर आने वाले परिजनों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। अस्पताल में फिलहाल दो फ्रीजर उपलब्ध हैं, जिनमें कुल चार शव रखने की क्षमता है। जबकि जिला अस्पताल में हर महीने औसतन करीब 50 पोस्टमार्ट्म किए जाते हैं। कई बार एक ही दिन में पांच से छह पोस्टमार्टम तक हो जाते हैं, जिससे शवों को सुरक्षित रखने की व्यवस्था पर दबाव बढ़ जाता है। ऐसे में प्रस्तावित नई मर्चुरी में मौजूदा सुविधाओं का विस्तार किया जाएगा। वर्तमान दो फ्रीजर के अलावा एक और बड़ा फ्रीजर लगाया जाएगा, जिससे कुल दो अतिरिक्त फ्रीजर बढ़ जाएंगे और शव रखने की क्षमता बढक़र छह तक हो जाएगी। नई मर्चुरी में शवों के संरक्षण के लिए बेहतर कोल्ड स्टोरेज, सुरक्षित पोस्टमार्ट्म कक्ष और कर्मचारियों के लिए आधुनिक कार्यस्थल की व्यवस्था भी की जाएगी। अस्पताल सूत्रों के अनुसार प्रस्तावित मर्चुरी भवन वर्तमान भवन के पास खाली पड़ी जमीन पर बनाया जा सकता है। इससे डॉक्टरों और फॉरेंसिक टीम को पोस्टमार्टम कार्य में सुविधा होगी। नई व्यवस्था लागू होने से पोस्टमार्ट्म प्रक्रिया अधिक व्यवस्थित और सुरक्षित हो सकेगी, साथ ही शवों के संरक्षण की बेहतर व्यवस्था भी उपलब्ध होगी। बताया जा रहा है कि प्रस्तावित मर्चुरी भवन की लागत लगभग 40 लाख रूपये आएगी। फिलहाल इसका आकलन किया जा रहा है। जिसका जल्द ही स्टीमेट बनाया जाएगा। इसके। लिए विधायक अपनी निधि से आवश्यक राशि उपलब्ध कराएंगे जबकि शेष राशि रोगी कल्याण समिति मद से खर्च होगी।

इनका कहना है - मर्चुरी के एस्टीमेट तैयार कराया जा रहा है और लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन यंत्री को पत्र भेजा गया है। इस प्रस्ताव को साधारण सभा की बैठक में भी रखा जाएगा। निर्माण के लिए राशि रोगी कल्याण समिति और विधायक निधि से उपलब्ध कराई जाएगी।

-डॉ. जगदीश घोरे, सिविल सर्जन, जिला अस्पताल, बैतूल

जिला आयुर्वेद चिकित्सालय में निःशुल्क पंचकर्म शिविर शुरू

● एक माह तक चलेगा शिविर, नगरवासियों से अधिक से अधिक लाभ लेने की अपील

बैतूल। आयुष विभाग अंतर्गत शासकीय जिला आयुर्वेद चिकित्सालय टिकारी और आयुष विंग मुख्य जिला चिकित्सालय बैतूल में बुधवार 11 मार्च से निःशुल्क पंचकर्म चिकित्सा शिविर का शुभारंभ किया गया। शिविर का उद्घाटन जनप्रतिनिधियों एवं नगर के गणमान्य लोगों की उपस्थिति में किया गया, जिसमें नगर पालिका बैतूल के सभापति राजेश पानकर और देशबंधु वार्ड की पार्षद वर्षा बारस्कर विशेष रूप से उपस्थित रहीं। जिला आयुष अधिकारी डॉ. योगेश चौकीकर ने बताया कि यह शिविर लगातार एक माह तक संचालित किया जाएगा। इसके लिए शहर में व्यापक प्रचार-प्रसार भी किया जा रहा है ताकि अधिक से अधिक नगरवासी इसका लाभ ले सकें। उन्होंने बताया कि शिविर में वात विकार, जोड़ों के दर्द, त्वचा संबंधी रोग और पेट से जुड़ी बीमारियों का पंचकर्म पद्धति से निशुल्क उपचार किया जाएगा। आयुष विभाग ने सभी गणमान्य नागरिकों से अपील की है कि वे अधिक संख्या में पहुंचकर शिविर का लाभ उठाएं।

जनगणना कार्य निर्देशक श्री कार्तिकेया गोयल ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधित किया

सोहागपुर । जनगणना 2027 के प्रथम चरण की तैयारियों को लेकर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग आयोजित की गई। जिसमें जनगणना से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की गई तथा सभी कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग को निदेशक जनगणना कार्य निदेशालय मध्यप्रदेश के कार्तिकेया गोयल, नेशनल ट्रेनर श्री रामावतार पटेल तथा संयुक्त निदेशक एवं नेशनल ट्रेनर श्री नमित यादव आदि ने संबोधित किया। इस दौरान जनगणना 2027 के प्रथम चरण के अंतर्गत मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना से संबंधित कार्यों की समय-सीमा पर विस्तार से चर्चा की गई। अधिकारियों ने विशेष रूप से जनगणना 2027 के लिए विकसित डिजिटल टूल CMMS पोर्टल के माध्यम से सभी कार्यों को समय-सीमा में पूर्ण करने के लिए कहा गया। इसके साथ ही जिलों में आयोजित की जाने वाली आगामी प्रशिक्षण (ट्रेनिंग) कार्यक्रमों के संबंध में भी जानकारी दी गई।इस वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के अवसर पर कलेक्टर नर्मदापुरम सुश्री सोनिया मीना, अपर कलेक्टर श्री अनिल जैन, जिले के समस्त संबंधित अधिकारी उपस्थित थे

नगरपालिका अमला राजस्व वसूली को लेकर गंभीर नहीं

120 रुपये प्रतिमाह जलकर, फिर भी नहीं चुका रहे लोग

बैतूल। वित्तीय वर्ष की समाप्ति को अब महज कुछ ही दिन शेष है, लेकिन करों की वसूली को लेकर नगरपालिका के राजस्व अमले की रफ्तार धीमी है। यहां तक की लोगों ने जलकर तक जमा नहीं किया है। लोगों पर जलकर का करीब 2 करोड़ 47 लाख , 84 हजार 522 रुपये बकाया है, जबकि नगरपालिका ने मात्र 1 करोड़ 15 लाख 99 हजार 98 रुपये ही वसूल किया है। दरअसल नगरपालिका के रिकार्डो में 13500 लोगों ने नल कनेक्शन ले रखे है। जिनसे नगरपालिका जलकर के रूप में 120 रुपये आवासीय और 600 रुपये प्रतिमाह टैक्स लेती है। लेकिन लोग जलकर का टैक्स समय पर जमा नहीं कर रहे है। नगरपालिका का राजस्व अमला भी करों की वसूली के लिए सख्त नहीं है। जलकर का भुगतान न करने वालों के नल कनेक्शन काटे जा रहे है और न ही सख्त कार्यवाही की जा रही है। जिससे लोग भी जलकर भुगतान को लेकर लापरवाह बने हुए है। यहीं वजह है कि नगरपालिका आर्थिक संकट से जूझ रही है। जिसका असर शहर के विकास पर पड़ रहा है।

जलकर का 31 फीसदी ही वसूल पाई नपा - नगरपालिका क्षेत्र अंतर्गत 13500 नल कनेक्शन है। नल कनेक्शनधारियों से नगरपालिका प्रतिमाह 120 रुपये आवासीय और 600 रुपये व्यावसायिक जलकर के रूप में टैक्स लेती है। नपा सूत्रों की माने तो नगरपालिका को जलकर के ही कुल 3 करोड़ 63 लाख, 83 हजार 621 रुपये की वसूली करना है, जिसमें से नपा राजस्व विभाग ने अब तक मात्र 31 88 फीसदी यानि 1 करोड़ 15 लाख 99 हजार 98 रुपये की वसूली की है। अभी नगरपालिका को कुल 2 करोड 47 लाख 84 हजार 522 रुपये की राशि वसूलना बाकी है।

संपत्ति कर की 50 फीसदी से अधिक वसूली - संपत्ति कर की वसूली को लेकर नगरपालिका के राजस्व विभाग की स्थिति थोड़ी ठीक है। राजस्व विभाग द्वारा संपत्ति कर की 50 फीसदी से अधिक वसूल कर ली है। बताया गया कि नगरपालिका क्षेत्र में 20665 मकान है, जिनसे नपा संपत्ति कर वसूलती है। संपत्ति कर का नगरपालिका करीब 58.79 फीसदी ही टैक्स वसूली कर ली है। अभी तक नगरपालिका के राजस्व अमले ने 2 करोड़ 40 लाख 35 हजार 644 रुपये वसूल कर लिये है। अभी भी नपा को संपत्ति कर का शत प्रतिशत वसूल करने के लिए 41 फीसदी यानि 1,68,47,796 रुपये वसूली करना बाकी है। नपा की कर वसूली की रफ्तार इसी तरह रही तो शायद ही नगरपालिका संपत्ति कर की शत-प्रतिशत वसूली कर पायेगी।

अन्य कामों से पिछड़ रहा वसूली का काम -बताया जा रहा है कि राजस्व अमले के पीछे राजस्व वसूली के अलावा कई अन्य काम भी सौंपे जा रहे हैं। इस वजह राजस्व वसूली का काम पिछड़ते आ रहा है। दरअसल राजस्व अमले को वसूली के काम के अलावा फिलहाल जनगणना के तहत मकानों के सूचीकरण का कार्य सौंपा है। इसके पहले नपा के सहायक राजस्व निरीक्षक एसआईआर सर्वे में लगे थे। साथ ही शहर से अतिक्रमण हटाने की जिम्मेदारी भी सौंपी जाती है। यह काम भी वर्ष भर चलते रहता है। यही कारण है कि राजस्व वसूली की रफ्तार पिछड़ जाती है। राजस्व निरीक्षकों के पीछे अधिक काम होने से राजस्व वसूली पिछड़ रही है।

राजस्व अमला भी अलर्ट नहीं - नपा के पास राजस्व अमले की टीम मौजूद है। यह टीम विभिन्न टैक्स की वसूली के लिए काम करती है, लेकिन वित्तीय वर्ष समाप्ति के अंतिम दो माह में राजस्व वसूली में तेजी लाती है। इसी वजह शत प्रतिशत वसूली का काम हमेशा पिछड़ जाता है। भले ही राजस्व अमले को वित्तीय वर्ष समाप्ति के पहले शत प्रतिशत वसूली का लक्ष्य दिया, लेकिन राजस्व अमला चाहकर भी लक्ष्य पूरा नहीं कर पा रहा है। यही वजह है कि वसूली की रफ्तार अक्सर 70 से 80 प्रतिशत ही हो पाती है। जिसका असर नगरपालिका की आर्थिक स्थिति पर पड़ता है।

इनका कहना है - राजस्व वसूली वर्षभर चलती है। फरवरी और मार्च माह में लक्ष्य को शत प्रतिशत पूरा करने का प्रयास किया जाता है। अभी 14 मार्च को लोक अदालत का आयोजन है, जिसमें राजस्व प्रकरण रखकर अधिक से अधिक वसूली का लक्ष्य रखा गया है।

- ब्रजगोपाल परते, वरिष्ठ राजस्व निरीक्षक, नपा बैतूल

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष को पुत्री शोक, पंचतत्व में विलीन हुई सुरभि खंडेलवाल

बैतूल। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं बैतूल विधायक हेमंत खण्डेलवाल एवं आरडी पब्लिक स्कूल की डायरेक्टर श्रीमती रितु खंडेलवाल की पुत्री सुरभि खण्डेलवाल (30 वर्ष) का बुधवार को हृदय गति रुकने से निधन हो गया। वे कुछ समय से अस्वस्थ चल रही थीं। सुरभि के निधन का समाचार मिलते ही शोक संवेदनाएं व्यक्त करने वालों का श्री खंडेलवाल के निवास पर तांता लगना प्रारंभ हो गया था। अंतिम यात्रा उनके सिविल लाइन्स बैतूल स्थित निज निवास चंद्रमौली से निकाली गई। अंतिम संस्कार कोठीबाजार स्थित मोक्षधाम में किया गया। मुखाग्नि सुरभि के भाई वरद खण्डेलवाल ने दी। भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल ने सोशल मीडिया पर खंडेलवाल की बेटी के निधन की जानकारी शेयर की। उन्होंने बताया कि वे एक स्पेशल चाइल्ड थीं, जो लंबे समय से बीमार थीं। बुधवार सुबह करीब 11.30 बजे उनकी रूटीन फिजियोथेरेपी हुई थी। इसके कुछ देर बाद ही उनकी तबीयत बिगड़ गई। दोपहर करीब 12.00 बजे जान चली गई। बेटी के निधन की खबर मिलते ही हेमंत खंडेलवाल भोपाल से बैतूल पहुंचे। उनके बैतूल पहुंचने पर अंतिम यात्रा मोक्षधाम के लिए निकाली गई। सुरभि का कोठीबाजार मोक्षधाम में अंतिम संस्कार किया गया। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने सोशल मीडिया एक्स पर शोक जताया है। सुरभि खंडेलवाल का बीमारी के कारण निधन अत्यंत पीड़ादायक है। मेरी संवेदनाएं शोकाकुल परिजनों के साथ हैं। उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। आचार्य विवेक जैन ने बताया कि वे सुरभि खंडेलवाल को काफी समय से एक्यूपंक्चर और नेचुरोपैथी दे रहे थे। सुरभि के शरीर में लगातार अकडऩ रहती थी, जिसका इलाज नेचुरोपैथी और एक्यूप्रेशर से किया गया। इलाज के बाद उनकी हालत में कुछ सुधार भी हुआ था। वे चलने-फिरने लगी थीं। उन्होंने बताया कि सुरभि बोल नहीं पाती थीं, लेकिन हाव-भाव से काफी समझदार और होश में थीं। आज फिर से उनकी एक्यूप्रेशर थेरेपी हुई। इलाज के बाद वे हंसीं और वहां मौजूद लोगों से इशारों में बातचीत की। थोड़ी देर बाद खाना खाया, फिर अचानक हार्ट अटैक आ गया, जिससे उनका निधन हो गया। सुरभि खंडेलवाल के निधन पर जिले के गणमान्य नागरिकों, जनप्रतिनिधियों, राजनेताओं, अधिवक्ताओं, पत्रकारों, चिकित्सकों, सामाजिक बंधुओं, ईष्टमित्रों, शुभचिंतकों ने शोक व्यक्त किया है।

नाबालिग बालिका के साथ दुष्कर्म करने वाला आरोपी गिरफ्तार

बैतूल। नाबालिग बालिका को बहला-फुसला कर ले जाने और उसके साथ दुष्कर्म करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। थाना बैतूल बाजार पुलिस को सूचना मिली थी कि एक नाबालिग बालिका को कोई अज्ञात व्यक्ति बहला फुसलाकर कर ले गया है। मामले की गंभीरता से लेते हुए थाना बैतूल बाजार में धारा 137(2) बीएनएस पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुये तत्काल थाना प्रभारी द्वारा टीम लेकर संभावित स्थानो पर नाबालिग बालिका की तलाश की गई जो उसी दिन ससुन्द्रा जोड हाईवे से नाबालिग बालिका को दस्तयाब किया गया। बालिका द्वारा बताया गया कि उसे उमनपेठ निवासी ओमप्रकाष धुर्वे बहला-फुसलाकर ले गया था। जिसने उसके साथ दुष्कर्म भी किया। पुलिस ने नाबालिग के बयान पर प्रकरण में धारा इजाफा किया। घटना दिनांक से ही आरोपी ओमप्रकाश धुर्वे निवासी उमनपेठ की तलाश जारी थी। 10 मार्च को सुबह 8.00 बजे मुखबिर सूचना मिली की आरोपी उसके घर ग्राम उमनपेठ आया है। पुलिस ने बिना समय गवायें तत्काल मौके पर पहुंच कर आरोपी को गिरफ्तार किया। जिसे न्यायालय पेश किया गया। उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी बैतूल बाजार निरीक्षक अंजना धुर्वे, उपनिरीक्षक रश्मि ठाकुर, आरक्षक नितिन चौहान, आरक्षक अनिरुद्ध यादव, महिला आरक्षक अंकिता शर्मा, आरक्षक माखनपाल थाना बैतूल बाजार , प्रधान आरक्षक राजकुमार, आरक्षक विनोद साहू सैनिक मुंशीलाल थाना साईखेड़ा की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

नाबालिग को दस्तयाब कर परिजनों को किया सुपुर्द

बैतूल। नाबालिग बालिका को बहला-फुसलाकर ले जाने के मामले में मुलताई पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए बालिका को सकुशल दस्तयाब किया। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार 8 मार्च को फरियादिया ने थाना मुलताई में उपस्थित होकर रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि 6 मार्च को सुबह लगभग 10 बजे उसकी नाबालिग बालिका को कोई अज्ञात व्यक्ति बहला-फुसलाकर अपने साथ कहीं ले गया है। रिपोर्ट पर धारा 137(2) भारतीय न्याय संहिता के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। पुलिस द्वारा लगातार तलाश की गई तथा मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया गया। लगातार प्रयासों के फलस्वरूप सूचना के आधार पर 10 मार्च को ग्राम प्रभात पट्टन क्षेत्र से नाबालिग बालिका को सकुशल दस्तयाब कर परिजनों के सुपुर्द किया गया।

चरमराई सोहागपुर नपा की सफाई व्यवस्था, पानी की किल्लत त्राहि-त्राहि, वकील कार्तिक ने घर घर पहुंचाई पानी की केन

सोहागपुर । जब से नवीन नगर पंचायत परिषद चुनकर आई है।तभी से सोहागपुर नगर की वर्षों से चली आ रही सफाई व्यवस्था एवं जल प्रदाय की समस्याएं मुंह बाएं खड़ी रहती है। ऐसा प्रतीत होता है कि नगर पंचायत परिषद पर किसी का नियंत्रण नहीं है। सत्ता धारी पार्टी पार्षद को छोड़ दें। लेकिन विपक्षी पार्षद के सोशल मीडिया पर अपनी भड़ास निकालते रहते हैं। होना तो यह चाहिए कि उनको ऐसे आवश्यकता सफाई व्यवस्था,जल प्रदाय, विद्युत व्यवस्था के अलावा नगर पंचायत के उन स्थानों पर जहां अधिकांश आवागमन होता वहां के गड्ढों जैसे अति आवश्यक स्टेंट बैंक सामने मुकेश मालवीय काम्प्लेक्स के रास्ते सबसे ज्यादा आवागमन होता है यहां आए दिन दो पहिया वाहन सिलस हो जाते हैं। लेकिन नगर पंचायत के कर्मचारियों ने एक लाज के आने जाने वाले रास्ते बहुत ही अच्छा रास्ता बना डाला। स्टेट बैंक ठीक सामने एक गोलाकार गड्ढा है । उसको भी नजर अंदाज कर दिया गया। नगरपालिका अधिकारी युवा है। उसको नगर भ्रमण करके ऐसे बिलेक स्पाटों का ध्यान देना चाहिए। वहीं नगर की सफाई व्यवस्था चरमरा गई है।इधर अंबेडकर वार्ड के बेचारे पूर्व पार्षद मोहन कहार की पत्नी ने नगर पंचायत अध्यक्ष का चुनाव लड़ा जिसमें अनियमितता के कारण उन्होंने न्यायालय में याचिका दायर की हुई है।तभी उनके वार्ड के वासियों के अन्याय किया जाता रहा है।कभी अतिक्रमण। में,कभी सफाई का अभाव कभी नालियों से बाहर निकलता सड़क पर गंदा पानी। पूर्व पार्षद मोहन कहार ने आज एक सफाई वाहन के कर्मचारियों का वीडियो डाला है।इस पर कलेक्टर को संज्ञान लेना चाहिए कि आखिर अंबेडकर वार्ड से पार्षद से अलर्जी हो सकती है। लेकिन वार्डवासियों से खुन्नस क्यों है। इधर शास्त्री वार्ड पंजाब बैंक के पीछे डाक्टर डहरिया जी वाली लाइन में 3,4मकानों में नलों से दो दिन से पानी नहीं आ रहा है। माता पुरा पार्षद भास्कर मांझी ने भी सोशल मीडिया पर लिखा है कि मातापुरा वार्ड मे अंदर गलियों मे निवासरत लोगो द्वारा स्वयं गलियों की सफाई करके कचरा को जलाने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है क्योंकि बीते 5 दिनों मे सिर्फ कल दोपहर से गाड़ी आ रही है। वो भी सिर्फ वार्ड के मुख्य मार्गो मे चल रही है। कमलेश मालवीय मारूपुरा ने लिखा है कि रामप्रसाद वार्ड में 2 दिन से नर्मदा जल नहीं आ रहे हैं और विगत 3 माह से नगर पालिका के नल भी बंद पडे है मोहल्ला वासी परेशान है क्या करे किससे कहें। इधर वकील एवं कांग्रेस नेता कार्तिक शर्मा ने पीने के पानी की किल्लत के कारण मिनी चार पाहिया वाहन से फिल्टर पानी की केन घर घर दी हैं। इधर पता चला है कि वार्डों के अन्दर ट्रालियों से सफाई व्यवस्था की जाती है।लेकिन ट्रालियों के चक्के ही छतिग्रस्त है। उनका सुधार ने के लिए नगर में ही बीसियों दुकान हैं। लेकिन इच्छा शक्ति का अभाव है। पूर्व नपाध्यक्ष भी अपनी जिम्मेदारी से बच नहीं सकते आखिर नगर पंचायत परिषद की अनियमितता पर आंखें मूंदकर क्यों बैठे हैं। अंत में सब्जी मंडी में तत्कालीन नपाध्यक्ष अभिलाष सिंह चंदेल ने हार्किंग जो बनवाया था। जिससे नागरिकों को राहत दी।फिर उनको तोड़कर बनने वाली सब्जी मंडी कागजों में दफन हो गई।आज सब्जी मंडी अस्त-व्यस्त हो चुकीं है।

जिले में प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों को नहीं मिला वेतन

सोहागपुर । राज्य शिक्षक संघ जिला अध्यक्ष उमेश ठाकुर ने आरोप लगाया है कि जिले में शिक्षकों को वेतन नहीं मिला। इससे शिक्षकों की होली, रंगपंचमी बेरंग रही। इससे बनखेड़ी, सोहागपुर, माखननगर, शिवनी मालवा, केसला आदि के शिक्षकों के परिवारों में उदासी छाई रही। अभी तक प्राथमिक शिक्षकों का वेतन आज दिनांक तक नहीं मिला है। इसउल्लेखनीय है कि शासन के निर्देशानुसार प्रतिमाह वेतन करने के आदेश है ।परन्तु, आज दिनांक 11 मार्च 26 तक शिक्षकों को नहीं वेतन प्राप्त नही हुआ है । जिम्मेदार अधिकारी अपना पल्लू झाड़ते आ रहे हैं।

बंद पड़ी नल-जल योजना से घोघरा में पेयजल संकट

चार साल से अटकी योजना, ग्रामीणों को नहीं मिल रहा शुद्ध पानी

बैतूल। विकासखंड भीमपुर के अंतर्गत ग्राम पंचायत चोहटा पोपटी के ग्राम घोघरा में सरकार की महत्वपूर्ण नल जल योजना पिछले चार साल से शुरू नहीं हो सकी है। ठेकेदार और लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की लापरवाही के कारण ग्रामीणों को आज तक शुद्ध पेयजल का लाभ नहीं मिल पाया है। जबकि सरकार की यह प्रमुख योजना हर घर तक शुद्ध पेयजल पहुंचाने के उद्देश्य से शुरू की गई थी और जिला प्रशासन भी इसकी समय-समय पर समीक्षा कर सख्त निर्देश देता रहा है, इसके बावजूद जमीनी स्तर पर योजना ठप पड़ी हुई है। ग्रामीणों और ग्राम पंचायत द्वारा कई बार ठेकेदार से संपर्क किया गया, लेकिन हर बार अलग-अलग बहाने बनाकर काम टाल दिया गया। कभी बिजली विभाग द्वारा कनेक्शन चालू नहीं किए जाने का हवाला दिया जाता है तो कभी अन्य कारण बताकर ग्रामीणों और पंचायत प्रतिनिधियों को गुमराह किया जाता है। इसी कारण ग्रामीण क्षेत्रों में सरकार की योजनाओं का लाभ समय पर नहीं पहुंच पा रहा है। ग्राम घोघरा की स्थिति यह है कि योजना के तहत बोर में ट्यूबवेल डाला जा चुका है, पाइपलाइन का कार्य भी पूरा हो चुका है और संपवेल भी बनकर तैयार है, इसके बावजूद आज तक योजना चालू नहीं की गई। परिणामस्वरूप गांव के लोगों को मजबूरी में कूआ, बावड़ी और नदी जैसे स्रोतों से पानी पीना पड़ रहा है, जिससे बीमारियों का खतरा भी बढ़ रहा है। गर्मी का मौसम शुरू होते ही गांव में पेयजल की समस्या और गंभीर हो गई है। कई ग्रामीण अपने निजी साधनों से ताप्ती नदी से पानी लाकर घर की जरूरतें पूरी कर रहे हैं। ग्राम पंचायत चोहटा पोपटी के सरपंच रामकिशोर धुर्वे ने बताया कि उन्होंने कई बार ठेकेदार को फोन कर योजना चालू करने के लिए कहा, लेकिन हर बार एक-दो दिन में चालू करने का आश्वासन देकर बात टाल दी जाती है। सरपंच द्वारा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग से भी संपर्क किया गया, लेकिन वहां भी ठेकेदार का हवाला देकर या बिजली कंपनी से परमिट और आदेश नहीं मिलने की बात कहकर मामला टाल दिया जाता है। इस स्थिति से साफ है कि कहीं न कहीं सरकार के आदेशों की अनदेखी की जा रही है, जिसका खामियाजा ग्रामीणों को भुगतना पड़ रहा है।

स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी, कर्मचारियों को हेलमेट लगाने के निर्देश

बैतूल। कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने सभी शासकीय अधिकारियों और कर्मचारियों को 15 मार्च से दो पहिया वाहन चलाते समय हेलमेट का अनिवार्य रूप से पालन करने के कड़े निर्देश दिए है। इसी के तहत मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मनोज कुमार हुरमाड़े ने स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत अधीनस्थ समस्त अधिकारियों, कर्मचारियों, स्टॉफ को निर्देश जारी किए है कि कार्यालय के आगमन एवं प्रस्थान के समय दो पहिया वाहन चलाते समय हेलमेट अनिवार्य रूप से लगाएं। कोई भी अधिकारी, कर्मचारी 15 मार्च से निर्देशों का पालन नहीं करता है, तो उनके विरूद्ध नियमानुसार कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर जिला स्तरीय सम्मान समारोह आयोजित

नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में जिला पंचायत के सभाकक्ष में एक भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट सेवाएँ देने वाली महिला अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक प्रतिनिधि श्रीमती सीमा तिवारी उपस्थित रहीं। महिला एवं बाल विकास विभाग की संयुक्त संचालक श्रीमती तृप्ति त्रिपाठी ने महिला सशक्तिकरण पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अधिकारी श्री अभय सिंह ने महिलाओं से संबंधित कानूनी नियमों और विभाग द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। इस अवसर पर मुख्य रूप से श्रीमती प्रीति यादव (परियोजना अधिकारी, महिला बाल विकास शहरी), श्रीमती निराली आर्य (वरिष्ठ कृषि विस्तार अधिकारी), श्रीमती राखी चौरे (परियोजना अधिकारी, शिक्षा विभाग), डॉ. हर्षा चचाने, डॉ. संगीता अहिरवार, डॉ. कंचन ठाकुर, डॉ. रागिनी सिकरवार (प्राध्यापक, गृह विज्ञान महाविद्यालय), सुश्री नीलोफर बी और सुश्री अफरोज खान सहित अन्य प्रतिभागी एवं विभागीय कर्मचारी उपस्थित रहे।

ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति क्षमता वृद्धि प्रशिक्षण का आयोजन

विदिशा (निप्र)। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति क्षमता वृद्धि प्रशिक्षण आयोजन सेक्टर देवपुर मैं नवांकुर संस्था कचनारिया ग्राम विकास शिक्षण समिति सिरोंज द्वारा ग्राम झंडवा में आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि श्री महेंद्र सिंह दांगी एवं (मार्केटिंग सोसायटी के पूर्व जिला उपाध्यक्ष) द्वारा कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम में विकासखंड समन्वयक चरण सिंह दांगी एवं नवांकुर संस्था प्रभारी रामचरण कुर्मी एवं समिति सदस्य ग्राम खना खेड़ी ग्राम सब्दलपुर, पिपलिया ग्राम झंडवा ग्राम जैतपुर ग्राम अबुआधाना द्वारा सहभागिता की गई। कार्यक्रम का परिचय जन अभियान की अवधारणा विकासखंड समन्वयक चरण सिंह दांगी द्वारा रखा गया। कार्यक्रम दस्तावेजीकरण एवं नेतृत्व विकास के सत्र आयोजित किए गए जिसमें कार्यक्रम का आभार नवांकुर संस्था प्रभारी द्वारा किया गया कार्यक्रम के समापन अवसर पर प्रमाण पत्र का वितरण किया गया।

सोहागपुर विधायक की अनुशंसा पर 1 निर्माण कार्य हेतु

नर्मदापुरम (निप्र)। सोहागपुर विधायक श्री विजय पाल सिंह की अनुशंसा पर कलेक्टार सुश्री सोनिया मीना द्वारा विधायक निधि से माखननगर में 1 निर्माण कार्यो के लिए 1 लाख 7 हजार 750 रूपये की प्रशासकीय स्वीाकृति जारी की गई है। जिला योजना एवं सांख्यिकी कार्यालय से प्राप्ति जानकारी के अनुसार सोहागपुर विधायक श्री विजय पाल सिंह की अनुशंसा पर ग्राम खारदा विकासखंड माखननगर में भीलटबाबा के पास टीन शेड निर्माण कार्य के लिए 1 लाख 7 हजार 750 रूपये की राशि प्रशासकीय स्वीाकृति प्रदान की गई है।

जल गंगा संवर्धन अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु अभी से कार्ययोजना बनाएं: कलेक्टर श्री विश्वकर्मा

रबी फसल उपार्जन हेतु सभी तैयारियां पूर्ण करने के दिए निर्देश टीएल बैठक में कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने विभागीय योजनाओं तथा सीएम हेल्पलाईन की समीक्षा कर दिए दिशा-निर्देश

रायसेन (निप्र)। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित टीएल बैठक में कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा द्वारा समय सीमा वाले विभागीय पत्रों, योजनाओं तथा सीएम हेल्पलाईन निराकरण की विस्तृत समीक्षा करते हुए अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक के प्रारंभ में कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने आगामी 19 मार्च से शुरू हो रहे जल गंगा संवर्धन अभियान के संबंध में अधिकारियों को कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश देते हुए कहा कि यह शासन का महत्वपूर्ण अभियान है। इसके सफल और प्रभावी क्रियान्वयन हेतु सभी अधिकारी अभी से तैयारियां प्रारंभ कर दें। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने सभी एसडीएम, जनपद सीईओ तथा सीएमओ से कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान में अधिक से अधिक नागरिकों की जनभागीदारी सुनिश्चित कराना है। नागरिकों को जल संरक्षण का महत्व बताते हुए अभियान से जोड़े। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि आगामी आगामी बैठक के पहले सभी कार्ययोजना तैयार कर लें। इसके साथ ही गत वर्ष अभियान के तहत शुरू किए गए कार्यों में अगर कुछ कार्य अपूर्ण रह गए हैं तो उन्हें आगामी 15 दिवस में पूर्ण कराने के लिए भी निर्देशित किया गया। राजस्व वसूली कार्य में तेजी लाने के दिए निर्देश बैठक में कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने सभी एसडीएम से तहसीलवार राजस्व वसूली की जानकारी लेते हुए कहा कि गैरतगंज, बेगमगंज, सिलवानी, उदयपुरा, देवरी तथा बरेली में राजस्व वसूली बेहद कम है। साथ ही अन्य तहसीलों में भी प्रगति संतोषजनक नहीं है। सभी एसडीएम और तहसीलदार प्राथमिकता से राजस्व वसूली कार्य में तेजी लाएं। उन्होंने राजस्व अधिकारियों को नामांतरण, सीमांकन तथा बंटवारा सहित अन्य राजस्व प्रकरणों का समयावधि में निराकरण सुनिश्चित कराने के भी निर्देश दिए। पेयजल संबंधी समस्याओं का किया जाए त्वरित समाधान कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने ग्रीष्म ऋतु में पेयजल संबंधी समस्याओं के त्वरित निराकरण हेतु की जा रही तैयारियों की ई-पीएचई से जानकारी लेते हुए कहा कि पेयजल समस्या की जानकारी प्राप्त होते ही त्वरित निराकरण किया जाए। उन्होंने सभी एसडीएम को भी विकासखण्ड सतर पर पेयजल समस्या संबंधी सूचनाओं के आदान-प्रदान हेतु कंट्रोल रूम स्थापित किए जाने तथा सुचारू संचालन के निर्देश दिए। नरवाई प्रबंधन के लिए किसानों को करें जागरूक कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने रबी उपार्जन हेतु की जा रही तैयारियों की समीक्षा करते हुए खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति, सहकारिता, कृषि विभाग के अधिकारियों से कहा कि उपार्जन कार्य आगामी 16 तारीख से प्रारंभ हो रहा है ! इसके दृष्टिगत सभी तैयारियां शीघ्र पूर्ण कर ली जाएं।

यह शासन का महत्वपूर्ण कार्य है। उन्होंने जिले में नरवाई जलाने की घटनाओं को रोकने हेतु नरवाई प्रबंधन पर चर्चा करते हुए अधिकारियों से कहा कि फसल कटाई का कार्य शुरू होने वाला है। किसानों संगठनों से चर्चा कर उन्हें नरवाई जलाने से होने वाले नुकसानों और नरवाई प्रबंधन के उपायों के बारे में बताएं। उन्होंने सभी एसडीएम को निर्देश दिए कि कोई भी हार्वेस्टर में स्ट्रा मैनेजमेंट सिस्टम का अनिवार्य रूप से उपयोग हो। इसके लिए हार्वेस्टर संचालकों की बैठक लेकर उन्हें समझाईश भी दी जाए। कृषि अधिकारी को जे-फार्म एप पर अधिक से अधिक पंजीयन कराने तथा विशेष रूप से कस्टम हायरिंग सेंटर में हैप्पी सीडर/सुपर सीडर का अनिवार्यतः पंजीयन कराने के लिए निर्देशित किया। इसी प्रकार ग्रीष्म ऋतु में जंगल में आग लगने की घटनाओं को रोकने के लिए भी वन विभाग के अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। एचपीवी टीकाकरण कार्य में तेजी लाने के दिए निर्देश स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा के दौरान कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने एचपीवी वैक्सीनेशन की प्रगति की विकासखण्डवार समीक्षा करते हुए 14 से 15 वर्ष की किशोरी बालिकाओं को टीका लगाया जाना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

इसके साथ ही सीडीआर, आयुष्मान कार्ड, टीबी मुक्त अभियान आदि की भी समीक्षा कर दिशा-निर्देश दिए। पंचायत विभाग की समीक्षा के दौरान उन्होंने पीएम आवास ग्रामीण, एक बगिया मॉ के नाम, मनरेगा, अटल ग्राम सेवा सदन पंचायत भवनों का निर्माण कार्य तथा सामुदायिक स्वच्छता परिसरों का निर्माण कार्य की प्रगति की समीक्षा करते हुए जनपद पंचायत सीईओ को दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने वृंदावन ग्राम योजना के तहत चिन्हित ग्रामों में आगामी पांच वर्ष में विकास कार्यो हेतु कार्ययोजना तैयार किए जाने की जानकारी लेते हुए कार्य शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। नवीन शिक्षा सत्र में ड्रापआउट बच्चों का प्रवेश सुनिश्चित कराएं स्कूल शिक्षा विभाग की समीक्षा के दौरान कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने जिला शिक्षा अधिकारी और डीपीसी से कहा कि एक अप्रैल से नया शिक्षण सत्र शुरू हो रहा है।

प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान शिविर में 531 गर्भवती महिलाओं की जांच, 254 हाई रिस्क मिली

बैतूल (निप्र)। गर्भावस्था से संबंधित जटिलताओं का पता लगाने और समय रहते उनका उपचार सुनिश्चित कर सुरक्षित प्रसव करवाने प्रतिमाह 9 एवं 25 तारीख को प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान का आयोजन किया जाता है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मनोज कुमार हुरमाड़े ने बताया कि जिले में 9 मार्च 2026 को आयोजित प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान शिविर में 531 गर्भवती महिलाओं की जाचं एवं 254 हाई रिस्क चिन्हित, 68 सोनोग्राफी की गईं। शिविर में सभी महिलाओं की खून की जांच एवं जीडीएम की जांच की गई। जिला चिकित्सालय बैतूल में आयोजित प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान शिविर में स्त्री रोग चिकित्सक डॉ. शिवानी इवने द्वारा 66 गर्भवती महिलाओं की चिकित्सकीय जांच की गई, जिसमें 20 गर्भवती महिलाओं को हाई रिस्क के रूप में चिन्हित किया गया, 68 गर्भवती महिलाओं की सोनोग्राफी की गई। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र चिचोली में स्त्री रोग चिकित्सक डॉ रूपल श्रीवास्तव द्वारा 32 गर्भवती महिलाओं की जांच की गई, जिसमें हाई रिस्क 30 महिलाएं पाई गई।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सेहरा में चिकित्सा अधिकारी डॉ अंकुश मर्सकोले द्वारा 96 गर्भवती महिलाओं की जांच की गई, जिसमें 23 महिलाएं हाई रिस्क पाई गईं। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र प्रभात पट्टन में चिकित्सक अधिकारी डॉ सोनाली मरकाम द्वारा 10 गर्भवती महिलाओं की जांच की गई, जिसमें 7 हाई रिस्क महिलाओं की जांच की गई। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मुलताई में स्त्री रोग चिकित्सक डॉ सरिता कालभोर द्वारा 61 गर्भवती महिलाओं की जांच की गई, जिसमें 31 हाई रिस्क महिलाएं पाई गईं। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र आठनेर में चिकित्सक अधिकारी डॉ माधुरी वहाने द्वारा 68 गर्भवती महिलाओं की जांच की गई, जिसमें 27 हाई रिस्क महिलाएं पाई गई। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र घोड़ाडोंगरी में स्त्री रोग चिकित्सक (पीजीएमओ) डॉ कविता कोरी द्वारा 40 गर्भवती महिलाओं की जांच की गई, जिसमें 26 हाई रिस्क महिलाओं की जांच की गई। सिविल अस्पताल आमला में खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ अशोक नरवरे द्वारा 40 गर्भवती महिलाओं की जांच, जिसमें हाई रिस्क 23 महिलाएं पाई गई। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र भैंसदेही में चिकित्सा अधिकारी डॉ व्योमा वर्मा द्वारा 17 गर्भवती महिलाओं की जांच की गई, जिसमें 17 हाई रिस्क महिलाएं पाई गई। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र भीमपुर में महिला चिकित्सक डॉ.तरूणा काकोडिया द्वारा 47 गर्भवती महिलाओं की जांच की गई, जिसमें 24 हाई रिस्क महिलाएं पाई गई। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र शाहपुर में महिला चिकित्सा अधिकारी डॉ सोनू गोड़ द्वारा 54 गर्भवती महिलाओं की जांच की गई, जिसमें 26 हाई रिस्क महिलाएं पाई गई।

सांसद माया नारोलिया ने किया राष्ट्र निर्माण का शंखनाद

सांस्कृतिक अभ्युदय और आत्मनिर्भरता की धुरी है नारी शक्तिः राज्यसभा सांसद श्रीमती माया नारोलिया

नर्मदापुरम (निप्र)। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के पावन अवसर पर राजधानी के प्रतिष्ठित विज्ञान भवन में 'भारती नारी से नारायणी' विषयक एक दिवसीय राष्ट्रीय विचार संगोष्ठी का भव्य आयोजन संपन्न हुआ। भारतीय विद्वत परिषद एवं राष्ट्र सेविका समिति 'शरण्या' के तत्वावधान में आयोजित इस वैचारिक महाकुंभ में देश भर की प्रबुद्ध महिला विचारकों ने सहभागिता की। कार्यक्रम के अत्यंत महत्वपूर्ण 'अहं राष्ट्री' सत्र को संबोधित करते हुए मध्य प्रदेश से राज्यसभा सांसद श्रीमती माया नारोलिया ने अपने विचारों से उपस्थित जनसमूह को उत्प्रेरित किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारतीय वांग्मय में नारी केवल शक्ति का प्रतीक नहीं, बल्कि राष्ट्र की चेतना का आधार है। श्रीमती नारोलिया ने अपने उद्बोधन में निम्नलिखित प्रमुख बिंदुओं पर विशेष बल देते हुए अपनी बात रखी कि:-सामाजिक समरसता एवं कुटुंब प्रबोधन की दिशा में संबोधित करते हुए कहाँ की उन्होंने परिवार को समाज की प्राथमिक इकाई बताते हुए मूल्यों के संरक्षण और समरस समाज के निर्माण में महिलाओं की निर्णायक भूमिका को रेखांकित किया। पर्यावरण एवं स्वदेशी संबंधी विषय हेतु ध्यान आकर्षित करते हुए प्रकृति के प्रति कृतज्ञता और 'स्वदेशी' को जीवन पद्धति बनाने का आह्वान करते हुए उन्होंने इसे आत्मनिर्भर भारत का मूल मंत्र बताया। नागरिक कर्तव्य को मध्य में रखकर उन्होंने कहा कि अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्यों के प्रति सजगता ही एक जीवंत राष्ट्र की पहचान है। इस संगोष्ठी का मूल उद्देश्य राष्ट्र के बौद्धिक विमर्श में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना और 'विकसित भारत' के संकल्प में उनके योगदान को सुदृढ़ करना रहा। विभिन्न क्षेत्रों से आईं मनीषी महिलाओं ने भी समाज और राष्ट्र के सर्वांगीण उत्कर्ष हेतु अपने विचार साझा किए।

'ईंट भट्ठों पर काम करने वाले परिवारों के बच्चों को आंगनवाड़ी से जोड़ने का सफल अभियान'

कलेक्टर अंशुल गुप्ता की पहल से जिले में 49 ईंट भट्ठों पर बच्चों का पंजीयन, पोषण और शिक्षा से जुड़ने लगे प्रवासी परिवार

विदिशा (निप्र)। विदिशा जिले में ईंट भट्ठों पर काम करने वाले मजदूर परिवारों के बच्चों को आंगनवाड़ी सेवाओं से जोड़ने के लिए चलाया गया अभियान अब एक सफलता की कहानी बन गया है। आमतौर पर ईंट भट्ठों पर काम करने वाले परिवारों का लगातार स्थान परिवर्तन होता रहता है, जिसके कारण उनके बच्चे आंगनवाड़ी सेवाओं से वंचित रह जाते थे। इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता के निर्देशन में विशेष पहल की गई। कलेक्टर श्री गुप्ता ने महिला एवं बाल विकास विभाग, परियोजना अधिकारियों, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सुपरवाइजरों की टीम को ईंट भट्ठों पर जाकर वहां रहने वाले परिवारों और बच्चों की पहचान करने के निर्देश दिए। टीम द्वारा लगातार ईंट भट्ठों का भ्रमण कर बच्चों का पंजीयन किया गया और गर्भवती व धात्री महिलाओं को भी विभिन्न योजनाओं से जोड़ा गया। विकासखण्ड स्तर पर किए गए सर्वे के अनुसार जिले में कुल 49 ईंट भट्ठों पर

पहुंचकर आंगनवाड़ी सेवाओं से परिवारों को जोड़ा गया। इनमें विदिशा विकासखण्ड में 2, गंजबासौदा में 35, सिरोंज में 10 और लटेरी में 2 ईंट भट्ठों पर कार्य किया गया। इस अभियान का सकारात्मक परिणाम यह रहा कि जो परिवार पहले आंगनवाड़ी सेवाओं से दूर थे, अब वे इन सेवाओं से लाभान्वित हो रहे हैं। माता-पिता भी अब बच्चों के पोषण, टीकाकरण और प्रारंभिक शिक्षा के प्रति जागरूक हो रहे हैं। इसी क्रम में विदिशा जिले के सुनपुरा गांव स्थित ईंट भट्ठे पर कार्यरत तीन बच्चों की पहचान की गई, जिनका पहले आंगनवाड़ी केन्द्र में पंजीयन नहीं हुआ था। आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा इन बच्चों का पंजीयन कर उनके पोषण और स्वास्थ्य संबंधी सेवाओं से जोड़ने की प्रक्रिया शुरू की गई। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता का कहना है कि प्रशासन और सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से इस तरह के प्रयासों से समाज के वंचित वर्गों तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाया जा सकता है। यह पहल न केवल बच्चों के बेहतर भविष्य की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि जिले के लिए एक प्रेरणादायक उदाहरण भी बन गई है।

कलेक्टर श्री विश्वकर्मा की अध्यक्षता में जिला जल एवं स्वच्छता मिशन की बैठक सम्पन्न

रायसेन (निप्र)। जल जीवन मिशन के तहत जिला जल एवं स्वच्छता मिशन की बैठक कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में सम्पन्न हुई। बैठक में कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने जल जीवन मिशन के तहत जिले में एकल नलजल योजनाओं और समूह नलजल योजनाओं के संचालन और निर्माणाधीन कार्यो की प्रगति की विस्तृत समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

आगामी 14 मार्च को आयोजित होगी नेशनल लोक अदालत

रायसेन (निप्र)। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार एवं प्रधान जिला न्यायाधीश श्री अनिल कुमार सोहाने के मार्गदर्शन में आगामी 14 मार्च 2026 को आयोजित होने वाली वर्ष की प्रथम राष्ट्रीय लोक अदालत के व्यापक प्रचार-प्रसार एवं आमजन को जागरूक करने के उद्देश्य से दिनांक 09 मार्च 2026 को जिला न्यायालय परिसर रायसेन से प्रचार वाहनों को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया। आगामी 14 मार्च को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत में दीवानी, फौजदारी, पारिवारिक विवाद, मोटर दुर्घटना क्षतिपूर्ति (क्लेम), धारा 138 चेक बाउंस, विद्युत, श्रम, भू-अर्जन तथा नगर पालिका/नगर निगम से संबंधित न्यायालयों में लंबित एवं प्री लिटिगेशन प्रकरणों सहित लगभग 17,057 प्रकरणों को निराकरण हेतु रखा गया है। इन प्रकरणों के निराकरण के लिए जिला एवं तहसील न्यायालयों में कुल 26 खंडपीठों का गठन किया गया है, जिनमें से 07 खंडपीठ जिला न्यायालय रायसेन एवं 19 खंडपीठ तहसील न्यायालयों में गठित की गई हैं। राष्ट्रीय लोक अदालत में सम्पत्ति कर, जलकर एवं विद्युत संबंधी प्रकरणों के निराकरण में शासन की गाइडलाइन के अनुसार पक्षकारों को अधिभार में छूट भी प्रदान की जाएगी।

पेयजल आपूर्ति से संबंधित किसी भी प्रकार की समस्या न होः कलेक्टर सुश्री मीना

आगामी दो दिवसों में उपार्जन केंद्रों के लिए सभी तहसीलों से प्रस्ताव प्रेषित किए जाएं नहरों एवं अन्य जल संरचनाओं को प्राथमिकता के आधार पर राजस्व रिकॉर्ड में किया जाए दर्ज समय सीमा की बैठक संपन्न

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना ने आयोजित समय-सीमा की बैठक में शासन की विभिन्न योजनाओं, अभियानों एवं लंबित प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा करते हुए अधिकारियों को त्वरित और प्रभावी कार्यवाही के निर्देश दिए। उन्होंने संकल्प से समाधान अभियान, सीएम हेल्पलाइन शिकायतों के निराकरण, जनसुनवाई प्रकरणों, गेहूं उपार्जन की तैयारियों, जल गंगा संवर्धन अभियान, प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 तथा ग्रीष्मकालीन पेयजल व्यवस्थाओं की प्रगति का आकलन करते हुए सभी विभागों को समयसीमा का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने संकल्प से समाधान अभियान की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि अभियान के तहत आयोजित किए जाने वाले क्लस्टर कैंपों में जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति भी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने सभी एसडीएम को निर्देशित किया कि अभियान की पूरी अवधि में वे निरंतर मॉनिटरिंग करते हुए कार्यों की प्रगति पर नजर रखें। कलेक्टर ने बैठक के दौरान निर्देशित किया कि लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग ग्रीष्मकाल के दौरान संभावित पेयजल समस्याओं से निपटने के लिए प्रभावी कार्य योजना तैयार करे। उन्होंने कहा कि गर्मी के मौसम में नागरिकों को पेयजल की कोई समस्या न हो, इसके लिए अभी से आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित की जाएं। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि हैंडपंप सहित अन्य जल स्रोतों के सुधार कार्य को प्राथमिकता के साथ शीघ्र पूरा किया जाए। साथ ही पेयजल संबंधी समस्याओं की निरंतर निगरानी कंट्रोल रूम के माध्यम से की जाए, ताकि किसी भी समस्या का त्वरित समाधान किया जा सके। उन्होंने नल-जल योजना के अंतर्गत किए गए कार्यों का वेरिफिकेशन भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने सभी एसडीएम को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने कार्यक्षेत्र में आने वाले जल स्रोतों एवं संभावित समस्या वाले स्थानों की विस्तृत समीक्षा करें और यह सुनिश्चित करें कि कहीं भी पेयजल आपूर्ति से संबंधित समस्या उत्पन्न न हो। उन्होंने कहा कि

आवश्यकता पड़ने पर प्रभावित क्षेत्रों में टैंकर के माध्यम से भी पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। इसके अलावा ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में आमजन की सुविधा के लिए प्याऊ की व्यवस्था भी संबंधित विभागों द्वारा की जाए। कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन अंतर्गत दर्ज शिकायतों की समीक्षा के दौरान बॉटम में स्थान प्राप्त करने वाले विभागों की कार्यशैली पर गहन असंतोष व्यक्त करते हुए कहा कि ये समस्त विभाग अपनी स्थिति में सुधार लाएं। उन्होंने संस्थागत वित्त, राजस्व, ग्रामीण विकास, सहित क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, श्रम विभाग को निर्देश दिए कि आगामी एक सप्ताह में स्थिति में सुधार न होने की स्थिति में संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध क्रायवाही प्रस्तावित की जाएगी। कलेक्टर ने 1000 दिवस एवं 500 दिवस से अधिक समय से लंबित शिकायतों को रैंडम तरीके से जांचते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिकायतों की गहनता से जांच कर उन्हें शीघ्रता से बंद कराएं। आगामी एक सप्ताह में ऐसी समस्त शिकायतों का निस्तारण सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने निर्देश दिए की समय सीमा के सभी मामलों में अधिकारी तत्परता दिखाते हुए उनका निराकरण करें। उन्होंने निर्देश दिए सभी अधिकारी समय सीमा अवधि का विशेष ध्यान रखें। इसी प्रकार कलेक्टर ने विभाग बार जनसुनवाई के लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए की 1 वर्ष पुराना कोई भी जनसुनवाई प्रकरण लंबित न रहे समस्त अधिकारी सुनिश्चित करें। उन्होंने एसडीएम सिवनी मालवा एवं सीओ सिवनी मालवा को निर्देशित किया की जनसुनवाई के दौरान प्राप्त सबसे पुरानी शिकायतों का निराकरण प्राथमिकता के आधार पर करें। समय सीमा की बैठक के दौरान कलेक्टर ने आयोग और न्यायालय के लंबित मामलों की भी समीक्षा की। कलेक्टर ने बैठक के दौरान गेहूं उपार्जन की तैयारियों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि आगामी दो दिनों के भीतर सभी अनुविभागों से उपार्जन केंद्रों के प्रस्ताव अनिवार्य रूप से प्रेषित किए जाएं। उन्होंने कहा कि गेहूं उपार्जन की प्रक्रिया सुचारू रूप से संचालित करने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर सुनिश्चित की जाएं। कलेक्टर ने यह भी निर्देश दिए कि गेहूं उपार्जन के लिए किसानों द्वारा किए गए पंजीयन का सत्यापन कार्य शीघ्रता से पूरा किया जाए। उन्होंने सभी तहसीलों में सत्यापन की गति बढ़ाने के निर्देश देते हुए कहा कि इस कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए।

बैठक के दौरान कलेक्टर ने जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत सभी सीईओ एवं संबंधित अधिकारियों को पूर्व नियोजित तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अभियान के अंतर्गत जल संरचनाओं के संरक्षण और सुदृढ़ीकरण के लिए ठोस कार्रवाई की जाए। कलेक्टर ने निर्देशित किया कि जल संसाधन विभाग के अंतर्गत आने वाली नहरों को राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज कराने की कार्रवाई को प्राथमिकता दी जाए। इस संबंध में उन्होंने जल संसाधन विभाग को निर्देशित किया कि विभागीय नहरों सहित अन्य जल संरचनाओं से संबंधित आवश्यक दस्तावेज राजस्व विभाग को उपलब्ध कराए जाएं, ताकि राजस्व रिकॉर्ड में उनका विधिवत अंकन किया जा सके। पीएम आवास योजना 2.0 अंतर्गत पट्टा वितरण एवं ~~पक्का~~अनुमोदन की स्थिति की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने सभी सीएमओ को निर्देशित किया की समयावधि का ध्यान रखते हुए सभी आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करें। किसी भी परिस्थिति में समयसीमा का उल्लंघन न हो यह सुनिश्चित किया जाए।

मध्यप्रदेश में सबसे गर्म ग्वालियर-चंबल... टेम्प्रेचर 6 डिग्री ज्यादा

● भोपाल, इंदौर-उज्जैन में भी गर्मी बढ़ी, 15 मार्च से असर बढ़ेगा

भोपाल (नप्र)। एमपी में मार्च के दूसरे हफ्ते से ही गर्मी के तेवर तीखे हो गए हैं। इस वजह से ग्वालियर-चंबल में तापमान सामान्य से 6 डिग्री के ज्यादा हो गया है। भोपाल, इंदौर और उज्जैन में भी गर्मी बढ़ी है। मौसम विभाग की माने तो 15 मार्च के बाद गर्मी का असर और भी बढ़ जाएगा। मंगलवार को धार में पारा सबसे ज्यादा 39 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। सागर में 38.9 डिग्री, रतलाम में 38.8 डिग्री, नर्मदापुरम में 38.8 डिग्री, खजुराहो (छतरपुर) में 38.3 डिग्री, गुना में 38.1 डिग्री और दमोह-टीकमगढ़ में 38 डिग्री दर्ज किया गया। बाकी शहरों में भी पारा 34 डिग्री या इससे अधिक ही रहा। 5 बड़े शहरों की बात करें तो ग्वालियर में सबसे ज्यादा 37.2 डिग्री, उज्जैन में 37 डिग्री, जबलपुर में 36.6 डिग्री, इंदौर में 36.8 डिग्री और भोपाल में 36.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

- **मार्च के दूसरे सप्ताह में पड़ती है गर्मी-** प्रदेश में मार्च के दूसरे पखवाड़े में तेज गर्मी का ट्रेंड है। पिछले 10 साल में 15 मार्च के बाद ही तेज गर्मी पड़ी है, लेकिन इस बार ट्रेंड बदल गया है। दूसरे पखवाड़े की बजाय शुरुआत में ही पारे में उछाल आया है।
- **15 के बाद बदल सकता है मौसम-** मौसम विभाग ने 15 मार्च के बाद मौसम में बदलाव होने का अनुमान जताया है। वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) की वजह से पूर्वी-दक्षिणी हिस्से में हल्की बूंदाबांदी और बादल छाए रह सकते हैं।

हवा की रफ्तार बदली, इसलिए जल्दी गर्मी

मौसम विभाग के अनुसार, वर्तमान में हवा की दिशा उत्तर-पूर्व से अब पश्चिम और उत्तर-पश्चिम हो गई है। वहीं, हवा में नमी बहुत कम है। साथ ही रेगिस्तानी इलाकों से मप्र पहुंचती है। यह अपने साथ गर्मी भी लाती है।

मार्च में सर्दी-जुकाम, एलर्जी का खतरा- डॉक्टरों की मानें तो मार्च का यही मौसम सबसे ज्यादा बीमारियां फैलाता है। दरअसल, इस महीने दिन में तो गर्मी बढ़ जाती है, लेकिन रात और सुबह हल्की ठंड रहती है। कई बार लोग दिन की गर्मी से बचने के लिए हल्के कपड़े पहन लेते हैं। वहीं, कोल्ड्रिंक्स समेत शीतल पेय पदार्थों का भी सेवन करते हैं। इससे सर्दी-जुकाम एलर्जी और अस्थमा के मरीज बढ़ते हैं। सुबह और देर रात ठंडी हवा से बचना जरूरी है। खासकर बच्चों और बुजुर्गों को।

समीक्षा बैठक

जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने बुधवार को मंत्रालय में जल संसाधन विभाग की समीक्षा बैठक ली।

2 दिन से कमर्शियल सिलेंडर की सप्लाई ठप

● पारंपरिक ईंधन के इस्तेमाल पर जुर्माना ● खाद्य विभाग के अधिकारी बोले- लकड़ी, कंडे, भट्ठी जलाएं

भोपाल/इंदौर/ग्वालियर (नप्र)। ईरान-इजराइल युद्ध के असर से मध्य प्रदेश में 2 दिन से कमर्शियल गैस सिलेंडर की सप्लाई ठप है। इस वजह से सबसे ज्यादा संकट होटल-रेस्टॉरेंट इंडस्ट्रीज पर आया है। वहीं, जिन घरों में शादी है, वे टेंशन में हैं। कैटरर्स का कहना है कि ये इमरजेंसी जैसी स्थिति है। जिन घरों में शादी है, वे कैसे होंगी? अकेले भोपाल में ही 20 दिन में एक हजार से ज्यादा शादियां हैं।

होटल, रेस्टॉरेंट कारोबार और शादियों के अलावा सोना-चांदी आभूषण बनाने वाले कारीगरों और रेहड़ी पर भी संकट खड़ा हो गया है। भोपाल सराफा एसोसिएशन के नवनीत अग्रवाल ने बताया कि शहर में करीब 3 हजार कारीगर काम करते हैं। हर कारीगर को महीने में औसतन 3 सिलेंडर की जरूरत होती है। इस हिसाब से सराफा कारोबार में महीने भर में करीब 9 हजार सिलेंडर इस्तेमाल होते हैं, यानी रोजाना लगभग 300 सिलेंडर की जरूरत पड़ती है।

वहीं इंदौर में कमर्शियल सिलेंडर के संकट के बीच खाद्य विभाग के अधिकारी ने लकड़ी, कंडा, भट्ठी जैसे पारंपरिक ईंधन जलाने पर जोर दिया है।

फूड कंट्रोलर एमएल मारू ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय समस्या के कारण कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की रोक के बाद मंगलवार को कैटरिंग संगठन की बैठक ली गई थी, जिसमें कैटरिंग व्यवसाय से जड़े लोगों को एलपीजी सिलेंडर के स्थान पर पारंपरिक ईंधन स्रोत अपनाने की सलाह दी गई है।

बता दें कि लकड़ी, कोयला, कंडा आदि पारंपरिक ईंधन, भट्ठी और तंदूर जलाने से प्रदूषण होता है। इस पर 10 हजार रुपए तक जुर्माने का प्रावधान है।

वहीं बैठक के बाद कैटरिंग संगठन ने शादियों में अब 100 तरह के पकवान के बजाय 15 तरह के पकवान तैयार करने का ही फैसला किया है।

- **उज्जैन में कमर्शियल सिलेंडर की कमी से रेस्टॉरेंट संचालक परेशान-** कमर्शियल गैस सिलेंडर की सप्लाई पर रोक लगने के बाद महाकाल मंदिर के आसपास संचालित करीब 350 से अधिक रेस्टॉरेंट सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं। दो दिन से गैस की सप्लाई लगभग 50 प्रतिशत कम हो गई है, जिससे कई रेस्टॉरेंट में सिलेंडर खत्म होने की स्थिति बन गई है, अगर यही हाल रहा तो भगवान महाकाल के दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को भोजन की समस्या का सामना करना पड़ सकता है। कई रेस्टॉरेंट संचालक अब खाना बनाने के लिए कोयले के विकल्प की तलाश में दुकानदारों से संपर्क कर रहे हैं।
- **रोज एक लाख श्रद्धालु पहुंच रहे महाकाल मंदिर-** महाकाल मंदिर में प्रतिदिन करीब एक लाख श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं। इनमें से बड़ी संख्या में लोग मंदिर के आसपास स्थित रेस्टॉरेंट और होटलों में भोजन करते हैं। ऐसे में कमर्शियल गैस सिलेंडर की सप्लाई बंद होने से रेस्टॉरेंट संचालकों के सामने बड़ी परेशानी खड़ी हो गई है। कई रेस्टॉरेंट में केवल एक-दो दिन का ही गैस स्टॉक बचा है, जिससे आगे स्थिति और गंभीर हो सकती है।
- **भोपाल में 14 हजार उपभोक्ताओं वाली एजेंसी पर सप्लाई ठप, 5 दिन की वेटिंग-** मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में गैस सिलेंडर का संकट गहरा गया है। घरेलू सिलेंडरों के लिए भी उपभोक्ताओं को भारी मशक्कत करना पड़ रही है। शहर की गैस एजेंसियों के बाहर सुबह से ही लोगों की लंबी कतारें लग रही हैं, लेकिन न तो नए सिलेंडर मिल रहे हैं और न ही बुकिंग हो पा रही है। खासकर 5 नंबर स्थित इंडेन गैस एजेंसी पर स्थिति गंभीर है।

यहां 14 हजार उपभोक्ता परेशान हैं। एजेंसी संचालक के अनुसार, सिलेंडर एक दिन छोड़कर मिल रहे हैं, जिसके कारण 4 से 5 दिन की वेटिंग चल रही है। लोग घंटों इंतजार के बाद खाली हाथ लौटने को मजबूर हैं, जिससे जनता में प्रशासन के दावों के प्रति नाराजगी बढ़ रही है।

डिप्टी सीएम के साथ दो मंत्रियों की बनी समिति, अधिकारियों के दिए निर्देश- कालाबाजारी रोकने सख्त कदम उठाएं

मध्य प्रदेश सरकार ने कलेक्टरों से कहा है कि रसोई गैस की कालाबाजारी रोकने के कदम उठाएं और स्टॉक की समीक्षा करें। होटल, मॉल, बल्क एलपीजी सिलेंडर उपयोग करने वाले औद्योगिक क्षेत्र और फैक्ट्रियों को फिलहाल सिलेंडर नहीं दिए जाएंगे।इसकी भी रिपोर्ट कलेक्टर लेंगे। दूसरी ओर, राज्य सरकार ने डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय मंत्रिमंडलीय समिति का गठन भी पेट्रोलियम पदार्थों की उपलब्धता और निगरानी के लिए कर दिया है।इस समिति में डिप्टी सीएम देवड़ा के अलावा खाद्य, नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत, एमएसएमई मंत्री चैतन्य काश्यप शामिल किए हैं। समिति के सदस्य अपर मुख्य सचिव खाद्य, नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता संरक्षण विभाग रश्मि अरुण शमी होंगी। यह समिति आवश्यकतानुसार बैठक कर केंद्र सरकार से मिलने वाले निर्देशों के आधार पर नागरिकों के हित में किए जाने वाले उपायों की समीक्षा करेगी।

मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने किया रचना टॉवर का दौरा

रचना टॉवर परिसर में होगा सौंदर्यीकरण

पार्क, ओपन जिम और पोल लाइट लगाने के निर्देश

भोपाल(नप्र)। सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने बुधवार को नरेला विधानसभा अंतर्गत स्थित रचना टॉवर परिसर का दौरा कर क्षेत्र की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्थानीय नागरिकों से चर्चा कर क्षेत्र की समस्याओं और आवश्यकताओं की जानकारी ली। नागरिकों द्वारा क्षेत्र में बेहतर सार्वजनिक सुविधाओं और सौंदर्यीकरण की मांग को ध्यान में रखते हुए मंत्री श्री सारंग ने अधिकारियों को रचना टॉवर के समक्ष स्थित पेविंग के समीप सौंदर्यीकरण कार्य कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस स्थान को व्यवस्थित और आकर्षक रूप देने के लिए यहां पार्क का विकास किया जाएगा, जिससे क्षेत्र के नागरिकों को स्वच्छ और हरित वातावरण मिल सके।

मंत्री श्री सारंग ने निर्देश दिए कि पार्क के साथ ही यहां ओपन जिम की भी व्यवस्था की जाए, जिससे क्षेत्र के नागरिक नियमित रूप से व्यायाम कर सकें और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा मिल सके। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में बढ़ती आबादी को देखते हुए इस प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध कराना आवश्यक है। उन्होंने

अधिकारियों को निर्देशित किया कि पार्क और ओपन जिम क्षेत्र की फेंसिंग कर उसे सुरक्षित और व्यवस्थित बनाया जाए।

मंत्री श्री सारंग ने क्षेत्र में बेहतर प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए रचना टॉवर के समक्ष पोल लाइट लगाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि रचना टॉवर परिसर के सौंदर्यीकरण से संबंधित सभी कार्यों की कार्ययोजना तैयार कर शीघ्रता से कार्य प्रारंभ किया जाए, जिससे क्षेत्र के नागरिकों को जल्द से जल्द इन सुविधाओं का लाभ मिल सके।

इस अवसर पर संबंधित विभागों के अधिकारी और स्थानीय नागरिक भी उपस्थित रहे। नागरिकों ने क्षेत्र के विकास के लिए मंत्री श्री सारंग का आभार व्यक्त किया।

टीकाकरण के बाद डेढ़ माह के मासूम की मौत

● पन्ना में परिजनों ने एएनएम पर लापरवाही का आरोप लगाया

पन्ना (नप्र)। मध्य प्रदेश के पन्ना जिले में टीकाकरण के कुछ घंटों बाद डेढ़ माह के एक बच्चे की मौत हो गई। परिजनों ने स्वास्थ्य विभाग की एएनएम पर लापरवाही का आरोप लगाया है। यह घटना पन्ना शहर के वार्ड क्रमांक-3, इंद्रपुरी कॉलोनी में हुई।

इंजेक्शन लगाने के बाद बिगड़ी तबियत- परिजनों के अनुसार, मंगलवार को वे अपने डेढ़ माह के बेटे प्रिंस वर्मा को नियमित टीकाकरण के लिए स्थानीय आंगनवाड़ी केंद्र ले गए थे। परिवार का आरोप है कि ड्यूटी पर तैनात एएनएम ने बच्चे को एक साथ तीन इंजेक्शन लगाए। घर लौटने के बाद मंगलवार रात से ही बच्चे की तबीयत बिगड़ने लगी। बुधवार, 11 मार्च की सुबह जब परिजन उसे गंभीर स्थिति में जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, तो डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। बच्चे की मौत के बाद माता-पिता, माधुरी वंशकार और सूरज वंशकार ने स्वास्थ्य कर्मियों की लापरवाही को मौत का कारण बताया।

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता बोलीं- बच्चा स्वस्थ था

वार्ड क्रमांक-3 की आंगनवाड़ी कार्यकर्ता समय बुंदेला ने बताया कि टीकाकरण के समय बच्चा स्वस्थ दिख रहा था। उन्होंने कहा कि इंजेक्शन के बाद अचानक क्या हुआ, यह जांच का विषय है। घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस और स्वास्थ्य विभाग की टीम सक्रिय हो गई।

हारमोनियम वादक ने किया सुसाइड

20 दिन पहले मिली थी जमानत, नाबालिग मंगेतर से रेप केस में जेल में था; जांच शुरू

भोपाल (नप्र)। भोपाल के बिलखिरिया थाना क्षेत्र में हारमोनियम वादक विवेक तिवारी ने मंगलवार देर रात अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। बुधवार तड़के अस्पताल से सूचना मिलने पर पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू की। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है। टीआई उमेश चौहान के अनुसार, विवेक तिवारी (24) के खिलाफ नवंबर 2025 में रेप और पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज हुआ था। आरोप था कि उसने अपनी नाबालिग मंगेतर के साथ रेप किया था। दोनों परिवारों के बीच पहले से तय था कि लड़की के बालिग होने के बाद शादी कराई जाएगी।

20 दिन पहले जमानत पर जेल से छूटा- पुलिस के मुताबिक युवक करीब 6 महीने जेल में रहने के बाद लगभग 20 दिन पहले जमानत पर रिहा हुआ था। जेल से आने के बाद वह मानसिक तनाव में था। घटना स्थल से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस ने मृतक के कमरे को सील कर दिया है। एफएसएल टीम की मौजूदगी में कमरे की तलाशी ली जाएगी। परिजनों के विस्तृत बयान अभी दर्ज नहीं हो सके हैं।

शिकायत के दौरान पीड़िता के माता-पिता से मारपीट- रेप की शिकायत के बाद पीड़िता के माता-पिता आरोपी के घर पहुंचे थे। इस दौरान युवक की मां और बहन ने उनके साथ मारपीट की थी। इस मामले में युवक के खिलाफ रेप-पॉक्सो और उसकी मां-बहन के खिलाफ मारपीट व धमकी की धाराओं में केस दर्ज किया गया था।

पिता गांव में पुजारी, सम्मान को लेकर तनाव- मृतक के पिता गांव में पुजारी हैं। पुलिस के अनुसार युवक इस बात से परेशान रहता था कि उसके मामले से पिता की प्रतिष्ठा खराब हुई। विवेक हारमोनियम वादन में माहिर था और उसे राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान भी मिल चुका था।

'सर, मैं जिंदा हूं', चार साल पहले छिंदवाड़ा में किसान को कागजों में मारा

सम्मान निधि से नाम भी कटा

छिंदवाड़ा (नप्र)। एमपी के छिंदवाड़ा जिले में सरकारी रिकॉर्ड की बड़ी लापरवाही सामने आई है। यहां एक किसान को कागजों में मृत घोषित कर दिया गया, जबकि वह जिंदा है और पिछले चार साल से खुद को जिंदा साबित करने के लिए अधिकारियों के चक्कर काट रहा है। रिकॉर्ड में मृत दिखाए जाने के

कारण उसे केंद्र सरकार की किसान सम्मान निधि योजना का लाभ भी नहीं मिल पा रहा है।

चार साल से बता रहा है कि मैं जिंदा हूं

मामला चांद तहसील के ग्राम पतलोन का है। यहां के निवासी किसान ब्रेतना यादव ने बताया कि वह पिछले चार वर्षों से अपने आपको जिंदा साबित करने के लिए अधिकारियों के पास गुहार लगा रहा है। मंगलवार को जिला मुख्यालय में आयोजित जनसुनवाई में पहुंचकर उसने कलेक्टर से अपनी समस्या बताई और न्याय की मांग की।

- **2022 से बंद हो गई सम्मान निधि-** किसान ब्रेतना यादव ने बताया कि वर्ष 2022 तक उसके खाते में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की राशि नियमित रूप से आती थी। अचानक उसके बाद राशि आना बंद हो गई। शुरुआत में उसने इसे तकनीकी समस्या समझकर स्थानीय अधिकारियों से जानकारी लेने की कोशिश की, लेकिन उसे कोई स्पष्ट जवाब नहीं मिला। बाद में जब उसने संबंधित दस्तावेज निकलवाए तो पता चला कि सरकारी रिकॉर्ड में उसे मृत घोषित कर दिया गया है। इसी वजह से उसके खाते में आने वाली सम्मान निधि की राशि बंद कर दी गई।
- **13 बार दे चुका आवेदन-** किसान का कहना है कि वह पिछले चार सालों में कई बार तहसील और संबंधित विभाग के अधिकारियों के पास आवेदन दे चुका है। अब तक वह करीब 13 आवेदन दे चुका है, लेकिन उसकी समस्या का समाधान नहीं हुआ। अधिकारियों द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं किए जाने से परेशान होकर वह जनसुनवाई में पहुंचा।
- **सवा एकड़ जमीन से चलता है गुजारा-** किसान ब्रेतना यादव के पास करीब सवा एकड़ कृषि भूमि है। इसी जमीन पर खेती कर वह अपने परिवार का भरण-पोषण करता है। किसान का कहना है कि सम्मान निधि की राशि उसके लिए बड़ी मदद थी, लेकिन रिकॉर्ड में मृत घोषित होने के कारण उसे यह लाभ नहीं मिल पा रहा है।
- **जनसुनवाई में की शिकायत-** मंगलवार को छिंदवाड़ा जिला मुख्यालय में आयोजित जनसुनवाई में पहुंचकर किसान ने अपनी पूरी समस्या अधिकारियों के सामने रखी। उसने मांग की कि सरकारी रिकॉर्ड में सुधार कर उसे जिंदा घोषित किया जाए और पिछले चार साल से बंद सम्मान निधि की राशि उसे दिलाई जाए। जिला प्रशासन के अधिकारियों ने किसान की शिकायत सुनकर मामले की जांच कराने और आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

कुएं में डूबे दो बच्चे...नवजात को लेकर मां भी कूदी

खरगोन में तीनों बच्चों की मौत; ग्रामीणों ने महिला को बचाया

बड़वाह (खरगोन) (नप्र)। खरगोन में नवजात सहित तीन बच्चों की मौत हो

गई। घटना सनावद थाना क्षेत्र के भोमवाड़ा-मलगांव के बीच की है।

पुलिस के अनुसार, डेहरिया निवासी कालू पिता महार सिंह अपने परिवार के साथ 8-10 दिनों से मलगांव में बलिराम भमोरिया के खेत में मजदूरी कर रहा था। बुधवार सुबह कालू काम पर गया था। घर में उसकी पत्नी नानी बाई अपने तीन बच्चों अर्जुन (4.5 वर्ष), करण (2.5 वर्ष) और 20 दिन के नवजात शिशु के साथ थी।

सुबह ग्रामीणों को सूचना मिली कि नानी बाई और तीनों बच्चे कुएं में गिर गए हैं। ग्रामीणों ने मौके पर पहुंचकर कुएं में रस्सी फेंकी और नानी बाई को जीवित बाहर निकाल लिया। हालांकि, तब तक तीनों बच्चे पानी में डूब चुके थे।

घटना की जानकारी मिलने पर पिता कालू मौके पर पहुंचे। सनावद पुलिस बल भी सूचना मिलते ही घटनास्थल पर पहुंचा। ग्रामीणों की मदद से तीनों बच्चों के शवों को करीब 11 बजे कुएं से बाहर निकाला गया। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए सनावद सिविल अस्पताल भेज दिया है।

मां बच्चों को बचाने कुएं में कूदी

स्थानीय लोगों के अनुसार, बड़े बच्चे करण और अर्जुन बाहर खेल रहे थे। जब वे काफी देर तक नहीं दिखे तो मां नानी बाई कुएं के पास उन्हें देखने गई। कुएं के पानी में दोनों के शव देखने पर वह अपने 20 दिन के नवजात शिशु को लेकर कुएं में कूद गईं। लोगों ने रस्सी के सहारे से मां को तो बाहर निकाल लिया, जिससे उसकी जान बच गई, लेकिन तीनों बच्चों को नहीं बचाया जा सका। हालांकि पुलिस इस मामले में सभी पहलुओं से जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और मां के बयानों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।